20.04.2004_20.04.2004.qxd 4/19/2024 11:30 PM Page 1

शनिवार
20 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज



लालू राज में हालत बद से बदतर थी: नीतीश

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

लोकसभा चुनाव का पहला चरण: बंगाल में सबसे ज्यादा 77.57% और बिहार में सबसे कम 47.74%पड़े वोट

21 राज्यों की 102 सीटों पर 62 फीसदी मतदान

- 2019 में इन्हीं 102 सीटों पर 69.96% हुई थी वोटिंग
- 2019 में इन 102 लोकसभा सीटों पर भाजपा ने 40, डीएमके ने 24, कांग्रेस ने 15 सीटें जीती थीं, अन्य को 23 सीटें मिली थीं

एजेंसी/नई दिल्ली

देश में पहले चरण में 21 राज्यों की 102 सीटों पर शुक्रवार को वोटिंग खत्म हो गई। 102 सीटों पर शाम 6 बजे तक 62.37 फीसदी मतदान दर्ज किया गया । जिन 102 सीटों पर मतदान हुआ वहां 2019 में 69.96% वोटिंग हुई थी। जानकारी के अनुसार शाम 5 बजे तक सबसे ज्यादा वोटिंग बंगाल में 77.57% हुई। सबसे कम वोटिंग बिहार में 47.74% हुई। इस दौरान पश्चिम बंगाल में हिंसा की कुछ छिटपुट घटनाएं सामने आईं, वहीं छत्तीसगढ़ में एक ग्रेनेड लांचर के गोले में दुर्घटनावश विस्फोट होने से सीआरपीएफ के एक जवान की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश, अंडमान निकोबार द्वीपसमूह और असम में कुछ बूथ पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में मामूली खामियों की शिकायत आई। मतदान सुबह सात बजे आरंभ हुआ और शाम छह बजे तक जारी रहा। पश्चिम बंगाल में कूचबिहार सीट पर हिंसा के कारण मतदान प्रभावित हुआ। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के सूत्रों ने बताया कि दोनों दलों के कार्यकर्ताओं ने मतदान के पहले कुछ घंटों में चुनावी हिंसा, मतदाताओं को धमकाने और चुनाव एजेंटों पर हमलों संबंधी क्रमशः 80 तथा 39 शिकायतें दर्ज कराई हैं। अधिकारियों ने बताया कि ईवीएम संबंधी कुछ छोटी-मोटी गड़बड़ियां थीं लेकिन उन्हें तुरंत ठीक कर लिया गया। चुनाव आयोग ने पहले चरण के मतदान के लिए 1.87 लाख मतदान केंद्रों पर 18 लाख से अधिक मतदान कर्मियों को तैनात किया था।



2019 में इन 102 लोकसभा सीटों पर भाजपा ने 40, डीएमके ने 24, कांग्रेस ने 15 सीटें जीती थीं। अन्य को 23 सीटें मिली थीं। इस चरण में अधिकतर सीटों पर मुकाबला इन्हीं 3 दलों के बीच है। पहले चरण में 1,625 कैंडिडेट्स चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 1,491 पुरुष, 134 महिला कैंडिडेट हैं। 8 केंद्रीय मंत्री, एक पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल भी इस बार चुनाव मैदान में हैं। इस चरण के बाद 26 अप्रैल को दूसरे चरण की वोटिंग होगी। कुल 7 चरण में 543 सीटों पर 1 जून को मतदान खत्म होगा। सभी सीटों के रिजल्ट 4 जून को आएंगे। पहले चरण में जिन राज्यों की सभी लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ, उनमें तमिलनाडु (39), उत्तराखंड (5), अरुणाचल प्रदेश (2), मेघालय (2), अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (1), मिजोरम (1), नगालैंड (1), पुडुचेरी (1), सिक्किम (1) और लक्षद्वीप (1) शामिल हैं। इसके अलावा राजस्थान में 12, उत्तर प्रदेश में 8, मध्य प्रदेश में 6, असम और महाराष्ट्र में 5-5, बिहार में 4, पश्चिम बंगाल में 3, मणिपुर में 2 और त्रिपुरा, जम्मू कश्मीर तथा छत्तीसगढ़ में एक-एक सीट पर मतदान हुआ।

लोकसभा चुनाव... पहले चरण के राज्यवार मतदान के आंकड़े

उत्तर प्रदेश: पहले चरण में आठ सीटों में पर मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक सहारनपुर सीट पर सबसे ज्यादा 63.29% और रामपुर सीट पर सबसे कम 52.42% वोटिंग हुई है। 2019 में इन सीटों में से सहारनपुर में सबसे ज्यादा 70.87% और में सबसे कम रामपुर 63.19% वोटिंग हुई थी। पिछले चुनाव में इन आठ सीटों में तीन-तीन पर भाजपा और बसपा और दो पर सपा को जीत मिली थी।

बिहार: पहले चरण में चार सीटें पर मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक औरंगाबाद सीट पर सबसे ज्यादा 49.95% और नवादा सीट पर सबसे कम 40.2% वोटिंग हुई है। 2019 में इन सीटों में से गया में सबसे ज्यादा 56.18% और नबादा में सबसे कम 49.73% वोटिंग हुई थी। पिछले चुनाव में इनमें से दो सीट पर लोजपा और एक-एक सीट पर भाजपा और जदयू ने जीत दर्ज की थी।

मध्य प्रदेश: पहले चरण में छह सीटें पर मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक छिंदवाड़ा सीट पर सबसे ज्यादा 73.85% और सीधी सीट पर सबसे कम 51.24% वोटिंग हुई। 2019 में इन सीटों में से छिंदवाड़ा में सबसे ज्यादा 82.42% और जबलपुर में सबसे कम 69.46% वोटिंग हुई थी। पिछले चुनाव में इनमें से पांच सीटें भाजपा और एक सीट कांग्रेस के खाते में गई थी।

राजस्थान: पहले चरण में 12 सीटें पर मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक गंगानगर सीट पर सबसे ज्यादा 60.29% और करौली धौलपुर सीट पर सबसे कम 42.53% वोटिंग हुई है। 2019 में इन सीटों में से गंगानगर में सबसे ज्यादा 74.77% और करौली धौलपुर में सबसे कम 55.18% वोटिंग हुई थी।

उत्तराखंड: पहले चरण में उत्तराखंड की सभी पांच सीटों पर मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक नैनीताल-उधमसिंह नगर सीट पर सबसे ज्यादा 59.36% और अल्मोड़ा सीट पर सबसे कम 44.43% वोटिंग हुई है। 2019 में इन सीटों में से हरिद्वार में सबसे ज्यादा 69.18% और अल्मोड़ा में सबसे कम अल्मोड़ा 52.31% वोटिंग हुई थी। पिछले चुनाव में सभी पांच सीटों पर भाजपा को जीत मिली।

राज्यवार मतदान प्रतिशत पर एक नजर...

- अंडमान निकोबार 56.87%
- अरूणाचल प्रदेश 65.49%
- असम 71.39%
- बिहार 47.74%
- छत्तीसगढ़ 63.41%
- जम्मू कश्मीर 65.08%
- लक्ष्दीप 59.02%
- मध्य प्रदेश 63.50 %
- महाराष्ट्र 55.29%
- मणिपुर 68.62%
- मेघालय 70.84 %
- मिजोरम 54.18 %
- नागालैंड 56.77 %
- पुडुचेरी 73.25 %
- राजस्थान 51.07 %
- सिक्किम 68.06 %
- तमिलनाडु 62.19 %
- त्रिपुरा 79.92 %
- यूपी 57.66 %
- उत्तराखंड 53.65 %
- पश्चिम बंगाल 77.57 %



मणिपुर, प. बंगाल के कुछ इलाकों में हिंसा के बीच पड़े वोट

लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण के मतदान के दौरान शुक्रवार देश के अलग-अलग हिस्सों में हिंसा की कुछ घटनाएं सामने आईं। पश्चिम बंगाल के साथ-साथ मणिपुर और छत्तीसगढ़ में भी हिंसा की खबर है। वहीं, बिहार के नवादा में बूथ संख्या 234 पर एक सिपाही की रछफरायफल और 20 गोलियां चोरी हो गईं। सिपाही को सस्पेंड कर दिया गया है। मणिपुर के इनर लोकसभा सीट के अंतर्गत बिष्णुपुर जिले के थमनपोकपी में एक मतदान केंद्र पर गोलीबारी हुई, जिसमें 3 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इम्फाल पूर्व के थोंगजू के एक बूथ पर ईवीएम में तोड़फोड़ की खबर है। मणिपुर में कुकी समुदाय के ग्रुप यंग कुकी ने चुनाव के बहिष्कार का ऐलान किया है। उन्होंने नारा लगाया कि न्याय नहीं तो वोट भी नहीं। इस समूह से करीब 1000 लोग जुड़े हुए हैं। ग्रुप की सदस्य हटजल हॉकिप कहती हैं, ह्वयंग कुकी कोई ऑगेर्नाइजेशन नहीं है और न ही ये किसी से जुड़ा है। कुकी युवाओं के अधिकारों की बात करता है। हम मणिपुर में बने हालात की वजह से इस चुनाव के खिलाफ हैं।

वहीं, छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उसूर थाना इलाके के गलगम में अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर सेल ब्लास्ट होने से एक जवान की मौत हो गई। उधर, भैरमगढ़ के चिहका गाँव में इलेक्शन ड्यूटी पर तैनात सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट आईडी ब्लास्ट में घायल हो गए हैं। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार के चांदमारी इलाके में जमकर पथराव हुआ। इस दौरान कुछ लोग घायल भी हुए हैं। भाजपा के बूथ अध्यक्ष लाब सरकार के साथ मारपीट हुई है। बीजेपी नेता के सिर में चोट आई है। कूचबिहार के ही दिनहाटा में भाजपा कार्यकर्ता के घर के बाहर के बाहर बम मिला है। राज्य के तूफानगंज और दिनहाटा ब्लॉक के भेटागुड़ी में भी झड़प की भी खबर है। राजाखोरा क्षेत्र में तनाव है।

जहां लालू प्रसाद की परछाई भी दिखेगी वहां लोकतंत्र उनसे बाहर दिखेगा: सम्राट चौधरी

सम्राट ने किया दावा- महागठबंधन का इस बार खाता भी नहीं खुलेगा

केटी न्यूज/पटना

बिहार में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की चार सीटों पर वोटिंग हुई। चार सीटों पर वोटिंग को लेकर बीजेपी ने बड़ा दावा किया है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने दावा किया है कि पहले चरण की सभी चार सीटों के साथ साथ बिहार की सभी 40 सीटों पर एनडीए गठबंधन की जीत होने जा रही है और इस बार महागठबंधन का खाता तक नहीं खुलेगा।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग के बीच राजनीतिक दल दूसरे चरण की चुनाव की तैयारियों में



जुटे हैं और ताबड़तोड़ चुनावी रैली कर रहे हैं। चुनाव प्रचार के लिए रवाना होने से पहले डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने दावा किया है कि बिहार में महागठबंधन का खाता नहीं खुलने जा रहा है। सम्राट चौधरी ने कहा कि महागठबंधन पूरी तरह से साफ हो चुका है। बिहार की जनता सिर्फ और सिर्फ नरेंद्र मोदी के साथ है और चुनाव का जो पहला रुझान दिख रहा है उससे स्पष्ट है कि जनता ने नरेंद्र मोदी को अपना मैंडेट दे दिया है। लोग नरेंद्र मोदी को ही फिर से देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं, इसलिए किसी दूसरे का खाता बिहार में खुलने वाला नहीं है। तेजस्वी यादव के कहने पर कि इसबार चौंकाने वाले रिजल्ट आएंगे, इसपर सम्राट ने कहा कि तेजस्वी यादव ने विधानसभा चुनाव के दौरान कहा था कि जो कहता हूं वही करता हूं लेकिन वह सब फेल हो चुका है। जहां लालू प्रसाद की परछाई भी दिखेगी वहां लोकतंत्र उनसे बाहर दिखेगा।

तेजस्वी जिसे छोटी बात कह रहे हैं उसपर मेरा खून खौलता है: चिराग

केटी न्यूज/जमुई

जमुई में एक चुनावी सभा के दौरान पिछले दिनों तेजस्वी यादव के सामने उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने चिराग पासवान को मां की गाली दी। इसका वीडियो वायरल होने के बाद एक तरह जहां एनडीए के तमाम दल आरजेडी पर हमलावर बने हुए हैं तो वहीं खुद चिराग पासवान ने कहा है कि तेजस्वी यादव जिसे छोटी बात कर कर रफादफा करने की कोशिश कर रहे हैं उसपर मेरा खून खौलता है। तेजस्वी की सभा में गाली गलौज पर चिराग ने कहा कि मेरे लिए यह बहुत ही सेंसेटिव मैटर है। मेरे परिवार के ऐसे लोगों को गाली दी जा रही है जो सार्वजनिक जीवन में नहीं हैं। इसका कतई मतलब नहीं है कि अगर कोई सार्वजनिक जीवन में हो आप उन्हें गाली दें। ऐसी भाषा का इस्तेमाल न तो किसी उम्मीदवार और नेता के लिए होना चाहिए और ना ही किसी आम देशवासी के लिए ही इस तरह गाली गलौज दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सभ्य समाज में ऐसी अभद्र भाषा की कहीं भी कोई गुंजाइश नही है। मर्यादित रहकर भी कड़े से कड़े शब्दों में किसी का विरोध जताया जा सकता है। राजनीति में शब्दों की मयार्दा को बनाए रखना जरूरी है। खास तौर पर युवाओं की जिम्मेवारी और बढ़ जाती है, जिनको एक बड़ी आबादी अपना आदर्श मानती है। ऐसे में हमरा सार्वजनिक आचरण बहुत महत्व रखता है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक याचिका को खारिज करते हुए की टिप्पणी

महिला अच्छी पत्नी नहीं बन पाई तो जरूरी नहीं वह अच्छी मां नहीं बन सकती

एजेंसी/मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक याचिका खारिज करते हुए कहा कि अगर एक महिला अच्छी पत्नी नहीं बन पाई इसका मतलब यह नहीं है कि वह एक अच्छी मां नहीं बन सकती है। अदालत ने पूर्व विधायक के बेटे की याचिका को खारिज करते हुए कहा नौ साल की बच्ची की कस्टडी उसकी मां को सौंपते हुए कहा कि व्याभिचार तालाक का आधार हो सकते हैं लेकिन बच्चे की कस्टडी देने का नहीं। बता दें, याचिका में पारिवारिक अदालत के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उनकी बेटी की कस्टडी उसकी पत्नी को दी गई थी। दरअसल, याचिका दायर करने वाले युवक की शादी 2010 में हुई थी। 2015 में उनकी बेटी का जन्म हुआ। 2019 में महिला ने दावा किया कि उसे उनके घर से निकाल दिया गया है। हालांकि, याचिकाकर्ता का कहना है कि उसकी पत्नी अपनी इच्छा से गई है। याचिकाकर्ता की



वकील इंदिरा जयसिंह ने अदालत से कहा कि महिला के कई अफेयर हैं, इसलिए बच्चे की कस्टडी उसे सौंपना सही नहीं होगा। याचिका में दावा किया गया कि उनकी बेटी उसके और उसके माता-पिता के साथ रहने से खुश रहेगी। वह अपनी मां से खुश नहीं है। लड़की के स्कूल के अधिकारियों ने भी याचिकाकर्ता की मां को ईमेल लिखकर महिला के व्यवहार पर चिंता जताई थी।

न्यायमूर्ति राजेश पाटिल की एकल पीठ ने मामले में सुनवाई करते हुए आपत्ति जताई कि जब बच्ची के मां-बाप खुद शिक्षित हैं तो स्कूल ने दादी से संपर्क क्यों किया। अदालत ने कहा कि स्कूल अधिकारियों को बच्ची से संबंधित मुद्दों के बारे में दादी को बताने का कोई कारण नहीं बनता। लड़की केवल नौ वर्ष की है, ऐसे में अदालत को बच्चे के कल्याण को सर्वोपरि मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि लड़की की देखभाल उसकी नानी ने की है और मां के संरक्षण में उसका शैक्षणिक रिकॉर्ड भी काफी अच्छा है। बच्ची की हिरासत को पत्नी से पति को सौंपने का कोई कारण नहीं है।

नामांकन पत्र की अस्वीकृति के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका को खारिज करते हुए कहा कि अगर सर्वोच्च अदालत चुनाव में नामांकन पत्रों की अस्वीकृति के खिलाफ याचिकाओं पर विचार करना शुरू कर दें तो अराजकता फैल जाएगी। दरअसल, बिहार के जवाहर कुमार झा बाकां संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ना चाहते थे। उन्होंने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में नामांकन भी भरा लेकिन उनका नामांकन खारिज हो गया। इसी के खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख करते हुए याचिका दायर की थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि अगर हम नामांकन पत्रों की अस्वीकृति के खिलाफ संविधान के तहत अनुच्छेद 32 के तहत याचिकाओं पर विचार करना शुरू कर देंगे तो अराजकता फैल जाएगी। हालांकि, उन्होंने उनके अधिवक्ता अलख आलोक श्रीवास्तव को उचित कानूनी उपाय खोजने की अनुमति जरूर दे दी। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि अगर हम नोटिस जारी करते हैं और मामले की सुनवाई करते हैं, तो भी यह चुनाव से परे जाएगा। आपको चुनाव आयोग के नियमों का पालन करना होगा। इसलिए हम इस याचिका की सुनवाई के इच्छुक नहीं हैं।



20.04.2004_20.04.2004.qxd 4/19/2024 11:30 PM Page 2

सीएम नीतीश कुमार ने बांका के अमरपुर में चुनावी सभा को किया संबोधित

लालू राज में बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था की हालत बद से बदतर थी: नीतीश

केटी न्यूज/पटना

बिहार के बांका में अमरपुर शहर के डुमरामा हाई स्कूल के मैदान में शुक्रवार को सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनावी सभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री नीतीश ने राजद प्रमुख तथा पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि 19 वर्षों के कार्यकाल के दौरान बिहार से जंगलराज का खात्मा किया गया है। पूर्व में शाम ढलने के बाद महिलाए घर से नहीं निकलती थी। अब महिलाएं देर रात तक बैखोफ होकर मार्केटिंग करती हैं। सीएम नीतीश ने कहा कि सड़कों की हालत बद से बदतर थी। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान सड़कों को दुरुस्त करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों को शहर की सड़कों तक जोड़ने का कार्य किया। बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था की हालत बद से



बदतर थी, जिसमें सुधार करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में विधालय, उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया गया। उन्होंने कहा कि गरीब घर की लड़की आर्थिक स्थिति कमजोर रहने की वजह से पढ़ाई नहीं कर पाती थी। उसमें सुधार करते हुए छात्रवृत्ति योजना, पोशाक योजनाएं, साइकिल योजना चलाकर गरीब और मेधावी छात्र-छात्राओं को शिक्षित करने का कार्य किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उन्होंने 2005 में सत्ता संभाली थी, उस समय का बजट 24 हजार करोड़ का थी। 19 साल के कार्यकाल में बजट को बढ़ाकर दो लाख 72 हजार करोड़ कर दिया। मैट्रिक पास करने पर दस हजार, इंटर पास करने पर 25 हजार और स्नातक पास करने पर 50 हजार की सहायता राशि छात्राओं को दी जा रही है। नौकरी में महिलाओं को 35 प्रतिशत का ,हैं। हर घर नल योजना के तहत सभी घरों में जल पहुंचाया गया।

नवादा: लापरवाही में पुलिस की हो गई रायफल चोरी

नवादा। नवादा में कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान हो रहा है, लेकिन इससे पहले वहां तैनात सिपाही का रायफल 20 राउंड गोली के साथ गायब हो गया। इस बात की सूचना मिलते ही सिपाही को तुरंत निलंबित कर दिया गया। यह घटना पकरीबरावां के राजेबीघा गांव की है। सिपाही उत्तम कुमार ने पकरीबरावां थाना में अपने रायफल और गोली की चोरी का मामला दर्ज कराया है। सोकर जगे तो गोली लोडेड रायफल गायब सिपाही उत्तम कुमार ने थाना में दिए गये आवेदन में लिखा है कि पोलिंग पार्टी के साथ पांच सुरक्षा बलों को लगाया गया था, जिसमें एक उत्तम कुमार भी था। मतदान केंद्र के करीब 200 मीटर की दूरी पर गुरुवार की रात्रि एक बारात ठहरी हुई थी। उत्तम जब सुबह जगे तो उनका रायफल वहां से गायब था। उसने सभी जगह खोजने का प्रयास किया। परंतु कहीं नहीं मिला। सिपाही कहना है कि जब उसने पता किया तब ज्ञात हुआ कि वहां पर भी बारात भी आयी हुई थी। सिपाही का आरोप है कि बारात में आए किसी शख्स ने मौका देखकर राइफल चोरी की है। मामला दर्ज होते ही पुलिस छापेमारी करना शुरू कर दिया। इस घटना की जानकारी मिलते ही वरीय पदाधिकारी ने उस सिपाही को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस घटना में पुलिस ने छापेमारी करते हुए बाराती के तीन लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। समस्तीपुर जिला बल के सिपाही उत्तम कुमार राउत ने बताया कि एसएलआर रायफल में 20 राउंड गोली भी लोड थी। पुलिस रायफल की खोजबीन में जुटी है। पुलिस कहना है कि जांच के बाद ही किसी नतीजे तक पहुंचा जा सकता है। हालांकि पुलिस सभी बिन्दूओं पर जांच कर रही है।

सीतामढ़ी में जल्द बनेगी माता सीता की 251 फीट ऊंची प्रतिमा, 30 एकड़ जमीन पर होगा भव्य मंदिर का निर्माण

केटी न्यूज/सीतामढ़ी



माता सीता की जन्मस्थली पुनौरा में भव्य सीता प्रतिमा की निर्माण जल्द ही किया जाएगा। बता दें कि लगभग 50 एकड़ की जमीन पर मां सीता की 251 फीट ऊंची प्रतिमा का निर्माण कराया जाना है। जिसकी तैयारी वर्ष 2018 से ही चल रहा है। इसके लिए 30 एकड़ जमीन भी उपलब्ध कराई जा चुकी है। इस संबंध में रामायण रिसर्च काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी सांदीपेंद्रजी महाराज ने कहा कि कुछ ही दिनों में यह प्रक्रिया पूरी होते ही वह खुद सीतामढ़ी आकर मंदिर निर्माण कार्य के स्थान, कार्य के चरण एवं प्रारूप की घोषणा करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव समाप्त होते ही वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस विषय पर भेंट करेंगे और सीतामढ़ी में उक्त स्थल के भूमि-पूजन हेतु प्रस्ताव भी रखेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2018 में जब उन्होंने सीतामढ़ी में काउंसिल के तत्वावधान में इस प्रयास की शुरूआत की थी, तब मां सीता को लेकर बस बातें ही होती थीं, लेकिन, काउंसिल की लगातार पहल के बाद कई संस्थाएं जागृत हुई हैं। इतना ही नहीं कुछ लोग काउंसिल से ही प्रेरित होकर मां सीता को भगवती के रूप में स्थापित करने की सलाह भी दे रहे हैं, जो स्वागत-योग्य है और यह काउंसिल की सतत जागरूकता का ही परिणाम है। काउंसिल के ही पहल पर अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर निर्माण से जुड़े आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा भी सीतामढ़ी विजिट कर चुके हैं और विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार भी काउंसिल के प्रकल्प को हरसंभव सहयोग की घोषणा कर चुके हैं। काउंसिल के कार्यालय से जानकारी दी गई कि संस्था ने कुछ दिनों पूर्व ही सभी समितियों एवं कमेटियों को भंग कर दिया था एवं काउंसिल के मुख्य मार्गदर्शक रहे श्री-श्री 1008 परमहंस स्वामी सांदीपेंद्रजी महाराज को अपना नया अध्यक्ष चुना था।

गुटखा खाने के लिए फाड़ रहा था पाउच, तभी पिकअप ने रौंदा, मौत

बगहा। बगहा में गुटखा खाने के लिए शख्स पाउच फाड़ रहा था। तभी उसे एक पिकअप ने रौंद दिया। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना भैरवगंज थाना क्षेत्र के कपरधिका के पास की है। बताया जा रहा कि एक पिकअप ने दूसरे पिकअप चालक को रौंदा है। वहीं वाहन को जब्त कर लिया गया है। मृतक की पहचान धनहा थाना क्षेत्र के घिवरडिया गांव निवासी लालबाबू गिरी के पुत्र मुन्ना गिरी (45) के रूप में की गई है । बताया जा रहा कि युवक भैरवगंज की तरफ से आ रहा था। पिकअप खड़ी कर गुटखा लेने के लिए एक दुकान पर गया था। गुटखा लेकर लौट के साथ ही अपने पिकअप के पास खड़ा हो गया और चबाने के लिए पाउच को फाड़ ही रहा था कि पीछे से आ रही एक पिकअप में जोरदार टक्कर मार दी। साथ ही मुन्ना गिरी पिकअप के अंदर फंस गया। स्थानीय लोगों के सहयोग से उसे बाहर निकला गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। इधर, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेजा है। घटना की सूचना मिलने पर परिजन अनुमंडलिए अस्पताल पहुंचे हैं। परिजनों का रो-रो कर बुरा है। फिलहाल पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। भैरवगंज थाना अध्यक्ष भरत कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। जिस पिकअप से हादसा हुआ है उसे जब्त कर लिया गया है। साथ ही आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एनडीए प्रत्याशी शांभवी चौधरी ने किया नामांकन

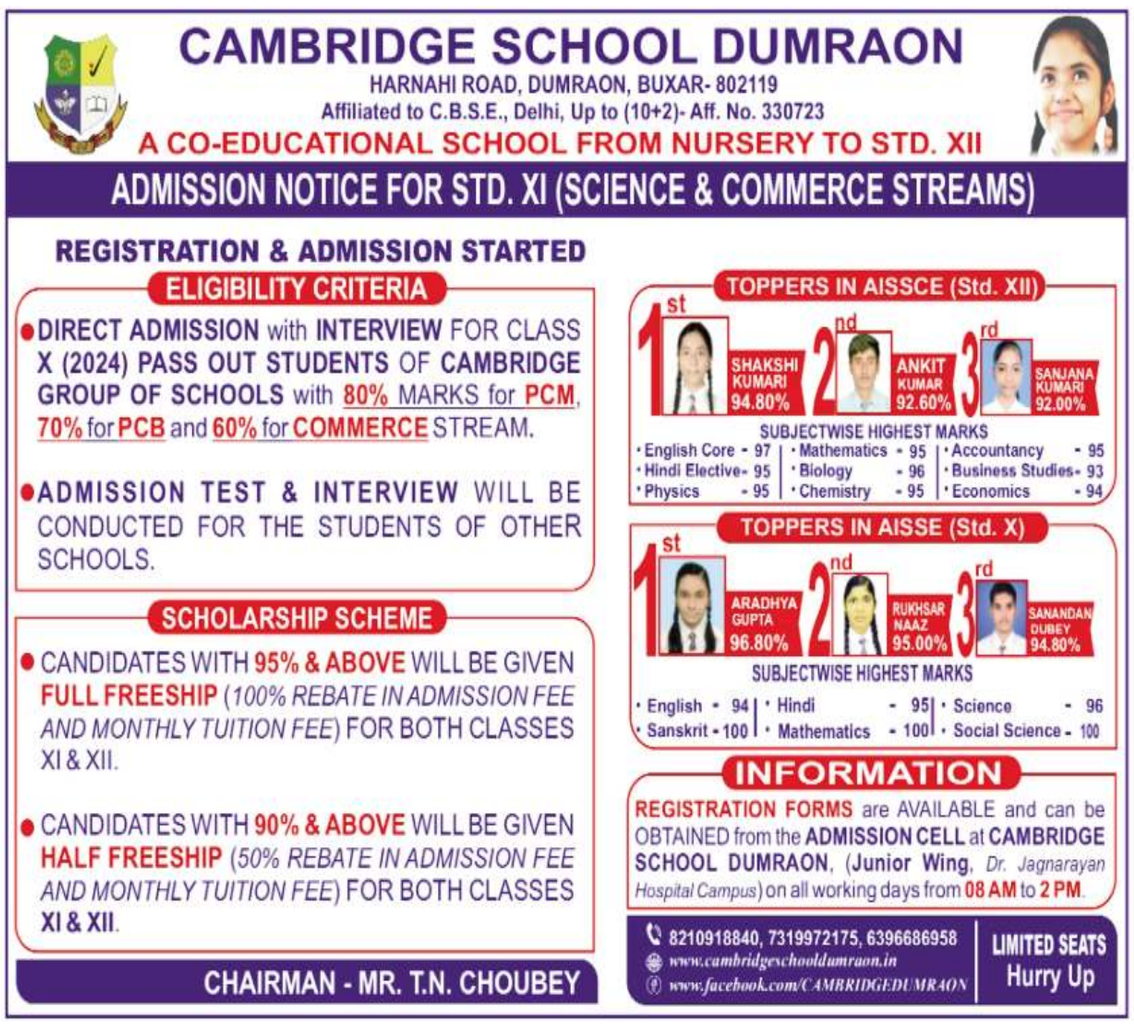
समस्तीपुर। नामांकन दाखिल करने के बाद बाहर निकली एनडीए प्रत्याशी शांभवी चौधरी ने कहा कि उन्होंने अपना नामांकन कर लिया है। उनके दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान समस्तीपुर में हैं। उन्हीं की सभा में वह शामिल होने के लिए जा रही हैं। उन्होंने कहा कि समस्तीपुर में उन्हें प्यार और सम्मान मिल रहा है। इस मौके पर उन्होंने लोगों से आशीर्वाद भी मांगा और विक्ट्री सीन भी दिखाया। शांभवी चौधरी ने कहा कि चिराग पासवान की सभा के साथ ही वह आज से विधिवत जनसंपर्क अभियान शुरू करेंगी।











20.04.2004_20.04.2004.qxd 4/19/2024 11:30 PM Page 3

एनडीए प्रत्याशी ने अगलगी की घटना वाले गांवों में पहुंच किया स्थल निरीक्षण

केटी न्यूज/बक्सर

भाजपा एनडीए समर्थित प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी ने बक्सर लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में व जगहों पर हुए अगलगी की घटना स्थल का निरीक्षण किया। जहां विगत कुछ दिनों में ही आग लगने से लगभग हजारों एकड़ की गेहूं की फसल जल कर राख हो गई है। श्री तिवारी ने बताया कि बक्सर लोकसभा में आग लगने से लगभग काफी किसानों के हजारों एकड़ गेहूं की फसल जल गई है, जो किसानों के लिए बहुत ही दुखद पल है। श्री तिवारी ने कहा कि किसान अन्नदाता हैं और फसल तैयार करने के लिए किसान धन एवं बल से बहुत मेहनत करता है। तब जाकर फसल तैयार होता है. अगर ऐसे खेत में ही किसान का फसल जल जायेगा तो किसान की क्या हालात होगी



कल्पना करना बहुत मुश्किल है। श्री तिवारी ने बिहार सरकार के कृषि मंत्री मंगल पाण्डेय से दूरभाष पर वार्ता कर स्थिति की जानकारी दी एवं मंत्री से आग्रह किया कि मामले की त्वरित जांच करवाकर पीड़ितों को मुआवजा मिल सके, इसके लिए कार्रवाई करवाने का कष्ट करेंगे। श्री तिवारी ने महागठबंधन के विधायकों पर निशाना साधते हुए कहा कि स्थानिय विधायकों द्वारा आपदा से लड़ने के लिए सरकार के पास कोई बात नही रखा गया। जिससे सरकार इस तरह की स्थिति से लड़ने के लिए तैयार हो सके। इसका खमियाजा किसान भाइयों को भुगतना पड़ रहा है। मौके पर किसान सहित मंडल अध्यक्ष रिंकू पांडेय, अखिलेश सिंह, प्रमुख दुर्गा चरण मिश्रा, नीरज पाठक मौजूद थे।

कांग्रेस नेता ने अगलगी से बगहीं गांव में जलकर मरे लोगों के परिजनों को 10 लाख मुआवजा देने की मांग की

बक्सर। बिहार प्रदेश कांग्रेस के वरीय नेता टीएन चौबे ने इटढ़ी प्रखंड के नारायणपुर पंचायत के बगहीं ग्राम में अगलगी में जलकर मरे दलित परिवार के प्रति संवेदना प्रकट किया है। उन्होंने दु:ख जताते हुए कहा कि पंचायत के पूर्व पैक्स सदस्य ददन राम के पुत्र व पत्नी की जलकर मौत हो गई है। उन्होंने ईश्वर से मृतात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने सरकार से मृतक के आश्रित को दस-दस लाख मुआवजा तथा परिवार के सदस्य को एक नौकरी तथा जलकर घायल लोगों को दो-दो लाख रुपए सहायता राशि अविलंब मुहैया कराने की मांग किया है। बगहीं में हुए दर्दनाक हादसे में इस चुनावी समय किसी भी पार्टी का एक भी सदस्य शोक संतप्त दलित परिवार से मिलना तक मुनासिब नहीं समझा। यह बहुत ही शर्मनाक बात है। हर पार्टियां केवल वोट की राजनीति करना जानती है। वहीं श्री चौबे ने कहा कि सरकार इस आपदा की घड़ी में बिलकुल फेल है। केवल चुनाव में सरकार मशगूल है। सरकार को तुरंत इस पर कारवाई करनी चाहिए। इस मौके पर कांग्रेस नेता राकेश तिवारी ने प्रशासन को आडे हाथों लेते हुए कहा कि प्रशासन को इस दु:ख की घड़ी में पीडितों के प्रति कोई मानवीय संवेदना नहीं है। अगर पीडितों को सहायता राशि अविलंब मुहैया नहीं कराई गई तो स्थानीय जनता जन-आंदोलन का रूख अख्तियार कर लेगी।

एक नजर

अनुमंडल अस्पताल में बगैर सूचना व विलंब से आने वाले डॉक्टरों की काटें हाजिरी: सीएस

डुमरांव। शुक्रवार शाम सीएस डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा ने डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल का निरीक्षण किया। सीएस के पहुंचते ही अस्पताल में हड़कंप मच गया। अस्पताल में पहुंचते ही सीएस ने सबसे पहले आपातकालीन सेवा में ड्यूटी पर तैनात डाक्टर की खोजबिन की। आपातकालीन सेवा में डॉ. लोकेश कुमार मौजूद रहे। फिर उन्होंने लेबर रूम को देखा। कुछ देर बाद डीएस डॉ. गिरीश कुमार सिंह पहुंचे। सीएस ने डीएस को आदेशित किया कि रूटीन चार्ट के अनुसार चिकित्सक एवं स्टाफ को समय से अस्पताल पहुंच काम करना होगा। उन्होंने कहा कि डाक्टर की कमी दूर की जाएगी। उन्होंने डीएस कहा कि जो भी चिकित्सक व कर्मी समय से नहीं पहुंचते हैं या बगैर सूचना के गायब रहते हैं तो उनको अनुपस्थित करते हुए उस दिन का भुगतान रोक दिया जाए। फिर डीएस को उन्होंने बताया की सफाई की जिम्मेदारी अब जीविका को चली गयी है। लिहाजा इस पर ध्यान देना होगा। कहीं गंदगी नहीं दिखाई पड़े। फर्स तो साफ रहे ही सीढ़िया भी क्लीन रहना चाहिए। अस्पताल में ड्यूटी के दौरान ड्रेस कोड का पालन होना चाहिए। इसके लिए सभी को निदेशित किया जाए। अस्पताल में जैसे-तैसे आकर ड्यूटी करना नहीं चलेगा। नियम को पालन करना ही होगा।

पछिया हवा से चढ़ा पारा, चैत में जेठ जैसा गर्मी का हो रहा एहसास, तापमान 43 डिग्री के पार



डुमरांव। पिछले कुछ दिनों से चल रही तेज पछिया हवा (लू) के कारण पारा तेजी से चढ़ रहा है। शुक्रवार को तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया था। आंधी की तरह चल रही लू तथा बदन को झुलसा देने वाली धूप से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। आलम यह है कि लू के कारण लोग दोपहर होने से पहले ही घरों में दुबक जा रहे है। चैत महीने की गर्मी अभी से ही जेठ महीने का एहसास कराने लगी है। तपती धूप व तेज पछुआ गर्म हवाओं ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया। पछुआ हवा पूरी तरह से शरीर को झुलसा रही हैं। शुक्रवार को दिन का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान दिन के तापमान में और बढ़ोतरी होती रहेगी। मौसम की मार से लोग बेजार हो रहे है। डॉक्टरों द्वारा भी लोगों को घर से बाहर निकलने के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी जा रही हैं। सुबह से ही प्रचंड धूप और लू का असर दिखने लग जा हैं। यह शाम ढलने तक जारी रह रहा है। चिकित्सकों का कहना है कि गर्मी ज्यादा होने के कारण उल्टी-दस्त की बीमारियां हो सकती हैं। ठंडे तथा तरल पेय पदार्थों का सेवन करते रहना चाहिए। शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. विनिश कुमार का कहना है कि लू से बचने के लिए तरल पदार्थों का सेवन अधिक करना चाहिए। इसके अलावे प्याज, पुदीना, सत्तू, बेल आदि भी लू से राहत पहुंचा सकती है। लोगों को बिना वजह बाहर नहीं घुमना चाहिए। जहां तक हो सके शरीर को ढंक कर ही बाहर निकले।

अलग-अलग जगहों से तीन बाइक की चोरी

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के तीन अलग-अलग जगहों से बाइक चोरी की घटना सामने आयी हैं। पहली घटना स्थानीय थाना क्षेत्र के प्रखंड कार्यालय से सटे खिरौली रोड की है। मिली जानकारी के अनुसार डुमरांव के एक प्रतिष्ठित निजी विद्यालय के शिक्षक नमो मिश्र अपनी वी-15 विक्रांत बाइक जिसका नंबर बीआर 03 एस 9226 को खिरौली मोड़ के पास खड़ी कर रोड के दूसरी तरफ एक क्लीनिक में गए तथा वहां से कुछ देर बाद लौटे तो उनकी बाइक गायब थी। उन्होंने अज्ञात चोरों के खिलाफ स्थानीय थाने में लिखित शिकायत दी है। वही दूसरी घटना रेलवे गुमटी स्थित बिजली विभाग परिसर की है, जहां अज्ञात चोरों ने परिसर में खड़ी एक पैसन प्रो बाइक पर हाथ साफ कर दिया। बाइक नया भोजपुर के रहने वाले सोनू खां की बतायी जाती हैं। इस मामले में वाहन मालिक ने पुलिस को दिये गये आवेदन में बताया है कि वह राजमिस्त्री का काम करता है। किसी काम को लेकर वह बिजली ऑफिस पहुंचा था। इसी दरम्यान अज्ञात चोरों ने उसकी बाइक चुरा ली। काफी खोजबीन के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं मिला। जबकि तीसरी घटना थाना क्षेत्र के सुरौंधा गांव की बतायी जाती है। चोरों ने यहां से बगेन थाना क्षेत्र के भादा गांव के रहने वाले अनुपम पांडेय की पैसन प्रो बाइक चोरी कर ली। पीड़ित सुरौंधा किसी काम के सिलसिले से आया था। पीड़ित ने डुमरांव थाने में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

खबरें फटाफट

शराब के नशे युवक गिरफ्तार, जेल

डुमरांव। एक शराबी युवक को उसकी पत्नी ने ही पुलिस को फोन कर नशे की हालत में गिरफ्तार करवाया है। शराबी की पहचान डुमरांव के दक्षिण टोला मोहल्ले के संजू राम के रूप में हुई है। शुक्रवार को उसकी पत्नी चिंता देवी ने डायल 112 पर फोन कर उसके शराब पीने की जानकारी दी, तब पुलिस उसे गिरफ्तार कर थाने लाई। मिली जानकारी के अनुसार युवक शराब के नशे में अक्सर अपनी पत्नी के साथ मारपीट करता था। वही वह नशे की पूर्ति के लिए घर के बर्तन तथा सामानों को भी औने पौने दामों में बेचा करता था। उसकी पत्नी चिंता ने बताया कि वह शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज में मजदूर कर जो पैसा लाती है, उसे भी वह छिन शराब पी जाता है तथा मारपीट भी करता है। उसकी इस हरकत से आजीज हा ही उसने पुलिस को फोन कर उसे पकड़वाई है। पुलिस ने जब उसे गिरफ्तार किया तो वह शराब के नशे में धूत था। थानाध्यक्ष अनीशा राणा ने बताया कि आरोपी की मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि हुई हैं। उसके खिलाफ मद्य निषेध का मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

सुबह से शाम तक बक्सर गोलंबर से बाईपास रोड में जाम से लोग परेशान

बक्सर। सिंडिकेट पर सुबह में ही जाम लगने के कारण नगर की यातायात व्यवस्था चरमरा गई थी। जिसके कारण विद्यालय के वाहनों के साथ ही यात्री बसें एवं ट्रकें फंस गई थी। संचालन इतना धीरे हुआ कि वाहन एक घंटे में 500 गज की दूरी तय किये। जाम के कारण पुलिस अधीक्षक भी परेशानी का सामना शुक्रवार को करना पड़ा। उनके स्कॉर्ट में शामिल सुरक्षा के जवान ट्रैफिक की कमान गोलंबर से सिंडिकेट तक संभाल लिये थे। परेशानी विद्यालय के वाहनों को उठानी पड़ी। विद्यालय के वाहन जाम में फंस गये। जिससे बाद बच्चे अपने विद्यालय घंटों देर से पहुंचे। वहीं जाम को देखते हुए छोटे वाहन अपना रास्ता बदल लिये। वहीं ई-रिक्सा एवं ऑटो जाम को देखते हुए वापस लौट गये। जाम की समस्या पूरे दिन कायम रही। वहीं ट्रैफिक विभाग के अधिकारी व जवान इस जाम के प्रति उदासीन बने रहे। ट्रैफिक अधिकारी जाम को हटवाने की बजाय बिना हेलमेट एवं वाहन अधिनियम के तहत जुमार्ना वसूली में मस्त दिखे।

डीएम अंशुल अग्रवाल ने की राजस्व समन्वय समिति की समीक्षा बैठक

आधार सीडिंग का कार्य लक्ष्य के अनुसार नहीं, डीएम ने फटकारा

केटी न्यूज/बक्सर

डीएम अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को राजस्व समन्वय समिति, अग्निकाण्ड से संबंधित एवं नीलाम पत्र वाद की समीक्षा बैठक समाहरणालय में हई। इसकी शुरूआत राजस्व समन्वय समिति की बैठक से हुई। जिसमें अंचलाधिकारी के लिए विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति, दाखिल-खारिज (विशेष रूप से अंचल स्तर पर 63 एवं 21 दिनों से ज्यादा लंबित मामलें), आधार सीडिंग (रैयत का जमाबंदी, आधार नम्बर के साथ जोडना), परिमार्जन (रैयत के जमाबंदी में किसी प्रकार का संशोधन कार्य), अभियान बसेरा-2 (सुयोग्य श्रेणी के भूमिहीन व्यक्तियों के लिए बीपीपीएचटी एवं बिहार सरकार की भूमि उपलब्ध कराना), भू लगान की वसूली एवं आरटीपीएस एवं लोक शिकायत निवारण के तहत लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन इत्यादि की समीक्षा समाहर्ता द्वारा की गई। डीएम ने जमाबंदी का आधार सीडिंग कार्य लक्ष्य के अनुसार नहीं होने पर नाराजगी जताई। डीएम ने सभी अंचलाधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि सीओ इसपर गंभीरतापूर्वक प्रयास नहीं कर रहे हैं, जिस कारण अपेक्षित प्रगति प्राप्त नहीं हो रही है। वही अबतक सबसे कम आधार सीडिंग वाले चौगाई, सिमरी एवं ब्रह्मपुर के अंचलाधिकारियों से स्पष्टीकरण के साथ-साथ न्यूनतम प्रगति प्राप्त करने वाले पांच राजस्व कर्मचारियों से स्पष्टीकरण पूछने तथा सुधार नहीं होने पर उनपर कार्रवाई करने का निर्देश डीएम ने दिया। जबकि अभियान बसेरा-2 के तहत सर्वेक्षित परिवार तथा पर्चा वितरण के पात्र परिवार के बीच अंतर होने के कारण अंचलाधिकारी बक्सर, राजपुर, केसठ, सिमरी, चौगाईं एवं चक्की को डीएम ने फिर से इसका समीक्षा करने का निर्देश दिया और कार्यों में लापरवाही बरतने वाले दोषी



अग्नि पीड़ितों को राहत में विलंब होने पर होगी कार्रवाई

डीएम ने कहा कि वर्तमान में गर्मी एवं तेज हवा के कारण क्षेत्र में अगलगी की घटनाएं बढ़ गई है। उन्होंने अग्निपीड़ित परिवार को तत्काल राहत पहुंचाने का निर्देश दिया और कहा कि लापरवाही करने वाले अधिकारी व कर्मी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जबकि इटाढी अंचल के बगही में आग लगने की घटना में प्रभावित व्यक्तियों के स्वास्थ्य लाभ के संबंध में संज्ञान लेते हुए बैठक में उपस्थित जिला कृषि पदाधिकारी को संबंधित कृषि समन्वयक पर प्रपत्र क गठित करने का निर्देश दिया गया।

राजस्व कर्मचारियों से स्पष्टीकरण करने पूछने तथा कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

समीक्षा बैठक में डीएम ने दाखिल-खारिज संबंधी मामलें में 63 दिनों से ज्यादा तथा 21 दिनों से ज्यादा लंबित सभी मामलें का निष्पादन एक सप्ताह के अंदर करने का निर्देश दिया। वही, भू-लगान की कम वसूली पर भी डीएम ने नाराजगी जताई। बैठक में बताया गया कि वितीय वर्ष 2023-24 में भू-लगान की वसूली केवल 19.29 प्रतिशत प्राप्त हुआ है, जो लक्ष्य के अनुरूप बहुत कम है। डीएम ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि जाहिर है अंचलाधिकारियों द्वारा लगान वसूली के लिए अपने स्तर से पूरे वितीय वर्ष में किसी प्रकार का गंभीर प्रयास अथवा कार्य योजना तैयार नहीं किया गया है। डीएम ने लक्ष्य प्राप्ति तथा राजस्व बढ़ाने के लिए पंचायतवार व मौजावार बडे. बकायेदारों की सूची तैयार कर लगान वसूली करने का निर्देश दिया।

समीक्षा के क्रम डीएम ने लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा पारित आदेश का अनुपालन नहीं होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने आरटीपीएस संबंधी मामले का समय से निष्पादन नहीं होने का गंभीर मामला बताया और कहा कि इससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है। डीएम ने कहा कि इससे स्पष्ट हो रहा है कि अंचलाधिकारी को शिकायतें मिल रही उस आवेदन की समीक्षा नहीं की जाती है। डीएम ने सभी अंचलाधिकारी को नियमित रूप से आरटीपीएस संबंधी मामलें के प्रगति की समीक्षा माह के अंत में करने तथा प्राप्त आवेदनों का पूर्ण रूप से निष्पादन करने का निर्देश दिया। जबकि लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने संबंधित आदेश का अनुपालन नहीं होने पर भी सभी सीओ को विशेष रूचि लेकर ऐसे सभी मामलों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर करने को कहा।

कृषि कॉलेज का 14 वां स्थापना दिवस 27 को मौसम सूचना केंद्र की होगी शुरुआत

डुमरांव। वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज अपने 14 वें स्थापना दिवस की तैयारी में जुट गया है। कॉलेज का स्थापना दिवस 27 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस मौके पर कॉलेज प्रबंधन आधा दर्जन नए कार्य की शुरूआत करने जा रहा है। किसानों के और विद्यार्थियों को लिए सारे कार्य शुरू किए जाएंगे। कॉलेज के प्राचार्य डा. मुकेश कुमार सिन्हा ने बताया की जो कार्य शुरू होंगे उससे कृषि व अभियंत्रण दोनों के विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

नये कार्यों की जानकारी देते हुए प्राचार्य डा. मुकेश कुमार ने बताया कि फर्म का प्रशासनिक भवन बन चुका है। स्थापना दिवस के दिन इसका शुभारंभ कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों और विद्यार्थियों की जानकारी के लिए मौसम सूचना केन्द्र को भी चालू कर दिया जाएगा। छात्राओं के लिए गर्ल्स हॉस्टल बनकर तैयार हो गया हैए इसे छात्राओं के लिए खोल दिया जाएगा। लैंग्वेज लाइब्रेरी कृषि व अभियंत्रण कॉलेज के लिए बनकर तैयार है, उसे खोल दिया जाएगा। एटीक जिसका पूरा नाम एग्रीकल्चर टैक्नालॉजी इंफॉरमेशन सेंटर है, किसानों व विद्यार्थियों को काफी लाभदायक है। इससे किसान कृषि टेक्नालॉजी सिस्टेम को देख सकेंगे। खेती के लिए प्रभेद को भी विकसित किया गया है। जिसे प्रदर्शित किया जाएगा। इसका सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। प्राचार्य ने बताया कि शीघ्र की कॉलेज में ऑडीटोरियम एवं ऑक्सीमीटीज शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जो भी कार्य शुरू किए जाएंगे सभी किसानों व विद्यार्थियों से जुड़े होंगे।

डीडीसी ने आम जनता से की अपील ...शत प्रतिशत मतदान से ही मजबूत होगा लोकतंत्र

- गौरीशंकर मध्य विद्यालय परिसर में संध्या चौपाल आयोजित कर डीडीसी ने मतदाताओं को किया जागरूक

केटी न्यूज/बक्सर

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल ने बक्सर विधानसभा के निम्न मतदान प्रतिशत वाले मतदान केन्द्र संख्या 74, 75, 76, 77 तथा 78 गौरी शंकर मध्य विद्यालय बक्सर में संध्या चुनावी चौपाल का आयोजन कर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया। इस संध्या चौपाल के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक को जागरूक करने के साथ ही हस्ताक्षर भी कराया गया, कि इस बार एक जून को होने वाले लोकसभा चुनाव में हर हाल में शत प्रतिशत मतदान करेंगे। इस मौके पर डीडीसी ने कहा कि मतदान से ही लोकतंत्र मजबूत होता



है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए यह जरूरी है कि हम शत प्रतिशत मतदान करें। उन्होंने उपस्थित मतदाताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि चुनाव के दिन वे खुद भी अपने स्वेच्छा से मताधिकार का उपयोग करें तथा दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। वही उन्होंने मतदान के महत्व को भी विस्तार से समझाया। डीडीसी के सामने उपस्थित मतदाताओं ने मतदान करने की हामी भरी तथा हस्ताक्षर कर प्रशासन को आश्वस्त किया।

मासूम के साथ गंदी हरकत, आरोपी धराया

नावानगर। सिकरौल थाना क्षेत्र के एक गांव में एक वहशी युवक द्वारा चार वर्षीय मासूम को बहला फुसलाकर उसके साथ यौनाचार किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त युवक देर शाम मासूम को टैज्क्टर पर घुमाने के बहाने सूनसान जगह पर ले जाकर दुष्कर्म कर दिया। जब मासूम रोते हुए घर पहुंचा तो परिजनों को इसकी जानकारी हुई। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी तथा उसे इलाज के लिए लेकर बक्सर गए। डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है।

डुमरांव में 150 रोगियों की हुई मुफ्त आंखों की जांच, स्थानीय विधायक भी हुए शामिल

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय शहर के एक समाजसेवी के पहल पर आयोजित मुफ्त आंखों की जांच के शिविर का उद्घाटन करते हुए डुमरांव विधायक डॉ अजित कुशवाहा ने कहा कि मानवता की सेवा मानव जीवन के लिए सर्वोपरि हैं। आंखों की रौशनी के आभाव में शरीर का सिस्टम बेजान हो जाता हैं। असहाय गरीबों को जब आंखों की रौशनी दोबारा मिलती हैं तो उनका जीवन रौशन हो जाता हैं। शुक्रवार को स्थानीय शहर के अयोध्या सिंह की गली निवासी समाजसेवी मुन्ना खां द्वारा दो दिवसीय शिविर आयोजित की गयी, जिसमें करीब 150 असहाय लोगों के मुफ्त आंख



जांच कर परामर्श के साथ दवाओं का वितरण किया गया। इस दौरान समाजसेवी द्वारा शिविर में उपस्थित डॉक्टरों व अतिथियों को बुके देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजसेवी ने कहा कि मेरे निवास स्थान पर दो दिवसीय मुफ्त आंख जांच की व्यवस्था की गयी हैं। जिसमें संस्था के आधुनिक मशीनों द्वारा आंख के बीमारियों का इलाज कराने की व्यवस्था की गयी हैं। अनुमंडल क्षेत्र के कई गांवों से पीड़ित रोगी पहुंचते हैं। शिविर में डॉक्टर आमिर परवेज, वार्ड पार्षद धीरेंद्र निराला, शिवम नेगी, गुलाम दस्तवीर, प्रह्लाद कुमार सहित एएसजी आई हॉस्पिटल के नेत्र चिकित्सक डॉ दीपक कुमार सिंह मौजूद थे।

जीर्णोद्धार के द्वितीय फेज के तहत बाहरी दीवार, उत्तर व दक्षिण दिशा में प्रवेश द्वार सहित कराए जा रहे है कई कार्य

बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर जीर्णोद्धार के धीमे रफ्तार पर डीएम ने लगाई संवेदक को फटकार

केटी न्यूज/बक्सर

जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर जीर्णोद्धार के द्वितीय फेज के कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान द्वितीय फेज के कार्यों के धीमे रफ्तार पर डीएम नाराज दिखे तथा संवेदक को फटकार लगाते हुए इसे समय से तथा गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिए। बता दें कि इस मंदिर के जीर्णोद्धार के तहत द्वितीय फेज में लाल बलुआ पत्थर से बने सूखे आवरण में बाहरी दीवार का कार्य, उत्तर और दक्षिण दिशा में नया प्रवेश द्वार, पश्चिम दिशा में चाहरदीवारी, लैंडस्केप लाइटिंग और बहारी दीवार का लाइटिंग का काम कराया जाना है। डीएम ने इसकी समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित कर अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। बैठक में डीएम ने डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार एवं प्रभारी पदाधिकारी, सामान्य शाखा बक्सर को निर्देश



दिया कि प्रत्येक 15 दिनों पर कार्य प्रगति की समीक्षा बैठक कर इसकी प्रगति रिपोर्ट दें। उन्होंने कहा कि मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बता दें कि बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर जिले का काफी प्रसिद्ध मंदिर है। यहां सावन के महीने में कांवरिए श्रद्धालु बक्सर के रामरेखा घाट से जल ले पैदल चलकर बाबा को जलाभिषेक करते है। वही हर दिन हजारों श्रद्धालु इस मंदिर में दर्शन व पूजन करने आते है। मंदिर के आसपास हजारों की संख्या में दुकानें है। यहां पर रोजगार के कई अवसर भी है। जिसे विकसित करने की जरूरत है। खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी कई बार यहां पूजा अर्चना करने आए है। इस मंदिर को विकसित करने के लिए रांची हाई कोर्ट के जज लगातार व्यक्तिगत तौर पर निगरानी रख रहे है। वह भी कई बार मंदिर में पूजा अर्चना के लिए आते है। यही कारण है कि राज्य सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया जा रहा है। साबैठक में अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) गिरिजेश कुमार बक्सर, अनुमण्डल पदाधिकारी डुमरांव, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा बक्सर, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल बक्सर, संवेदक एवं अन्य संबंधित उपस्थित थे।

सेंट्रल नाला की शुरू हुई सफाई

केटी न्यूज/डुमरांव

बरसात से पहले सेंट्रल नाला और संपर्क नालियों की सफाई नगर परिषद ने शुरू करा दिया है। शुक्रवार को चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता ने साइट पर पहुंच सफाई कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने साफ लहजे में सफाई एनजीओ के स्टाफ को हड़काते हुए कहा कि सफाई नियम के अनुसार होनी चाहिए। सफाई छह दिन करना है तो करना है, इसमें फांकेबाजी नहीं चलेगी।विदित हो कि डुमरांव शहर में दो सेंट्रल नाला मौजूद है। दोनों सेंट्रल नाला का पानी जाकर कांव नदी में गिरता है। सेंट्रल नाला जाम होने से शहर के निचले हिस्से में जलजमाव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। गलियों और रोड पर भी पानी लग जाता हैए जिससे नगरवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ जाता है। ऐसे में सेंट्रल नाला के भीतरी भाग में गाद नहीं रहना चाहिए। वहीं संपर्क नालियों की सफाई को लेकर भी एनजीओ को कड़ा निर्देश दिया गया है। संपर्क नालियों में कचरा नहीं होना चाहिए। जिस तरह मोहल्लों की गंदगी साफ की जाती है, उसी तरह से संपर्क नालियों की सफाई भी होनी चाहिए।

20.04.2004_20.04.2004.qxd 4/19/2024 11:30 PM Page 4

बिजली विभाग के जर्जर लटक रहे तारों में शार्ट सर्किट, गेंहू की फसल जली

♦ डिजिटल दौर में भी बांस-बल्ली के सहारे खेतों तक हो रही बिजली की आपूर्ति

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट प्रखंड क्षेत्र में जर्जर व लटक रहे 11 हजार वोल्ट के तार में शार्ट सर्किट से आग लगने की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है। गुरुवार को मोहनपुर के बधार में शार्ट सर्किट से गेंहू की खड़ी फसल में आग लग गई, वहीं एक दिन बाद शुक्रवार को भी थोड़े दूरी पर ही बेदवालिय गांव के बधार में शार्ट सर्किट से आग लग गयी। जिससे 50 से 60 बीघा गेहूं और चना की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। प्रखंड क्षेत्र के दोनों बधार में तेज हवा के कारण विद्युत तार आपस में टकरा गई और शार्ट सर्किट हो गई जिससे खड़ी गेहूं की फसल में अचानक आग की तेज लपटे उठने लगी। तेज हवा के कारण आग कि लपटे इतनी तेज थी की ग्रामीण किसान आग पर काबू नही कर सके।

ग्रामीणों ने बताया की फायर ब्रिगेड का नंबर जारी किया गया है लेकिन उसपर कॉल करने पर नही लग रहा है। जिसके बाद किसान आनन फानन की स्थिति में पंचायत के मुखिया योगेंद्र सिंह को आग लगने की सूचना दी। मुखिया ने कहा कि सूचना पाते ही हमने अनुमंडल पदाधिकारी अनिल बसाक से बात कर आग लगने की सूचना देते हुए फायर ब्रिगेड की बड़ी गाड़ियों की मांग की। सूचना पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से घंटों प्रयास के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया । लेकिन तब तक दर्जनों किसानों की फसल जल कर राख हो गई । मौके पर पहुंचे प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह, अंचलाधिकारी रितेश कुमार, थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी, पंचायत मुखिया योगेंद्र सिंह ने घटना की पड़ताल की। वहीं ग्रामीणों कि माने तो 11 हजार वोल्ट के तार में शार्ट सर्किट आए दिन हो रही है जिससे किसानों की खेतों में लगी गेहूं की फसल में आग पकड़ ले रही है। फिरभी बिजली विभाग इसपर कोई संज्ञान नही ले रही है। काराकाट मुखिया योगेंद्र सिंह ने कहा कि बिजली विभाग की लापरवाही के वजह से किसान परेशान हैं, इसने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया जा रहा हैं। उन्होंने दोषी कर्मियों पर करवाई करने कि मांग की। वहीं विधुत सहायक अभियंता राजू कुमार ने कहा कि क्षेत्र के किसानों के खेतों तक तार-पोल व अलग ट्रांसफॉर्मर लगाने की व्यवस्था किसानों द्वारा आवेदन आने के बाद किया जाएगा।



इन किसानों की फसल जल कर हुई राख

सुरेंद्र सिंह, दशरथ सिंह, अरुण सिंह, मोहन सिंह, मंगल सिंह, ललन सिंह, वीरेंद्र सिंह, कलेक्टर सिंह, जमुना सिंह, अवधेश सिंह, मनोज सिंह, कृष्णा सिंह, भिखारी सिंह, दुर्गा सिंह, दशरथ सिंह, निर्मल सिंह सहित दर्जनों किसानों की फसल जल कर राख हो गई है।

किसान बोले: बिजली विभाग की लापरवाही पड़ रही भारी

बांस बल्ली के सहारे विद्युत आपूर्ति से अक्सर आसपास खेलते बच्चे उसे पकड़कर खड़े हो जाते हैं, जिससे खतरे की आशंका बनी रहती है। कई बार करेंट का झटका लग चुका है।
– किसान लखीचंद चंद्रवंशी

तेज हवा आने पर अक्सर बांस-बल्ली उखड़ जाते हैं। इससे बिजली के तार व केबल भी टूट जाते हैं और खेतों में लगी फसलों में आग लग जाती है। इससे किसानों को भारी नुकसान होता है। – किसान ददन पाण्डेय

बिजली के पोल न लगाए जाने से हो रही समस्या को कई बार जेई समेत अन्य को अवगत कराया गया। इसके बाद भी समस्या का निदान नहीं हुआ। इसी का नतीजा है कि फसल जलकर राख हो गई। – किसान गुड्डू सिंह

बिजली केबल खेतों में नीचे लटक रहा है। आए दिन केबल के टूटने से हादसे हो रही है । क्षेत्र के किसानों की समस्या का निदान जरूरी है। विभाग को इसपर जल्द पहल करनी होगी।
– किसान मनोज पाण्डेय

आधारभूत संरचना की घोर कमी से हो रही जान-माल की क्षति

बता दें कि काराकाट प्रखंड क्षेत्र में आज भी कई गाव के किसान अपने खेतों तक बस बल्ली के सहारे पटवन करने को मजबूर हैं। दरअसल सरकार जहां किसानों की खेती को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त बिजली कनेक्शन दे रही है, वहीं अधिकारी सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को भी अपनी कर्तव्य से सवालों के घेरे में खड़ा कर रहे हैं। इस डिजिटल दौर में काराकाट प्रखंड के मोथा, संसार डिहरी, रघुनाथपुर, जाहनपुरा जैसे कई गांव में अभी भी बांस बल्ली के सहारे किसान अपने घरेलू बिजली से खेतों तक केबल खींचकर ले गए हैं। बिजली विभाग की लापरवाही समय समय पर लोगों के ऊपर भारी पड़ते रहती हैं। आधारभूत संरचना की घोर कमी से आए दिन जान-माल की क्षति होते रहती है। कहीं जर्जर तार पर बिजली के करंट दौड़ रहे हैं तो कहीं बांस बल्ली के सहारे खेतों तक बिजली ले जाकर मौत को आमंत्रण दिया जा रहा है। काराकाट प्रखंड क्षेत्र के कई गावों का यही हाल है। ऐसी स्थिति में तेज हवा बहने पर आपस में विद्युत प्रवाहित तार टकराकर खेतों में गिरने की भी संभावना बनी रहती है। इधर, प्रखंड के दर्जनों किसानों का कहना है कि कभी कभी पटवन कर रहे ट्यूबवेल बोरिंग का मोटर पंप सेट भी वायर टकराने से जल जाता है। लेकिन संबन्धित विभाग इस समस्या का कोई निदान नहीं निकाल रहा है।

एक नजर

स्नातक परीक्षा को कदाचारमुक्त कराने के लिए वीर कुंवर सिंह केंद्र हुआ सख्त

बिक्रमगंज (रोहतास)। स्नातक पार्ट-श्री परीक्षा के छठे दिन शुक्रवार को वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर परीक्षा केंद्र पर कदाचारमुक्त



परीक्षा को लेकर महाविद्यालय प्रशासन दिखा सख्त। जिससे परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों में हड़कंप मच गया। जबकि शहर में बने अन्य परीक्षा केंद्रों पर जारी परीक्षा केंद्र में सबसे अधिक परीक्षार्थियों की संख्या 2793 वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर केंद्र पर निर्धारित है। जहां शुक्रवार को पहली पाली में विभिन्न ग्रुप-ए की साइंस विषय की जीईएस और दूसरी पाली ग्रुप-बी के विभिन्न कला संकाय विषय की जीईएस परीक्षा संचालित हुई। जो दोनों पालियों में सभी परीक्षार्थियों की संख्या सूची 1920 थी। जहां छठे दिन संचालित परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। लेकिन छठे दिन भी केंद्र पर कोई परीक्षार्थी निष्कासित नही हुए लेकिन कुछ अनुपस्थित जरूर रहें। वही संचालित परीक्षा में केंद्र पर लगातार सघन जांच को देखते हुए नकलची परीक्षार्थीयों में दहशत कायम थी। इस संबंध में वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर केंद्राधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कदाचारमुक्त स्नातक संचालित परीक्षा के छठे दिन भी परीक्षा केंद्र पर दोनों पालियों में मुन्ना भाई, मोबाइल, ब्लूटूथ, गेस पेपर सहित अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों सहित चिट पुर्जे के खिलाफ केंद्र के मुख्य प्रवेश द्वार से लेकर परीक्षा केंद्र के अंदर सघन जांच कर हो रही है। यह अभियान संचालित परीक्षा के निर्धारित तिथि 20 अप्रैल तक दो पालियों में पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक जारी रहेगी।

गाजे-बाजे के साथ निकली जलभरी सह कलश शोभायात्रा,श्रद्धालु की उमड़ी भीड़

संझौली(रोहतास)। संझौली प्रखंड के अमैठी पंचायत अंतर्गत सिकठी ग्राम में आयोजित श्री शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र यज्ञ के लिए शुक्रवार



को हरिद्वार से आए आचार्य स्वामी महेद्र जी महाराज के सानिध्य में जलभरी के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। बैंड-बाजे, हाथी,घोड़े के साथ निकाली गई कलशयात्रा में सैकड़ों की संख्या में भक्तगण शामिल हुए। श्रद्धालु पुरुष व महिलाओं ने पीले वस्त्रों और चुनरी धारण किए हुए कलश को सर पर रखकर प्रभु का स्मरण करते हुए सिकठी यज्ञ स्थल से आरा-सासाराम मुख्य मार्ग भ्रमण करते हुए करीब दो किलोमीटर की दूरी तय कर सुसाड़ी गांव स्थित पोखरा तट पर पहुंचे। श्रद्धालुओं ने सुसाड़ी पोखरा से कलश में पवित्र जल भरकर पुनः मुख्य मार्ग होते हुए सिकठी गांव भर्मण करते हुए यज्ञ स्थल पहुंचकर यज्ञशाला का परिक्रमा किया गया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच यज्ञ मंडप में कलश स्थापित किया गया। विधि व्यवस्था बनाए रखने में अमैठी पंचायत के पैक्स अध्यक्ष अनिल सिंह, पूर्व सरपंच उत्तम कुमार, नन्द किशोर सिंह, सुनील सिंह, संजीव कुमार, रंजन कुमार, शेरबहादुर सिंह आदि सक्रिय रहे।आयोजकों ने बताया कि 23 अप्रैल को अग्नि स्थापना होगी। और यज्ञ आचार्य अतूल कृष्ण भार्गव द्वारा प्रबचन कही जायेगी। प्रवचन के बाद धार्मिक कार्यक्रम का भी आयोजन होगा। प्रवचन आज से ही शुरू हो जाएगा। यज्ञ में पूरे गांव और आसपास के गावों का भी सहयोग हैं। गाजे बाजे के साथ निकली जलभरी यात्रा में आसपास गावों के लोग भी सम्मिलित हुए। 25 अप्रैल को भंडारा के साथ यज्ञ की पूणार्हुति होगी। यज्ञ समिति पूरी तत्परता के साथ यज्ञ को सफल बनाने में लगी है।

अवैध बालू लदे ट्रैक्टर साथ आरोपी गिरफ्तार

राजपुर (रोहतास)। राजपुर पुलिस ने अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को किया जब्त,मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष शशि भूषण कुमार ने बताया कि अमियावर निवासी रितेश सिंह को अवैध बालू लदे ट्रैक्टर के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है । उन्होंने कहा कि जब्त ट्रैक्टर के विरुद्ध मामला दर्ज करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारी के पास रिपोर्ट भेज दी गई है। साथ ही साथ मामले में संलिप्त एक आरोपी को भी गिरफ्तार कर संबंधित मामला दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है ।

खबरें फटाफट

अग्निकांड से बचाव के लिए निम्न नंबर पर करें सम्पर्क

चेनारी(रोहतास)। अगलगी की घटना से बचाव को लेकर चेनारी अंचल अधिकारी पूजा शर्मा ने जनसामान्य को टिप्स देते हुए सचेत किया है एवं निम्न नंबरों को जारी किया है जिस पर आग लगने की स्थिति में बचाव हेतु सम्पर्क किया जा सकता है। उन्होनें कहा कि गर्मी में जब तेज पछुआ हवा चलती है तो गांवों में अग्निकांड बड़े पैमाने पर होते है, जिसके परिणाम स्वरूप घर, खेत, खलिहान एवं जान-माल को भारी क्षति पहुंचती है। आग लगने पर निम्न नंबरों पर सम्पर्क किया जा सकता है। 7667762324 सहायक जिला अगिशमन, 9507493210 अगिशमन नियंत्रण कक्ष, 9473191924 जिला अगिनशमन अधिकारी, 06184226093, 06184226094 जिला आपदा नियंत्रण कक्ष, 8544412822 अंचल अधिकारी चेनारी, 9431818466 प्रखंड विकास पदाधिकारी चेनारी, 9431822814 थाना प्रभारी चेनारी, 9386144061 फायर बिग्रेड चेनारी इसके अलावे 101 और 112 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है।

पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

इंद्रपुरी (रोहतास)। लोकसभा चुनाव को लेकर इंद्रपुरी पुलिस अलर्ट मोड में है। चुनाव को ध्यान में रखते हुए स्थानीय पुलिस ने औरंगाबाद एवं रोहतास चेक पोस्ट पर सोनपुर बराज के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि वाहन जांच में 60 हजार रु का चलान काटा गया।

चरपोखरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव स्थित पुल की गुरुवार की देर रात हुआ हादसा

तिलक समारोह से लौट रहा ट्रैक्टर नहर में गिरा, जीजा-साले सहित तीन की मौत

♦ तेज रफ्तार के कारण चालक ने खोया नियंत्रण और नहर में जा गिरा ट्रैक्टर
♦ हादसे में बच्चों सहित दर्जन भर लोग जख्मी, सदर अस्पताल में कराया जा रहा इलाज
♦ जेसीबी के जरिए ट्रैक्टर की ट्रॉली हटा कर बाहर निकाले गए नीचे दबे सभी घायल

केटी न्यूज/आरा

चरपोखरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव के समीप गुरुवार की देर रात तिलक समारोह से लौट रहा एक ट्रैक्टर पुल से नहर में जा गिरा। उसमें ट्रैक्टर सवार जीजा-साले सहित तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में बच्चों सहित करीब दर्जन भर लोग जख्मी हो गए। उनमें पांच का इलाज आरा सदर अस्पताल, जबकि अन्य का चरपोखरी पीएचसी में कराया जा रहा है। मृतकों मे अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के खैरी तिवारीडीह गांव निवासी 60 वर्षीय भदई मुसहर, उसी गांव के जगदीश मुसहर के 40 वर्षीय पुत्र निर्मल मुसहर और गड़हनी थाना क्षेत्र के नतमपुर गांव निवासी टेंगारी मुसहर के 40 वर्षीय पुत्र जगत मुसहर शामिल हैं। इनमें जगत मुसहर और निर्मल मुसहर जीजा-साला बताये जा रहे हैं। भदई मुसहर निर्मल मुसहर के बड़े पिता थे। भदई मुसहर की पोती का तिलक गया था। घायलों में खैरी तिवारीडीह गांव निवासी जानू राम के पुत्र भानु कुमार, रंगू मुसहर के पुत्र कमल मुसहर, भदई मुसहर के पुत्र हरेंद्र राम, वीरेंद्र मुसहर और चरपोखरी थाना क्षेत्र के नगरी गांव निवासी दुखन राम के पुत्र मालिक राम सहित अन्य शामिल है। हादसे का कारण ट्रैक्टर चालक की लापरवाही और तेज रफ्तार बताया जा रहा है। हादसे के बाद अफरातफरी और चीख-पुकार मच गयी। ट्रैक्टर के नीचे दबे लोग चिल्लाने लगे। सूचना मिलते ही गांव और आसपास के लोग पहुंच गये। एसडीपीओ राहुल सिंह के नेतृत्व में चरपोखरी थाने की पुलिस भी पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। उस दौरान जेसीबी से ट्रैक्टर की ट्रॉली हटा कर नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया।

गांव निवासी विनोद मुसहर की बेटी फूला कुमारी का तिलक गुरुवार की रात चरपोखरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव गया था। उसमें परिजन, ग्रामीण और रिश्तेदारों सहित करीब बीस लोग ट्रैक्टर पर सवार होकर मुकुंदपुर गांव गये थे। तिलक चढ़ाने और खाना खाने के बाद रात करीब एक बजे सभी लोग गांव लौट रहे थे। तब ट्रैक्टर की रफ्तार काफी तेजी थी। उस दौरान मुकुंदपुर स्थित छोटी नहर के पास ब्रेकर आ गया। उस कारण ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पुल से नहर में जा गिरा। उसमें दबने से जगत मुसहर, निर्मल मुसहर और भदई मुसहर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दर्जन भर लोग जख्मी हो गए



किसी का हाथ टूटा तो किसी का पैर, ट्रैक्टर पलटते ही मच गई चीख-पुकार

चरपोखरी थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव के पास देर रात नहर में ट्रैक्टर पलटते ही चीख-पुकार मच गयी। ट्रैक्टर और ट्रॉली के नीचे दबे लोग मदद के लिए शोर मचाने लगे। हादसे में जहां तीन लोगों की मौत हो गई, वहीं दर्जन भर लोग गंभीर रूप से जख्मी भी हो गए। किसी का हाथ टूट गया, तो किसी का पैर, जबकि कुछ का माथा फूटा था। देर रात हादसे की सूचना पर मुकुंदपुर गांव में अफरातफरी मच गयी। आधी रात में ही मुकुंदपुर गांव के लोग आंखें मिचते भागे-भागे घटनास्थल पर पहुंचे, तो देखा कि सभी लोग ट्रैक्टर के नीचे दब कर कराह रहे हैं। उसके बाद लोगों द्वारा घायलों को निकालने का प्रयास शुरू कर दिया गया। वहीं घरवालों के लौटने का इंतजार कर रहे तिवारीडीह गांव में भी हादसे की खबर मिलने से खलबली मच गयी। लोग देर रात में ही मुकुंदपुर गांव के लिए निकल गये। जो जिस हाल में था, उसी हाल में दौड़ पड़ा। उससे घटनास्थल पर देर तक गहमागहमी बनी रही। तबतक चरपोखरी थाने की पुलिस भी पहुंच गयी और जेसीबी के जरिए ट्रॉली को हटा कर घायलों को बाहर निकाला गया। उसके बाद सभी को अस्पताल ले जाया गया।



नाली में गिरा था बिजली का तार, मोबाइल निकालने में करंट लगने से इंटर के छात्र की मौत

आरा। कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के मझौली गांव में शुक्रवार की दोपहर करंट लगने से इंटर के एक छात्र की मौत हो गई। इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। मृत छात्र मझौली गांव निवासी बुधु साह का 18 वर्ष से पुत्र दीपू साह था। उसके जीजा राकेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर नहाने के लिए घर से बाहर जा रहा था। उस दौरान उसने अपना मोबाइल गमछे में बांध रखा था। रास्ते में उसका मोबाइल नाले में गिर गया। उस नाली में पहले से ही बिजली का तार टूट कर गिरा था। ऐसे में दीपू ने मोबाइल ढूंढने के लिए जैसे ही नाली में हाथ नाले में डाला। उसी दौरान दौरान वह करंट लग गया और बुरी तरह झुलस गया। उसके बाद उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहां डाक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाया। बताया जा रहा है कि छात्र दो भाई और एक बहन में छोटा था। उसके परिवार में मां बसंती देवी, भाई दीपक साह और बहन सोनी कुमारी है। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है।

युवक का शव मिलने से मची सनसनी आक्रोशितों ने सड़क को किया जाम



केटी न्यूज/जहानाबाद

जिले के शकूराबाद बभना रोड मे सिकरीया धोबी घाट के पास आज शुक्रवार के अहले सुबह एक युवक का शव मिलने पर सनसनी फैल गई।शव मिलने की बात आग की तरह फैल गया तथा देखते देखते लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। आक्रोशित लोगों ने शकूराबाद बभना सड़क को घंटो जाम कर दिया। वही घटना की सूचना पाकर परसबिगहा थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंच ,जाम कर रहे लोगों को समझाने का भरसक प्रयास किया। वही घटना की सूचना पर तत्काल जहानाबाद एस डी पी ओ राजीव कुमार घटना स्थल पर पहुंच लोगों को काफी समझा बुझाकर जाम को हटाया, तथा शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जहानाबाद भेजा। बताया जाता है कि परसबिगहा थाना क्षेत्र के ग्राम सिकरीया निवासी विपीन कुमार की करीब 18 वर्षीय पुत्र जो की इटर का छात्र था। सुरज कुमार प्रतिदिन शकूराबाद बभना रोड मे दौड़ का प्रैक्टिस किया करता था। प्रतिदिन की भांति आज भी सुबह करीब चार बजे घर से निकला था। जो घर वापस नहीं लौटा। सुबह-सुबह जब शव मिलने की खबर ज्योंहि गांव वालों की लगी तो गांव में खलबली मच गया। और ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी,शव को पहचान होते ही परिजनों में चित्कार मच गया। वही ग्रामीणों ने शकूराबाद बभना रोड को घंटो जाम रखा तथा हत्या की आशंका परिजनों द्वारा लगाया जा रहा है।





20.04.2004_20.04.2004.qxd 4/19/2024 11:30 PM Page 5

खबरें फटाफट

ओवरटेक करने में तीन युवक आए ट्रक के नीचे, दो की मौत

नरहीं। ट्रक को ओवर टेक करने में तीन बाइक सवार ट्रक के नीचे आ गए। दो युवकों की जहां ही मौत हो गई। वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना उजियार गांव के सामने की है। शुक्रवार को एक ही बाइक पर सवार होकर मंगला भवानी मंदिर पर दर्शन करने जा रहे तीन युवक ट्रक को ओवर टेक करते समय सामने से आ रहे ट्रक के नीचे आ गए। गंभीर रूप से घायल युवकों को ग्रामीणों एवं पुलिस की मदद से बक्सर सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उजियार गांव निवासी राहुल तिवारी 26 ने दम तोड़ दिया। इन्दरपुर निवासी गौरव उपाध्याय 32 व की भी मौत हो गई। उजियार गांव निवासी निखिल 20 जो गंभीर रूप से घायल हैं, उसका इलाज चल रहा है। कोरंटाडीह चौकी प्रभारी राजेश प्रभाकर ने बताया कि बाइक और ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की हुई मौत

सहतवार। क्षेत्र के ग्राम सभा चांदपुर नई बस्ती में संदिग्ध परिस्थितियों में एक 40 वर्षीय युवक की मौत हो गयी। सहतवार पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बलिया भेज दिया । बताया जा रहा है कि सहतवार थाना क्षेत्र के चांदपुर नई बस्ती निवासी मुकेश चौरसिया 40 वर्ष पुत्र शिवनाथ चौरसिया की शुक्रवार की सुबह 3 बजे करीब अचानक तबीयत खराब हो गयी। आनन फानन में घर के लोग इलाज के लिए बलिया अस्पताल ले गए,जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। इस बारे में सहतवार थानाध्यक्ष विकास पांडेय से पूछे जाने पर बताया कि उसके ससुर को आशंका है कि जहर दिया गया है।

पेड़ से लटकता मिला अधेड़ का शव

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गया कालोनी के समीप डीएफसीसी यार्ड के में एक 45 वर्षीय अज्ञात युवक का शव गमछे के सहारे पेड़ से लटकता हुआ मिला। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने का प्रयास किया ,लेकिन शिनाख्त नहीं होने पर मर्चरी में रखवा दिया। इसको लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चा बनी हुई है।

सीबीएसई के नियमों को ताक पर रख हर वर्ष बदल देते हैं स्कूल कोर्स की किताबें

पैसों के लालच में विद्या का मंदिर बना कमीशनखोरी का अड्डा

- 550 की जगह कक्षा एक की किताब के लिए वसूलते हैं 3000
- सीबीएसई के अनुसार स्कूलों में सिर्फ एनसीईआरटी की पुस्तकें चलाई जानी हैं

तिलक कुमार/ बलिया



हर साल 22 करोड़ रूपए का लगा रहा चूना

बलिया। जिले में सीबीएसई से संबद्ध 50 से 55 और आइसीएसई के पांच स्कूल हैं। 300 से अधिक गैर मान्यता प्राप्त और लगभग 200 से उपर प्ले स्कूल हैं। सिर्फ सीबीएसई से संबद्ध 55 स्कूलों की ही बात करें तो यहां अध्ययनरत छात्रों की संख्या एक हजार से छह हजार तक है। इन स्कूलों में औसतन यदि दो हजार भी छात्र पढ़ रहे हैं तो यह संख्या एक लाख 10 हजार हो जाती है। मार्च-अप्रैल में सत्र प्रारंभ होता है और इसी से साथ किताबें खरीदने की बारी आती है। अब अगर एक छात्र औसतन दो हजार की किताब निजी प्रकाशक की लेता है तो एक वर्ष में छात्रों की संख्या एक लाख 10 हजार के आधार पर 22 करोड़ रुपये हो जाती है। यह निचली कक्षाओं में किताब खरीदने की राशि है, जैसे-जैसे उपरी कक्षा में बढ़ते जाएंगे किताब का दाम भी बढ़ता जाएगा। छठी-सातवीं में तो पूरी किताब का सेट पांच से छह हजार रुपये में मिल रहा है। अब आसानी से अंदाजा लगा सकते हैं कि निजी प्रकाशक स्कूल प्रबंधन संग मिलकर किस तरह अभिभावकों की जेब पर चोट कर रहे हैं।

क्या कहते हैं आरटीई का नियम

स्कूल के एक किमी के दायरे में किताब की दुकान नहीं चला सकते। स्कूलों में किताबों की सूची ओपन टू आल होनी चाहिए। तीन वर्ष से पहले किसी कोर्स की पुस्तकों में परिवर्तन नहीं होना चाहिए। स्कूल किसी भी अभिभावक को किसी विशेष पुस्तक विक्रेता के यहां से पुस्तक खरीदने को बाध्य नहीं कर सकते हैं।

दिसंबर से फरवरी के बीच हो जाती है डील

बलिया। सीबीएसई पैटर्न का पाठ्यक्रम एक समान होता है, लेकिन निजी स्कूलों में पब्लिशर्स राइटर्स की संख्या सैंकड़ों में है। यानी जितने स्कूल उतने प्रकाशक। एक ही कक्षा, लेकिन स्कूल अलग तो किताब भी अलग। जरा गौर करें, केंद्रीय विद्यालयों में सीबीएसई पैटर्न पर पढ़ाई होती है। यहां पूरी किताबें एनसीईआरटी की लगी हैं। सातवीं कक्षा के पूरे कोर्स की किताबों का मूल्य मात्र 750 रुपये है। जबकि निजी स्कूलों में यह दो से साढ़े चार हजार रुपये में है। एक बुक डीलर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि स्कूल निजी प्रकाशकों की किताबें इसलिए चलाते हैं क्योंकि उन्हें 30 से 40 प्रतिशत कमीशन मिलता है। सत्र शुरू होने से पहले ही दिसंबर से फरवरी के बीच डीलर के एजेंट सब तय कर चुके होते हैं।

स्कूलों में निजी प्रकाशकों की संचालित पुस्तकों का मूल्य	एनसीईआरटी पुस्तकों का अधिकतम मूल्य
कक्षा-एक : 2000 से 3000	कक्षा-एक : 550
कक्षा-दो : 2000 से 3000	कक्षा-दो : 550
कक्षा-तीन : 2000 से 3500	कक्षा-तीन : 550
कक्षा-चार : 3000 से 4000	कक्षा-चार : 650
कक्षा-पांचवीं : 3000 से 4500	कक्षा-पांचवीं : 650
कक्षा-छठी : 4000 से 4500	कक्षा-छठी : 700
कक्षा-सातवीं : 4000 से 5000	कक्षा-सातवीं : 750
कक्षा-आठवीं : 4000 से 5500	कक्षा-आठवीं : 800
कक्षा-नौवीं : 5000 से 6000	कक्षा-नौवीं : 800
कक्षा-दसवीं : 5000 से 6000	कक्षा-दसवीं : 850
कक्षा-11वीं : 3000 से 4000	कक्षा-11वीं : 900 से 1000
कक्षा-12वीं : 3000 से 4500	कक्षा-12वीं : 900 से 1000

क्या बोले बीएसए

सीबीएसई बोर्ड स्कूलों का नियम कानून मेरे अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। हां यदि आरटीई के तहत कोई स्कूल एडमिशन नहीं लेते हैं तो उस परिस्थिति में मान्यता प्रत्याहरण की कार्रवाई करने का अधिकार मेरे पास हैं। रहीं बात किताबों की तो इसको लेकर निश्चित ही मैं डीएम साहब से वार्ता करूंगा।

दिया गया है। यही कारण है कि इसी वर्ष तीसरी और छठी का पाठ्यक्रम पूरी तरह से एनसीईआरटी आधारित बदल दिया गया। इन सबके बाद भी निजी स्कूल और प्रकाशक अपने हितों की पूर्ति के लिए अभिभावकों को अच्छी खासी चपत लगा रहे हैं। स्कूल निजी प्रकाशकों को लाभ पहुंचाने और खुद के कमीशन के चक्कर में महंगी किताबें चला रहे हैं। आपको जानकार हैरानी होगी कि एनसीईआरटी की पुस्तकें नहीं लगने की वजह से स्कूल प्रबंधन अभिभावकों को प्रतिवर्ष करोड़ों रूपए से अधिक की चपत लगा रहे हैं।

एक नजर

भाजपा विस चुनाव संचालन समिति के जिलाध्यक्ष ने की लोकसभा चुनाव के तैयारियों की समीक्षा

गाजीपुर। लोकसभा चुनाव के तैयारियों की समीक्षा को लेकर भाजपा



विधानसभा चुनाव संचालन समिति सैदपुर एवं कोर ग्रुप की संयुक्त बैठक शुक्रवार को विधानसभा चुनाव कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सुनील सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि संगठन द्वारा प्राप्त जिम्मेदारी एवं दायित्वों के प्रति तैयारी तथा कर्तव्य बोध का आत्म अवलोकन, हमारी भूमिका, जिम्मेदारी एवं कार्य उद्देश्य के सफलता को सिद्ध करेगा। उन्होंने सघन वृत्त लेते हुए दायित्वधारियों से कहा कि गाजीपुर लोकसभा की जीत भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है और इस विजय के लिए आप सबकी भूमिका महत्वपूर्ण है।

जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि पार्टी संविधान के अनुसार विधानसभा एवं लोकसभा स्तर पर चुनाव के सफल संचालन के लिए यह सृजन चुनाव की दृष्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण है। इनके जिम्मेदारियों एवं कार्य को नकारा नहीं जा सकता। लोकसभा प्रभारी आरपी कुशवाहा ने सबके प्रति आभार धन्यवाद व्यक्त कर बैठक के समापन का घोषणा किया। बैठक में विधान परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल, जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह, विधानसभा प्रभारी शालिनी यादव, नरेन्द्र पाठक,प्रो शोभनाथ यादव, पूर्व विधायक भोनू सोनकर,अभय प्रकाश सिंह, अखिलेश सिंह, संतोष चौहान, जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, सोमारू चौहान, पूनम मौर्या, सुधीर पाटिल, अजय सहाय, रासबिहारी राय, तेरसू यादव, गुरु प्रसाद गुप्ता, कमलेश पांडेय, आशू दूबे, पुर्नवासी राम, रामधीरज शास्त्री सहित अन्य लोग उपस्थित थे। संचालन जिला महामंत्री दयाशंकर पांडेय ने किया।

धूमधाम से मना काली मंदिर का श्रृंगार उत्सव

चंदौली। अलीनगर क्षेत्र के नसीरपुर पट्टन गांव स्थित काली मंदिर का श्रृंगार उत्सव विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हवन पूजन व कीर्तन के साथ धूमधाम से गुरुवार की देर शाम तक मनाया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा। क्षेत्र के नसीरपुर पट्टन गांव स्थित काली मंदिर का श्रृंगार उत्सव विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हवन -पूजन व कीर्तन के साथ गुरुवार की देर शाम तक मनाया गया। इस दौरान मंदिर परिसर को झालरों से सजाया गया था। वहीं अखंड हरि कीर्तन के साथ पूरा क्षेत्र भक्तिमय गीतों से गुंजायमान हो गया। भक्तों ने प्रसाद के रूप में भंडारे का स्वाद चखा इस मौके पर मुख्य अतिथि सकलडीहा विधायक प्रभु नारायण यादव ने भी पहुंचकर मां काली के मंदिर पर मत्था टेका। इस दौरान खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के पूर्व सदस्य संतोष यादव,लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप यादव, ग्राम प्रधान निरंजन यादव ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य गुड्डू यादव, अरविंद यादव बबलू,गायक रामाशीष यादव, नीतू यादव सहित तमाम भक्तगण उपस्थित रहे।

अवैध हास्पिटल संचालन पर उठी कार्रवाई की मांग

गाजीपुर। ओम हास्पिटल बरहपुर नंदगंज का रजिस्ट्रेशन निरस्त होने के बावजूद अब वहीं पर न्यू ओम हास्पिटल के नाम से अवैध लोगों की मिलीभगत से धड़ल्ले से अस्पताल चलाया जा रहा है। इसकी शिकायत ओम हास्पिटल के संचालक पंचम यादव ने सीएमओ कार्यालय में भी की लेकिन विभागीय अधिकारियों के कानों पर जुं नहीं रेंगी। लोग चुटकी लेकर कहते हैं कि विभागीय अधिकारियों की मिली भगत से ही अवैध हॉस्पिटल का संचालन हो रहा है। शायद अवैध संचालकों से मिलने वाली मोटी रकम ने विभागीय अधिकारियों को मौन रहने पर मजबूर कर दिया है। बताते चलें कि गत एक मार्च को इस अस्पताल का रजिस्ट्रेशन निरस्त कर दिया गया था और बताया गया था कि कोई भी गतिविधि होती है तो संचालक पंचम यादव जिम्मेदार होंगे। इसके बाद जब वहां न्यू ओम हास्पिटल संचालित होने लगा और इसकी जानकारी पंचम को हुई तो उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिखकर बताया कि वहां अब न्यू ओम हास्पिटल के नाम से अस्पताल चलाया जा रहा है। उस हास्पिटल में राजू कुशवाहा, सरिता राजभर, प्रवीण कुशवाहा व अन्य रजिस्ट्रेशन निरस्त होने के बाद भी हास्पिटल संचालित कर रहे हैं।

नहर किनारे मिला युवक का शव, सनसनी

बांसडीह। कोतवाली क्षेत्र के पिंडहरा से बंकवा जाने वाली नहर के पास शुक्रवार की सुबह संदिध परिस्थियों में एक युवक का शव मिलने से हड़कम्प मच गया। काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक की शिनाख्त बजरंगी 25 वर्ष पुत्र दीनानाथ गुप्ता निवासी बैरिया के रूप में की गई। मृतक बांसडीह कस्बे में अपनी माता और पत्नी के साथ किराए की मकान में रहता था। वह मिठाई बनाने का मिस्त्री था। इस मामले पुलिस जांच में जुट गई है। बता दें कि बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के पिंडाहरा गांव से बंकवा जाने वाली नहर के किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में युवक



का शव शुक्रवार की सुबह टहलने गए लोगों ने देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। इस बाबत प्रभारी कोतवाल शकील अहमद ने बताया कि शव की शिनाख्त हो चुकी है। मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

मनिहारी कम्पोजिट विद्यालय से निकाली गई मतदाता जागरूकता रैली

गाजीपुर। शिक्षा क्षेत्र मनिहारी के कम्पोजिट विद्यालय नसीरपुर से स्कूल चलो अभियान संग मतदाता जागरूकता अभियान रैली की शुरूआत जिला बेसिक शिक्षाधिकारी हेमंत राव द्वारा किया गया। इस दौरान उपस्थित बच्चों, शिक्षकों एवं जनसमुदाय को सामान्य निर्वाचन लोकसभा 2024 में निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर मतदान के लिए शपथ दिलाई गई। जाति -धर्म से ऊपर उठकर एक जून 2024 को मतदान के लिए लोगों को जागरूक करने एवं जन जागरुकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर खंड शिक्षाधिकारी मनिहारी हेमवंत कुमार ने लोगों से अपील किया कि बच्चों का नामांकन अनिवार्यतः विद्यालय में कराएं एवं नियमित विद्यालय में भेजें तथा इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षाधिकारी सदर आलोक कुमार ने शिक्षकों से परिवार सर्वेक्षण द्वारा अभी भी नामांकन से वंचित बच्चों का नामांकन करने की अपील की।

बीडीओ ने मतदान के प्रति लोगों को किया जागरूक

केटी न्यूज/गाजीपुर



रेवतीपुर ब्लाक मुख्यालय पर शुक्रवार को निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई है। जिसे खंड विकास अधिकारी कौस्तूभ मणी पाठक ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली का नेतृत्व खंड विकास अधिकारी कौस्तूभ मणी पाठक ने किया, जो ब्लाक मुख्यालय से हाई-वे ,थाना सहित गांव की प्रमुख गली, मोहल्ले होते हुए पुनः ब्लाक मुख्यालय पर आकर समाप्त हुई। रैली में सभी सेक्रेटरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे, जो गांव -गांव में निर्वाचन आयोग द्वारा श्लोगन लिखे बैनर लिए चल रहे थे। इस दौरान खंड विकास अधिकारी कौस्तूभ मणी पाठक ने लोगों से लोकतंत्र के महापर्व में शत प्रतिशत मतदान को लेकर प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एक ऐसे जनप्रतिनिधि का चयन करें, जो समाज की छवि को संवारने व मतदाताओं की आवाज को सदन में उठाएं व क्षेत्र के विकास को लेकर गंभीर हों। उन्होंने मतदान के प्रति संकल्प पत्र भरवा अधिक से अधिक मतदान करने के लिए शपथ दिलवाते हुए कहा कि संविधान के द्वारा हमें अपना मत देने के लिए मौलिक अधिकार दिए है। जिसका हमें उपयोग करना है। इसके लिए आस पड़ोस के लोगों को भी जागरूक होना होगा। तभी हम अपनी ताकत का ऐहसास करा पाएंगें। उन्होंने कहा कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास जताते हुए अभिभावकों और आस-पास के लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया जाए। इसमें सबके सहयोग की आवश्यकता है।

लहुरीकाशी का लाल बना आईपीएस, चहुंओर खुशी

केटी न्यूज/ गाजीपुर



विश्वनाथ पांडेय एडवोकेट अपनी दूरदर्शिता व सुनियोजित तरीकों से बच्चों को दिए मार्ग दर्शन के कारण उनका छोटा सुपुत्र अभिजीत पांडेय ने वर्ष 2023 में भारत की सबसे बड़ी परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग जिसका परिणाम अप्रैल 2024 में आया है। इसमें अभिजीत ने अपना दमदार उपस्थित दर्ज कराकर क्ढर का पद सुनिश्चित किया है। हम सभी के साथ- साथ जिले को एक बार फिर से गौरवांवित होने का अवसर प्रदान हुआ है। इस बच्चे कि लगन से की गई कठिन परिश्रम अन्य प्रातियोगियों को प्रेरणा का स्रोत बने अभिजीत के पिता जनपद के रूही मंडी शहर के मूल निवासी है। अभिजीत की इस सफलता के पीछे अपने माता-पिता एवं गुरुजनों के साथ कड़ी मेहनत को सफलता का विशेष योगदान बताते हैं। इससे पहले अभिजीत आयोग की परीक्षा पास करके वाराणसी में रेलवे अधिकारी के पद पर कार्य कर रहा था।



समय से नहीं पहुंच सका फायर ब्रिगेड, किसानों में निराशा

चंदौली कलेक्ट्रेट के पीछे खेत में लगी आग से 30 बीघा गेहूं की फसल बर्बाद

केटी न्यूज/चंदौली



सदर कोतवाली क्षेत्र के कलेक्ट्रट के पीछे जसुरी गांव के सिवान में शुक्रवार. को गेहूं की फसल में आग लग गई। जिसके चलते 30 बीघा से अधिक किसानों के गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।बताते हैं कि सदर कोतवाली क्षेत्र के जसुरी गांव के सिवान में किसानों की गेहूं की फसल में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। जिसके चलते किसानों की लगभग 30बीघा गेहूं फसल जलकर रख हो गई। वहीं किसानों की ओर से आस लगाकर गेहूं की फसल के प्रति कई अरमान पहले थे, लेकिन उनके अरमानों पर पानी फिर गया। आस पास के ग्रामीणों ने आग को काबू करने का प्रयास किया, लेकिन सफलता हाथ नही लगी। वहीं ग्रामीणों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी, लेकिन एक घंटे तक फायर ब्रिगेड का वाहन मौके पर नहीं पहुंचा जिसको लेकर वहां हर कोई जिला प्रशासन को कोसते नजर आ रहा था इसमें चंद्रिका सिंह, गणेश सिंह, चेखुर सिंह, लल्लन सिंह, नंदू राय, प्रेम सिंह, मल्लर सिंह, अजय राय, बबलू राय, अमरदेव तिवारी, ब्रह्मदत्त तिवारी, लक्ष्मण, मनीष

की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। वहीं आग का विकराल रूप देख आस पास के ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। वहीं लोग लाठी डंडे व अन्य सामान लेकर खेतों में कूद पड़े, लेकिन आग को काबू में नही कर सके। इस दौरान उन्होंने अगलगी की जानकारी फायर ब्रिगेड की दी, लेकिन एक घंटे तक फायर ब्रिगेड की वाहन मौके पर नहीं पहुंची। जिससे किसानों का सफल जलकर नष्ट हो गई, लेकिन किसी प्रकार आग पर काबू पाया। सदर तहसीलदार अजीत कुमार ने कहा कि लेखपाल को भेजकर इसका सर्वे कराया जाएगए और किसानों का नुकसान हुआ है उसका उचित मुआवजा दिया जाएगा।

20.04.2004_20.04.2004.qxd 4/19/2024 11:30 PM Page 6

अमरोहा की रैली में पीएम मोदी ने सपा और कांग्रेस पर साधा जमकर निशाना

योगी जी ने यूपी में दिखा दिया कि क्या होता है गवर्नेंस, कानून व्यवस्था और विकास: मोदी

केटी न्यूज/अमरोहा



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि यूपी और बिहार में जो लोग अपने आप को यदुवंशी कहकर ढोल पीटते हैं, जो नेता यदुवंश की मलाई खाते हैं वो भगवान श्रीकृष्ण का अपमान करने वालों के साथ कैसे बैठ सकते हैं। पीएम मोदी शुक्रवार को अमरोहा में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब वे द्वारका में समुद्र की गहराइयों में प्राचीन द्वारका के दर्शन-पूजन कर रहे थे तब कांग्रेस के लोगों ने कहा था कि वहां पूजा-पाठ करने के लिए कुछ है ही नहीं। कांग्रेस के लोगों ने श्रीकृष्ण का अपमान किया, मगर सवाल ये उठता है कि यूपी बिहार में यदुवंश के नाम पर राजनीति करने वाले नेता ऐसे लोगों के साथ कैसे बैठ सकते हैं। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण के इसी खेल ने यूपी को खासकर हमारे पश्चिमी यूपी को दंगों की आग में जलाया था। यूपी के लोग गुंडाराज का वो दौर कभी भूल नहीं सकते।

दो शहजादों की फिल्म का पहले ही हो चुका है रिजेक्शन: प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपी में एक बार फिर दो शहजादों की जोड़ी की फिल्म की शूटिंग चल रही है। मगर, इस फिल्म का पहले ही रिजेक्शन हो चुका है। हर बार ये परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की टोकरी उठाकर यूपी की जनता से वोट मांगने निकल पड़ते हैं। हमारी आस्था पर हमला बोलने का कोई मौका नहीं छोड़ते। यहां के टिगरी मेले में भी ये लोग रुकावट डालते थे। यहां के कांग्रेस प्रत्याशी को तो भारत माता की जय बोलने में भी आपत्ति थी। प्रधानमंत्री ने पूछा कि जिसको भारत माता की जय मंजूर नहीं ऐसे व्यक्ति को संसद में प्रवेश मिलना चाहिए क्या।

वोट बैंक के भूखे लोगों ने प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार किया: पीएम मोदी ने कहा कि अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण कांग्रेस और सपा ने ठुकरा दिया था। वोट बैंक के भूखे लोगों ने प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार किया। उन्हें बाबरी का केस लड़ने वालों से सीखना चाहिए था। इससे भी उनका मन नहीं भरा, इसलिए ये आये दिन राममंदिर और सनातन आस्था को गाली दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि रामनवमी पर प्रभु श्रीराम का भव्य सूर्य तिलक हुआ। जब पूरा देश राममय है तो समाजवादी पार्टी के लोग रामभक्तों को पाखंडी कहते हैं। इंडी गठबंधन वाले सनातन से घृणा करते हैं।

योगी जी ने यूपी को अपराधियों से मुक्ति दिलाई है: प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं गुजरात में पैदा हुआ और यूपी के चरणों में आकर बैठ गया। काशी ने मुझे सांसद बना दिया। उन्होंने कहा कि यहां आए दिन दंगे होते थे। लोगों को अपना घर छोड़कर जाना पड़ता था। यहां के कितने ही मोहल्लों में 'मकान बिकाऊ है' के पोस्टर लगाने पड़ते थे। योगी जी ने ऐसे अपराधियों से मुक्ति दिलाई है। हमें दोबारा किसी कीमत पर उन ताकतों को मजबूत नहीं होने देना है। पीएम मोदी ने कहा कि यहां सात साल से योगी जी की सरकार है। उन्होंने यूपी में दिखा दिया है कि गवर्नेंस, कानून व्यवस्था और विकास क्या होता है। योगी जी के नेतृत्व में 2014 और 2019 दोनों का रिकॉर्ड टूटेगा। यूपी इस बार नया इतिहास लिखने वाला है। उन्होंने अपील की कि 26 अप्रैल को बीजेपी प्रत्याशी कंवर सिंह तंवर को रिकॉर्ड मतों से जिताकर संसद में भेजना है।

सामाजिक न्याय के लिए मोदी दिन रात काम कर रहा है: प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले की सरकारें सामाजिक न्याय के नाम पर एससी, एसटी और ओबीसी को धोखा देती रही हैं। मगर ज्योतिबा फुले, बाबा साहब अंबेडकर और चौधरी चरण सिंह के सामाजिक न्याय का सपना पूरा करने के लिए मोदी दिन रात काम कर रहा है। इंडी गठबंधन वालों की सरकार में यूपी की पहचान पिछड़े राज्य के रूप में होती थी।

अमरोहा की एक ही थाप है, 'कमल छाप: प्रधानमंत्री ने कहा अमरोहा कोई साधारण जगह नहीं है। ये धरती भगवान श्रीकृष्ण के श्री चरणों की साक्षी रही है। अमरोहा के ढोलक की छाप दूर दूर तक गूंजती है। योगी जी के प्रयासों से ढोलक को जीआई टैग देकर पूरी दुनिया में पहचान दिलाई गई है। आज अमरोहा की एक ही थाप है, 'कमल छाप'। अमरोहा केवल ढोलक ही नहीं देश का डंका भी बजाता है। क्रिकेट वर्ल्ड कप में मोहम्मद शमी ने जो कमाल किया वो पूरी दुनिया ने देखा है। उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए मोहम्मद शमी को अर्जुन अवार्ड दिया है। योगी जी की सरकार यहां के युवाओं के लिए स्टेडियम भी बनवा रहे हैं। जिन्होंने सपा, बसपा, कांग्रेस की सरकार देखी है वो योगी जी के कार्यकाल को देख लें। 2024 का चुनाव देश के भविष्य का चुनाव है। ये भारत के भाग्य को सुनिश्चित करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश सरकार के मंत्री जसवंत सिंह सैनी, विधान परिषद सदस्य सरदार हरि सिंह ढिल्लों, विधायक महेंद्र खड़गवंशी, राजीव तरारा, हरेंद्र सिंह तेवतिया, बीजेपी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

स्वीप कार्यक्रम के तहत दिव्यांग जनों के बीच आयोजित की गई खेलकूद प्रतियोगिता



मऊ। मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम मऊ में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांग बच्चों की प्रतियोगिता कराई गई। जिसका नेतृत्व जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र द्वारा किया गया। जिसमें ट्राई साइकिल दौड़, व्हीलचेयर दौड़, अंध बच्चों की दौड़, बैसाखी दौड़ एवं मुख बहीर बच्चों की दौड़ कराई गई तथा जिला बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा दिव्यांग बच्चों की प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें चित्रकला, जलेबी दौड़, कुर्सी दौड़, ब्रेल प्रतियोगिता, सुलेख, रस्साकशी एवं छूकर पहचानो प्रतियोगिता शामिल है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा कराई गई। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले बच्चे निम्न प्रकार हैं। ट्राई साइकिल प्रतियोगिता में हफीजुल्ला प्रथम, जैरुल हसन द्वितीय एवं राजकुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। व्हीलचेयर दौड़ प्रतियोगिता में संदीप प्रथम, मतिहुरहमान द्वितीय एवं बाबूलाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अन्ध दौड़ प्रतियोगिता में आकाश प्रथम, नीतू चौहान द्वितीय एवं सुचित्रा चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बैसाखी दौड़ प्रतियोगिता में पिंटू प्रथम, सूरज साहनी द्वितीय एवं विश्राम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मूकबधिर दौड़ प्रतियोगिता में अनीश गिरी ने प्रथम, अर्पण यादव ने द्वितीय एवं एस सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उक्त खेल के अतिरिक्त दिव्यांग आइकॉन अभिषेक पांडे, गुल्लू राम, पंकज चौहान, मोहम्मद आमिर एवं शिवम पांडे तथा ट्रांसजेंडर आइकॉन हेमा कौशल, सलमा किन्नर, खुशबू, आकिब उर्फ.गुड़िया, गुंजा सिंह एवं रमेश उर्फ चांदनी तथा खेल आइकॉन के रूप में रामानंद भारद्वाज, शशिकला, साधना यादव आदि को मतदाताओं को जागरूक करने एवं आइकॉन के रूप में जिलाधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम के दौरान जनपद वासियों से अपील किया कि अपने मत का प्रयोग अवश्य करें किसी भी दशा में अपने मत को बर्बाद न होने दें। आपका एक मत का बहुत ही बड़ा महत्व हो सकता है। एक अच्छे राष्ट्र के निर्माण में अपना सहयोग करें। निर्वाचन कार्य में आम जन के साथ-साथ जनपद के ट्रांसजेंडरों द्वारा भी अपना पूरा-पूरा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में सहयोग किया जा रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में ट्रांसजेंडर समूह के लोग भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य आमजन को मतदाता जागरूकता की शपथ भी दिलाई गई।

जिला जेल में कौशल विकास मिशन का प्रमाण-पत्र पाकर खिले बंदियों के चेहरे

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन योजनान्तर्गत जिला कारागार में प्रशिक्षण प्राप्त निरूद्ध बंदियों को प्रमाण -पत्र प्रदान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति लखनऊ के जोन सचिव डा. एके राय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कारागार अधीक्षक सत्य प्रकाश सिंह व विशिष्ट अतिथि कौशल विकास मिशन योजना के जिला कौशल प्रबंधक विकास यादव, प्रो कारापाल रविन्द्र सिंह यादव, उप कारापाल द्वय रविन्द्र सिंह तथो सुखवन्ती देवी द्वारा चयनित प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रशिक्षण संस्थान के डायरेक्टर प्रकाश गुप्ता ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित करते हुए कौशल विकास मिशन योजना के बारे में विशेष जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षण पूर्ण कराने में सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार के निर्देशन में हाईटेक कालेज आफ मैनेजमेंट एण्ड ई टेक्नोलॉजी द्वारा जिला कारागार में निरूद्ध बन्दियों को कम्प्यूटर एवं हेल्थ केयर सेक्टर में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरान्त शासन ने उनकी परीक्षा करायी और उत्तीर्ण होने पर उन्हें प्रमाण पत्र जारी किया था।

देश की आस्था, सुरक्षा और विकास से वंचित रखने वालों को एक-एक वोट के लिए है तरसाना : योगी

मुख्यमंत्री ने पश्चिमी यूपी की तीन लोकसभा सीटों पर किया प्रचार

केटी न्यूज/लखनऊ



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अमरोहा, बुलंदशहर और बागपत लोकसभा सीटों पर प्रचार अभियान में शामिल हुए। अमरोहा सीट पर बीजेपी प्रत्याशी चौधरी कंवर सिंह तंवर के पक्ष में सीएम योगी ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मिलकर विशाल रैली को संबोधित किया, वहीं बुलंदशहर में बीजेपी उम्मीदवार डॉ भोला सिंह और बागपत सीट के लिए एनडीए के घटक राष्ट्रीय लोकदल के प्रत्याशी डॉ राजकुमार सांगवान के पक्ष में उन्होंने जनसभाएं करते हुए वोट की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रथम चरण के लिए शुक्रवार को हो रहे मतदान को देखकर ये तय हो जाता है कि देश की जनता एक बार फिर मोदी सरकार को चुनने के लिए उतावली है। उन्होंने सपा, बसपा और कांग्रेस को पश्चिमी यूपी के लिए खतरा बताया। मुख्यमंत्री ने इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कहा कि जिन लोगों ने देश की आस्था और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया ओर विकास से वंचित रखा उन लोगों को एक एक वोट के लिए तरसाना है। सीएम योगी ने कहा कि भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के सपनों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साकार कर रहे हैं।

अमरोहा में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में वर्ष 1947 में विभाजन के दौरान पाकिस्तान का भूभाग ज्यादा था जबकि वहां आबादी कम थी। वहीं आज पाकिस्तान की आबादी करीब 23 से 24 करोड़ है, फिर भी वहां खाने के लाले पड़े हैं। जबकि आज भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के 80 करोड़ लोगों को पिछले 4 वर्षों से फ्री राशन की सुविधा दी जा रही है। यह बदलते और नए भारत की तस्वीर को दर्शाता है। अब हमें विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और ग्लोबल लीडर के रूप में आगे बढ़ने के लिए लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी सुनिश्चित करनी है, ताकि तीसरी बार फिर मोदी सरकार को देश का नेतृत्व सौंपकर अपना कर्तव्य निभाएं।

जो भारत के बारे में सोचेगा उसी को वोट करेंगे: बुलंदशहर लोकसभा सीट के लिए गजरौला में चुनाव प्रचार करते हुए सीएम योगी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने देश की अस्मिता को बचाने के लिए कई नारे दिये, जिसका कांग्रेस मजाक उड़ाया करती थी। वहीं सपा और बसपा उनका सपोर्ट करती थी। कांग्रेस, बसपा और सपा देश की तमाम समस्याओं की जड़ है, जबकि भारतीय जनता पार्टी इन समस्याओं का समाधान है। कांग्रेस ने देश को धारा 370 दिया, जबकि बीजेपी ने इसे समाप्त करके आतंकवाद की ताबूत पर अंतिम कील ठोकने का काम किया है। अब यहां विस्टोफ और आतंकवादी गतिविधियां नहीं होती हैं क्योंकि वह जानते हैं कि उनके साथ उनके आका को भी ठीक कर दिया जाएगा। ऐसे में इस बार आस्था और सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों, विकास से वंचित रखने वालों, युवा पीढ़ी और अन्नदाता किसानों के साथ अन्याय करने वालों और बेटी- व्यापारी को डराने वालों को एक-एक वोट के लिए तरसा दीजिये। उन्हे बोल दीजिये कि जो देश, विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के बारे में सोचेगा उसी को वोट करेंगे।

मोदी सरकार लाने के लिए लोगों में उतावलापन: गाजियाबाद के मोदीनगर में बागपत लोकसभा सीट के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अन्नदाता किसानों का सम्मान और उत्थान करके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जी के सपनों को साकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने अन्नदाताओं के लिए अनेक योजनाएं प्रारंभ की, जिसका परिणाम हम सबके सामने है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण के लिए मतदान चल रहा है। वोटिंग की स्पीड बताती है कि देश में फिर एक बार मोदी सरकार लाने के लिए लोगों में उतावलापन दिख रहा है। ऐसा होना लाजमी है क्योंकि जो हमारे पूर्वजों को सम्मान दें उनका सम्मान होना ही चाहिए। पहली बार चौधरी साहब को मोदी जी ने भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देकर हमारे यूपी का गौरव बढ़ाया है।



सोलर पंप लगाने के नाम पर किसानों से हो रही धोखाधड़ी

केटी न्यूज/चंदौली

जनपद में सोलर पंप लगाने के नाम पर इन दिनों किसानों के साथ धोखाधड़ी करने वाले सक्रिय हैं। यहीं नहीं उनकी ओर से किसानों को फर्जी तरीके से फ्राड करने वाले संदेश भेज रहे है। ऐसे में किसानों को सावधानी बरतने की जरूरत है। किसान भाई किसी भी नंबर से फोन आने पर बिना विभाग के संपर्क के बाद कोई धनराशि किसी को न दें नहीं तो धोखाधड़ी के ?शिकार हो सकते है। ऐसे में किसानों को सावधान रहना होगा और बिना कार्यालय में संपर्क पूरी जानकारी प्राप्त करके ही कार्य करें।

बताते हैं कि जनपद में कृषकों द्वारा सोलर पम्प की बुकिंग www.upagriculture.gov.in पर की जाती है। विभाग के संज्ञान में आया है कि मोबाइल नंबर 7290912735, 7037767569, 9719775461, 9170935887, 6397850849 सहित अन्य नंबरों से कृषकों को फोन किया जा रहा है। कृषि विभाग के संदेश के समतुल्य संदेश भेजा जा रहा है कि आपको अधिकतम सब्सिडी की सुविधा दी जा रही है। आपसे कृषक अंश कम लिया जा रहा है, आप कृषक अंश की धनराशि इण्डियन बैंक के खाता संख्या - 7748563270, एसबीआई बैंक खाता संख्या 42762571204 व एनएसडीएल बैंक के खाता संख्या 5010237407 35, 5010244319 87 अन्य बैंकों के खातों में जमा करने का संदेश भेजा जा रहा है। यह पूरी तरह से जिला कृषि विभाग की ओर से नहीं भेजा जा रहा है। कोई भी नंबर से फोन आए तो किसान भाई सर्तक रहे और बिना कृषि विभाग से संपर्क करने के बाद ही कोई कदम उठाएं नहीं तो धोखाधड़ी के शिकार हो सकेत हैं।

अवर अभियंता कृषि विभाग मानसिंह कुशवाहा ने कहा कि किसान भाईयों को अवगत कराना है कि सोलर पम्प हेतु कृषकों के चयन एवं टोकन कंफर्म करने की ऑनलाईन व्यवस्था है और वह पूरी तरह से पारदर्शी है। कहा कि टोकन कंफर्म करने के पश्चात कृषि विभाग के पोर्टल पर उनके पंजीकृत मोबाइल नम्बर पर मैसेज कृषि विभाग की तरफ से जाता है। तपश्चात कृषकों द्वारा चालान जनरेट करने के उपरांत ही ऑनलाईन व ऑफलाईन धनराशि जमा की जाती है। किसान को सलाह दी जाती है कि उक्त प्रकार की धोखाधड़ी से बचने का प्रयास करें। यदि आपके साथ उक्त से संबधित धोखाधड़ी होती है तो साइबर सेल में इसकी एफआईआर दर्ज करा सकते है, लेकिन धोखाधड़ी से बचने के लिए विभाग से संपर्क करने के बाद ही कोई कार्य करें।

आज दोपहर दो बजे जारी होगा यूपी बोर्ड 10वीं,12वीं का रिजल्ट

लखनऊ। नकलविहीन परीक्षाएं संपन्न कराने के बाद उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् ने यूपी बोर्ड की हाई स्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं के रिजल्ट जारी करने की तैयारी पूरी कर ली है। माध्यमिक शिक्षा परिषद् के सचिव दिब्यकांत शुक्ल ने प्रेस रिलीज के माध्यम से बताया की वर्ष 2024 की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा का परीक्षाफल 20 अप्रैल, 2024 को अपराह्न 02:00 बजे माध्यमिक शिक्षा परिषद्, मुख्यालय प्रयागराज से घोषित किया जाएगा। परीक्षाफल माध्यमिक शिक्षा परिषद् की वेबसाइट upmsp.edu.in तथा एनआईसी की वेबसाइट upresults.nic.in पर देखा जा सकता है। बोर्ड की ओर से इसकी जानकारी मुख्य निर्वाचन आयुक्त, उत्तर प्रदेश को भी दी गई है।



निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव के लिए व्यापक इंतजाम एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई

उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों पर 57.54 प्रतिशत मतदान

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश के प्रथम चरण में 08 लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में शुक्रवार को मतदान शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुआ। मतदान प्रातः 7.00 बजे से शुरू होकर सायं 6.00 बजे समाप्त हुआ। सायं 5:00 बजे तक जनपदों से प्राप्त सूचना के आधार पर प्रदेश के 08 लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 57.54 प्रतिशत मतदान हुआ है, जिसमें सहारनपुर में 63.29 प्रतिशत, कैराना में 58.68 प्रतिशत, मुजफ्फरनगर ने 54.91 प्रतिशत, बिजनौर में 54.68 प्रतिशत, नगीना ने 58.05 प्रतिशत, मुरादाबाद में 57.65 प्रतिशत, रामपुर ने 52.42 प्रतिशत और पीलीभीत में 60.23 प्रतिशत मतदान हुआ।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अपने कार्यालय कक्ष के 7वें तल पर स्थित सभाकक्ष में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस बताया कि मतदान की प्रक्रिया को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष बनाए रखे जाने के उद्देश्य के लिए प्रभावी पर्यवेक्षण हेतु कुल 7582 मतदेय स्थलों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई, जिसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तरों पर किया गया। इसके अतिरिक्त 1510 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई थी। प्रथम चरण के पोस्टल बैलेट मतदान हेतु अर्ह श्रेणियों (85 वर्ष की आयु से अधिक के मतदाता, दिव्यांग, अनिवार्य सेवाएं तथा मतदान कार्मिक) में 14264 मतदाताओं द्वारा पोस्टल बैलेट कास्ट किया गया। 85 वर्ष की आयु से अधिक के मतदाता एवं दिव्यांग मतदाताओं में जिनके द्वारा पोस्टल बैलेट का विकल्प चुना गया था, उनके घर पर जाकर मतदान दल द्वारा मतदान कराया गया। प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाए जाने के लिए मतदान दल के साथ एक माइक्रो आब्जर्वर तथा वीडियोग्राफर की तैनाती की गई थी एवं प्रत्याशियों को सम्पूर्ण प्रक्रिया को देखने के लिए स्वयं अथवा अपने अभिकर्ता को भेजने के लिए मतदान दल का शिड्यूल उपलब्ध कराया गया था एवं इस श्रेणी के अर्ह मतदाताओं की सूची भी प्रत्याशियों को उपलब्ध कराई गई थी। इस मतदान प्रक्रिया की पूरी वीडियोग्राफी भी कराई गई है।

कुल 27938 सेवा मतदाताओं को भी रिटर्निंग अधिकारी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से (ईटीपीबीएस) पोस्टल बैलेट का प्रेषण किया गया। 7943 कार्मिकों को ईडीसी जारी किया गया है। मतदान पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए आयोग द्वारा 08 सामान्य प्रेक्षक, 05 पुलिस प्रेक्षक तथा 10 व्यय प्रेक्षक भी तैनात किये गये थे। उक्त के अतिरिक्त 1272 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 150 जोनल मजिस्ट्रेट, 103 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 1861 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किए गए थे। इसके अतिरिक्त भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य स्तर पर एक वरिष्ठ सामान्य प्रेक्षक, 01 वरिष्ठ पुलिस प्रेक्षक तथा 01 वरिष्ठ व्यय प्रेक्षक भी तैनात किये गये थे, जिनके द्वारा क्षेत्र में रहकर सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया का पर्यवेक्षण किया गया।

चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु पर्याप्त मात्रा में अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती की गई थी। मतदान के दौरान जहां कहीं भी शिकायत प्राप्त हुई हैं, वहां तत्काल प्रभावी कार्यवाही करते हुए ईवीएम एवं वीवीपैट को बदलने की कार्यवाही की गई है। जनपदों से प्राप्त सूचना के अनुसार मॉक पोल के दौरान कुल 85 बीयू, 184 सीयू एवं 259 वीवीपैट बदले गए एवं मतदान प्रारम्भ होने के पश्चात सायं 5:00 बजे तक कुल 50 बी0यू0, 50 सी0यू0 एवं 152 वीवीपैट बदले गए।

20.04.2004_20.04.2004.qxd 4/19/2024 11:30 PM Page 7

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

संपादकीय

बक्सर, 20 अप्रैल 2024

website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

दुःख का कारण हमारी चित्तवृत्तिओं का प्रभाव ही है।

- भगवान श्री कृष्ण

इजराइल का ईरान पर हमला विश्व में मचेगा हाहाकार

इजरायल ने ईरान के ऊपर जबाबी हमला कर दिया है। इस जवाबी हमले के बाद सारी दुनिया के देशों में हाहाकार मचना तय है। इजराइल ने ईरान के कई शहरों और एयरपोर्ट पर खतरनाक मिसाइलों से हमला किया है। ईरान के इसाफहान शहर के एयरपोर्ट पर जबरदस्त धमाका सुना गया है। यहीं पर ईरान की न्यूक्लियर साइड भी मौजूद है। इस हमले के दो महत्वपूर्ण प्रभाव सारी दुनिया के देशों में होंगे। पहला कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से तेल के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ेंगे। इसमें दुनिया के वह देश जो इस लड़ाई में प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हैं, उनके ऊपर भी इस युद्ध का असर होगा। दूसरा जो देश प्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में भाग लेंगे या समर्थन दे रहे हैं उन देशों को भी इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ेगा। भारत के लिए यह बड़ी चिंता का विषय है। भारत के संबंध ईरान और इजराइल दोनों के साथ हैं। गुरुवार की रात को इजराइल ने ईरान के इसाफन प्रांत में हमला किया है। यहां पर ईरान के परमाणु ठिकाने और यूरेनियम संवर्धन प्रमुख केंद्र हैं। ईरान और इजरायल के बीच चल रहे तनाव का मामला संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में भी उठा था। सुरक्षा परिषद भी दोनों देशों के तनाव को कम करने में कोई सार्थक भूमिका नहीं निभा पाई। इजराइल के जवाबी हमला करने के बाद भारत को आर्थिक और सामरिक दृष्टि से बड़ा नुकसान होना तय है। ईरान की फौज ने इजराइल का एक माल वाहक जहाज जप्त करके रखा है। इसमें 25 चालक दल में 17 भारतीय थे। ईरान ने मात्र एक महिला चालक को छोड़ा है। शेष सभी ईरान की हिरासत में हैं। इजराइल और ईरान लंबे समय से एक दूसरे के ऊपर छुटपुट हमले करते रहे हैं। लेकिन अब इस युद्ध में अमेरिका, यूरोपीय देशों के साथ-साथ रूस और चीन भी हस्तक्षेप कर रहे हैं। इस कारण तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बन गई है। 1 अप्रैल को इजराइलियों ने दमिशक में एक ईरानी काउंसलेट पर हमला किया था। इस हमले में ईरान के साथ वरिष्ठ अधिकारी मारे गए थे। इस हमले के बाद ईरान को इजराइल के खिलाफ सीधी जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। बदले में गुरुवार की रात इजराइल ने भी ईरान पर सीधा जबाबी हमला कर दिया है। जिसके कारण सारी दुनिया के देशों में तनाव की स्थिति बन गई है।

ईरान के हमले से बचाव के लिए अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जॉर्डन और सऊदी अरब इजराइल की मदद में खड़े हुए हैं। दूसरी ओर ईरान की सहायता के लिए रूस और चीन खुलकर सामने आ गए हैं। इजराइल द्वारा गाजा में जिस तरीके का विनाश हमास से युद्ध करने के नाम पर फिलिस्तीनी नागरिकों का किया है। संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद की बात को इजराइल ने नहीं माना। उसके बाद से ही स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है। 7 अक्टूबर को इजराइल ने हमास के ऊपर हमला किया था। उसके बाद भारत ने सऊदी अरब, ईरान, इजराइल, मिश्र और फिलिस्तीन के नेताओं से युद्ध को रोकने के लिए अपने स्तर पर सभी ने प्रयास किए, लेकिन भारत के कोई भी प्रयास सफल नहीं हुए। इजराइल लगातार हमास पर हमला करता रहा। हजारों लोगों की मौत हो गई। अक्टूबर से अभी तक चल रहे इस युद्ध में इजराइल के हाथ भी कुछ नहीं आया है। फिलिस्तीन और गाजा में भारी नुकसान हुआ। वहां की आम जनता को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा। ऐसा नरसंहार इसके पहले कभी दुनिया के किसी भी देश में देखने को नहीं मिला। इजराइल और हमास के युद्ध में एक साथ हजारों बच्चों और महिलाओं की मौत हुई है। वहां पर भुखमरी फैली हुई है। रेड क्रॉस और अन्य संस्थाएं वहां मदद नहीं पहुंचा पा रही हैं।

चिंतन-मनन

भौतिकवाद से उपजी दुर्गति

ऊंचा महल खड़ा करने के लिए किसी दूसरी जगह गड्ढे बनाने पड़ते हैं। मिट्टी, पत्थर, चूना आदि जमीन को खोदकर ही निकाला जाता है। एक जगह टीला बनता है तो दूसरी जगह खाई बनती है। संसार में दरिद्रों, अशिक्षितों, दुःखियों, पिछड़ों की विपुल संख्या देखते हुए विचार उठता है कि उत्पादित सम्पदा यदि सभी में बंट गई होती तो सभी लगभग समान स्तर का जीवन जी रहे होते। अभाव एक ही कारण उत्पन्न हुआ है कि कुछ लोगों ने अधिक बटोरने की विज्ञान एवं प्रत्यक्षवाद की विनिर्मित मान्यता के अनुरूप यह उचित समझा है कि नीति, धर्म, कर्त्तव्य, शालीनता, समता, परमार्थ परायणता जैसे उन अनुबंधों को मानने से इंकार कर दिया जाए जो पिछली पीढ़ियों में आस्तिकता और धार्मिकता के आधार पर आवश्यक माने जाते थे। पशुओं को जब नीतिवान परोपकारी बनाने के लिए बाधित नहीं किया जा सका, तो बन्दर से मानव रूप में विकसित मनुष्य को यह किस आधार पर समझाया जा सके कि उसे उपार्जन तो करना चाहिए पर उसको उपभोग में ही समाप्त नहीं कर देना चाहिए। विज्ञान के साथ सज्ञान का समावेश यदि रह सका होता तो भौतिक और आत्मिक सिद्धान्तों पर आधारित प्रगति का लाभ हर किसी को समान रूप से मिलता पर किया क्या जाए? भौतिक विज्ञान जहां शक्ति व सुविधा प्रदान करता है, वहीं प्रत्यक्षवादी मान्यताएं नीति, धर्म, संयम, स्नेह, कर्त्तव्य आदि को झुठला देती हैं। ऐसी दशा में उद्दंडता अपनाए हुए समर्थ का दैत्य-दानव बन जाना स्वाभाविक है। औद्योगीकरण के नाम पर बने कारखानों ने संसार भर में वायु और जल प्रदूषण भर दिया है। ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग ने संसार का तापमान इतना बढ़ा दिया है कि हिम प्रदेश पिघल जाने पर समुद्रों में बाढ़ आने और ओजोन नाम से जाना जाने वाला पृथ्वी का कवच फट जाने पर ब्रह्माण्डीय किरणों धरती की समृद्धि को भूनकर रख सकती हैं।

नारा चार सौ पार का, सामना बहिष्कार का?

- निर्मल रानी



देश में चुनावी सरगर्मियां अपने चरम पर हैं। सत्ताधारी भाजपा जहाँ अब की बार चार सौ पार के नारे के साथ विपक्ष पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालने की कोशिश कर रही है वहीं संयुक्त विपक्ष इण्डिया गठबंधन भाजपा की सत्ता में वापसी रोकने के लिये एड़ी छोटी का जोर लगाये हुये है। सत्ता व विपक्ष के बीच हो रहे इस चुनावी दंगल से इतर विभिन्न राज्यों से यह खबरें भी आ रही हैं कि आम नागरिकों द्वारा इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों का न केवल बहिष्कार किया जा रहा है बल्कि कई जगह तो हिंसक विरोध से लेकर भाजपा प्रत्याशियों के विरुद्ध प्रदर्शन तक किये जा रहे हैं । कई जगह तो ग्राम वासियों ने बाकायदा बहिष्कार व चेतावनी सम्बन्धी साइन बोर्ड भी लगा दिये हैं। तो क्या हरियाणा,पंजाब,उत्तर प्रदेश व उत्तरांचल सहित कई अन्य राज्यों में हो रहे इस तरह के बहिष्कार यह साबित नहीं करते कि भाजपा का चार सौ पार का नारा महज एक चुनावी शगूफा है? अभी गत 30 मार्च को ही मुजफ़्फर नगर में रात करीब साढ़े आठ बजे खतौली क्षेत्र के मढ़करीमपुर गांव में चुनावी सभा के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान के काफिले की गाड़ियों पर जमकर पथराव किया गया। खबरों के अनुसार इस पथराव में 10 से अधिक भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गये। सभास्थल के समीप की छतों से पथराव शुरू होते ही सभा में भगदड़ मच गई।समाचारों के अनुसार पथराव के साथ ही हमलावरों ने भाजपा व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. बालियान के विरुद्ध नारे बाजी भी की। इस पथराव में हमलावरों द्वारा खतौली के पूर्व विधायक विक्रम सैनी की गाड़ी को क्षति ग्रस्त कर दिया गया। भाजपा ने इस घटना को विपक्ष की साजिश करार दिया है। इसी तरह गत 6 अप्रैल को जिस समय रामायण सीरियल के राम अरुण गोविल जिन्हें भाजपा ने मेरठ से पार्टी उम्मीदवार बनाया है वे स्थानीय भाजपा नेताओं के साथ प्रचार रथ पर सवार होकर रोड शो निकाल रहे उस समय जनता ने उनका जमकर विरोध किया व मुदार्बाद के नारे लगाये। अरुण गोविल वापस जाओ-वापस जाओ के नारे भी देर तक लगाये गये। उनके रथ को स्थानीय लोगों ने जबरन रोक भी लिया। प्रदर्शनकारी भाजपा व अरुण गोविल के विरुद्ध नारेबाजी करते समय अपने हाथों में चुनाव बहिष्कार के पोस्टर लेकर रथ के आगे खड़े हो गये। और कई जगह चुनाव बहिष्कार के पोस्टर चिपका दिये गये। प्रदर्शनकारी महिलाएं चुनाव बहिष्कार के पोस्टर लेकर प्रचार रथ के आगे आईं और गुस्साये लोगों ने प्रचार रथ पर चढ़ने का भी प्रयास किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से ही भाजपा के और भी कई उम्मीदवारों के विरोध व उनके बहिष्कार की खबरें प्राप्त हुई हैं।

इसी तरह मेरठ से लेकर सहारनपुर तक राजपूत समाज बड़ी बड़ी पंचायतें कर भाजपा को वोट न देने और भाजपा प्रत्याशियों का विरोध करने का आह्वान कर रहा है। पश्चिम यूपी में ठाकुर चौबीसी जो पूर्व में भाजपा का साथ देती रही है उसी ठाकुर चौबीसी ने इसबार भाजपा के बहिष्कार की घोषणा कर दी है। हालांकि राजपूत समाज की नाराजगी का कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश में टिकट वितरण में राजपूत समाज की अनदेखी बताया जा रहा है। राजपूत समाज गाजियाबाद से सांसद वी. के. सिंह का लोकसभा टिकट काटने के भी खिलाफ है। राजपूत उत्थान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सोम तो साफ तौर पर घोषणा कर चुके हैं कि हम भाजपा और मुजफ़्फर नगर लोकसभा प्रत्याशी डॉ संजीव बालियान का खुलकर विरोध करेंगे। उनके अनुसार जब ठाकुरों को प्रतिनिधित्व ही नहीं दिया जा रहा तो राजपूत भाजपा को वोट क्यों दें? केवल राजपूत ही नहीं बल्कि त्यागी और सैनी जैसा इस क्षेत्र का प्रमुख समाज भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपने कम प्रतिनिधित्व से असंतुष्ट होने की बात कर रहा है। गांव गांव इस आशय के पोस्टर लगे हैं कि पूरे पश्चिमी यूपी में इस बार ठाकुर भाजपा से आर पार करेंगे। इसी तरह सहारनपुर- दिल्ली हाईवे पर स्थित ननौता गांव में गत 7 अप्रैल को हजारों की संख्या में राजपूत बिरादरी के लोग इकठ्ठा हुये। इस से भाजपा के भीतर खलबली मच गई। क्षत्रिय समाज की संघर्ष समिति की ओर से नानौता में आयोजित इस सम्मेलन को क्षत्रिय स्वाभिमान महाकुंभ का नाम दिया गया जिसमें पश्चिमी यूपी के कई जिलों सहित राजस्थान और हरियाणा से भी ठाकुर समाज के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। यहाँ तक कि भीड़ ने हाइवे को भी पूरी तरह से जाम कर दिया। इस सभा में वक्ताओं का कहना था कि उनके इतिहास के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। राजनीतिक द्वेष की भावना से राजपूत समाज को कमजोर किया जा रहा है। इस महाकुंभ में सम्राट मिहिर भोज और लोकसभा चुनाव में टिकट बंटवारे का मुद्दा जोर शोर से उठाया गया। गौर तलब है कि गुर्जर और ठाकुर समाज के लोग सम्राट मिहिर भोज पर अपनी-अपनी जाति का होने का दावा करते आ रहे हैं। जिसे लेकर दोनों ही समाज में एक दूसरे के प्रति असंतोष है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और भी कई जगह इस तरह की महापंचायत करने का निर्णय लिया गया है। उत्तरांचल में अनेक लोगों ने गंगा किनारे खड़े होकर भाजपा को हारने का संकल्प लिया। उनका असंतोष अंकिता भंडारी को न्याय न मिलने और अग्निवीर योजना लागु करने को लेकर था। हरियाणा के भी कई क्षेत्रों में न केवल भाजपा का विरोध हो रहा है बल्कि सत्ता में भाजपा की मनोहर लाल खट्टर सरकार की लगभग चार वर्षों तक सहयोगी रही जननायक जनता पार्टी (जजपा) का भी जमकर विरोध किया जा रहा है। ग्रामीण इन्हें किसान विरोधी पार्टी के रूप में देख रहे हैं। हरियाणा के जींद जिले के दुराना गांव के ग्रामीणों ने गांव के बाहरी इलाके में एक साइन बोर्ड लगाया हुआ है जिस पर स्पष्ट शब्दों में लिखा गया है कि बीजेपी-जेजेपी नेताओं को इस गांव में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला करते हैं। उन्हें भी 2020-21 में हुये किसान आंदोलन के दौरान उनके अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति किसानों ने नहीं दी थी। संयुक्त किसान मोर्चा की तरफ से तो भारतीय जनता पार्टी के सभी उम्मीदवारों का विरोध करने का निर्णय लिया जा चुका है। खबरों के अनुसार इसतरह के व्यापक विरोध को देखते हुए पार्टी नेताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों के दौर भी बंद कर दिए हैं। हरियाणा के ही ग्राम पंचायत खिड़वाली में गांव के प्रवेश द्वारा पर लगे एक बोर्ड पर ग्रामवासियों ने लिखा है कि ग्राम पंचायत खिड़वाली बी जे पी व जे जे पी के नेताओं का बहिष्कार करती है।

कमलनाथ को अनाथ करने की मुहिम...

-राकेश अचल



`एक निशान और एक विधान की बात करने वाली भाजपा इस समय मध्यप्रदेश में लोकसभा की छिंदवाड़ा सीट जीतने के लिए न केवल पूरी पार्टी की बल्कि प्रदेश की डबल इंजिन की सरकार की प्रतिष्ठा को दांव पर लगा बैठी है । यहां से कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ कांग्रेस के प्रत्याशी हैं। कमलनाथ कांग्रेस के उन नेताओं में से एक हैं जो राजनीति में अजेय रहकर चुनावी राजनीति से बाहर खड़े भाजपा को खीजते देख रहे हैं।

मध्यप्रदेश में लोकसभा की 29 में से 28 सीटों पर चुनाव हो रहा है। एक सीट का चुनाव बसपा प्रत्याशी के निधन की वजह से स्थगित हो गया है। पिछले लोकसभा चुनाव में [2019] भाजपा ने कांग्रेस के अजेय युवा नेता और केंद्रीय मंत्री रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया को ठीक जिस तरह घेरकर पराजित किया था,उसी तरह से इस बार भाजपा के निशाने पर नाथ परिवार है । सिंधिया अब भाजपा में हैं। कांग्रेस मप्र की प्रतिष्ठापूर्ण लोकसभा सीट को अपने खाते में डालने के लिए पहले कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ को पार्टी में शामिल करने जके लिए उतावली थी ,लेकिन ऐन मौके पर पार्टी में उठे विरोध की वजह से ये काम। हो नहीं पाया। अब भाजपा नकुलनाथ के बहाने कमलनाथ की राजनीतिक विरासत को छीन लेना चाहती है।

मध्यप्रदेश में अकेली छिंदवाड़ा सीट ऐसी है जहां दिलचस्प चुनाव हो रहा है। यहां एक तरफ भाजपा की अक्षोहिणी सेना है और दूसरी तरफ कमलनाथ अकेले हैं। कमलनाथ 1980 से छिंदवाड़ा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ते आ रहे हैं और पिछले 44 साल में एक उप चुनाव को छोड़ कमलनाथ यहां से सदैव विजयी रहे। कमलनाथ ने छिंदवाड़ा को 9 बार जीता और जब खुद चुनाव नहीं लड़े तो एक बार अपनी पत्नी अलकानाथ को और एक बार अपने बेटे नकुलनाथ को चुनाव जितवाया। 2014 और 2019 की मोदी लहर में भी छिंदवाड़ा ने नाथ परिवार को ही चुना। छिंदवाड़ा ने अब तक हुए 17 लोकसभा चुनावों में से केवल एक बार भाजपा को मौका दिया था 1997 में लेकिन बाद में अपनी गलती सुधार ली। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव लड़ रहे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की राजगढ़ सीट भी है लेकिन भाजपा का फोकस केवल और केवल छिंदवाड़ा पर है।भाजपा इस बार राजगढ़ की कीमत पर छिंदवाड़ा सीट जीतना चाहती है ,क्योंकि भाजपा के भाग्यविधाताओं को लगता है की मध्यप्रदेश में अब कमलनाथ ही कांग्रेस के सबसे सम्पन्न और ताकतवर नेता बचे है। उन्हें राजनीति से बेदखल किये बिना मध्यप्रदेश से कांग्रेस को नेस्तनाबूद नहीं किया जा सकता। कमलनाथ के मुकाबले दिग्विजय सिंह भाजपा को कम खतरनाक नेता लगते है। वैसे भी भाजपा में कमलनाथ के चिंतक कम दिग्विजय सिंह के ज्यादा है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की जोड़ी कभी भी दिग्विजय सिंह के खिलाफ नहीं गयी और आज भी परोक्ष रूप से ये जोड़ी दिग्विजय सिंह की मददगार मानी जाती है।

2019 में करीब 38 हजार वोटों से चुनाव जीतने वाले कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ पर एक बार फिर से कांग्रेस ने प्रत्याशी बनाया है. वहीं भाजपा ने विवेक बंटी साहू को टिकट दिया है। ये वही विवेक हैं जिन्होंने साल 2018 और साल 2023 के विधानसभा चुनाव में कमलनाथ को कड़ी टक्कर दी थी. हालांकि दोनों बार कमलनाथ जीत गए थे। लेकिन वोटों का फासला बेहद कम था. 2018 के चुनाव में कमलनाथ ने 25 हजार और 2023 के चुनाव में 34 हजार वोटों से ही सफलता पाई थी। विवेक साहू पार्टी के जिलाअध्यक्ष भी रहे हैं। छिंदवाड़ा में जहाँ भाजपा ने अपनी प्रतिष्ठा को दांव पर लगा दिया है वहीं कांग्रेस ने कमलनाथ को अकेला छोड़ दिया है। कांग्रेस पूरे प्रदेश में चुनाव लड़ रही है । कांग्रेस को उम्मीद है की भाजपा के छिंडवाडा में उलझने का लाभ कांग्रेस को मिलेगा और इस चुनाव में कांग्रेस कम से कम दो अंकों में लोकसभा की सीटें हासिल कर लेगी। मै अपने अनुभव से ये कह सकता हूँ कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा जहाँ केवल और केवल प्रधानमंत्री मोदी जी के चेहरे पर चुनाव लड़ रही है वहीं कांग्रेस में अनेक सीटों पर प्रत्याशियों की अपनी भूमिका है ,हालाँकि एन मौके पर बसपा ने मध्यप्रदेश में अनेक लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े कर कांग्रेस का खेल खराब करते हुए भाजपा की इमदाद की है। खास तौर पर ग्वालियर-चंबल अंचल में। बसपा को मप्र से एक भी सीट नहीं मिल सकती लेकिन वो भाजपा का नुक्सान कम जरूर कर सकती है।

क्या भाजपा इस बार कुछ डरी-सहमी है...?

-ओमप्रकाश मेहता

विश्व के देशों के लिए आदर्श माना गया भारतीय लोकतंत्र आखिर एक दशक के एक पार्टी के शासन के बाद अगले चुनाव में डरा-सहमा सा नजर क्यों आता है? यह सवाल प्रधानमंत्री मोदी के पार्टीजनों के नाम लिखे ताजा पत्र में एक बार फिर उभरकर सामने आया है, मोदी जी ने पार्टी कार्याकताओं के नाम लिखे अपने ताजा पत्र में इस चुनाव को असामान्य बताया है तथा उम्मीदवारों से सचेत रहने की अपील की है। वैसे भारतीय राजनीति के लिए यह घटना कोई अजूबा या असामान्य नही है यहां का इतिहास रहा है कि आजादी के बाद शासन के दस साल पूरे करने वाले हर प्रधानमंत्री के मन में अपने शासन को लेकर इस तरह के सवाल पैदा हुए है और उन्होंने उन्हें हल करने का प्रयास भी किया है, फिर चाहे नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह जैसे प्रधानमंत्री हो या स्वयं भाजपा के मोदी जी। आजादी के बाद से अब तक पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू उनके बाद उनकी बेटी इंदिरा जी और उनके बाद डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने शासन के दस साल पूरे किये, नेहरू और इंदिरा जी तो डेढ़ दशक से भी अधिक समय तक प्रधानमंत्री रहे और वे भी अपने शासन के दौरान उठाये गये कदमों के प्रति आशंकित रहे, नेहरू के सामने जहां अंग्रेजों के शासन के फैसलों को देशहित में संशोधित करने की चुनौती थी वहीं इंदिरा जी के सामने अपनी गिरती साख की चुनौती थी, जिसका उन्होनें देश में आपातकाल लागू कर निपटने का प्रयास किया, जहां तक तीसरे कांग्रेस प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का सवाल है, उनके हाथों से तो एक दशक के बाद सत्ता ही फिसल गई और वे मोदी जी की झोली में आ गिरी, अब मोदी जी का सत्ता का दशक पूरा हो रहा है और अब उनके सामने सत्ता की अहम चुनौती है, इसलिए यह लोकसभा चुनाव उनके लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नही है, यद्दिप इस बार कांग्रेस की चमक कम हो जाने के कारण उनके सामने क्षेत्रिय दलों की विशेष चुनौती नही है, क्योंकि देश में सिर्फ कांग्रेस और भाजपा को ही राष्ट्रजिय दल का दर्जा प्राप्त है, शेष सभी क्षेत्रिय दल है, फिर भी मोदी द्वारा चिंतित होकर पार्टी उम्मीदवारों और सामान्य सदस्यों को इस तरह का पत्र लिखा जाना हर राजनीतिक चिंतक के लिए सोचने-विचारने को मजबूर तो करता ही है और फिर मोदी द्वारा इन चुनावों को असामान्य बताना इस बार की भावी चुनौतियों को स्पष्ट करता है यही आज विशेष चर्चा का विषय है। भाजपा और एनडीए की उम्मीदवारों को चुनावों की अंतिम घड़ी में प्रधानमंत्री द्वारा ऐसा पत्र लिखना उनकी किन आशंकाओं को उजागर करता है? एक तो इस चुनाव को असामान्य बताया और दुसरे सचेत रहने की अपील की, इन दोनों उनकी धारणाओं के पीछे आखिर कारण क्या है? फिर उनका अपनो को कांग्रेस के पांच दशक की राज की याद दिलाना उसकी मुश्किलें गिनवाना, आखिर भारतीय मौजूदा राजनीति में क्या स्पष्ट करता है? फिर स्वयं की तारीफ में यह कहना कि पिछले दश वर्षों के उनके शासन में कई परेशानियां दूर हुई किंतु फिर भी अभी बहुत कुछ काम बाकी है यह कहकर उन्होंने स्वयं अपने लिए एक ओर शासनकाल की अपील की है, साथ ही भाजपा के सभी सदस्यों व उम्मीदवारों को साथी-कार्यकर्ता सम्बोधित कर उन्होंने आत्मीयता का परिचय देने का प्रयास भी किया है।

आज का राशिफल

मेष धन का निवेश करने पर लाभ होगा। पारिवारिक मित्र पड़ोसी आपके घर का रुख कर सकते हैं।

वृषभ लाभ होगा और आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी। आपके लिए आज का दिन भाग्यशाली होगा।

मिथुन आज का दिन काफी व्यस्तता से भरा होगा और आपको परेशानी हो सकती है।

कर्क आज का दिन भाग्य की दृष्टि से उत्तम रहेगा और आपको मनचाहा लाभ मिलने से प्रसन्नता होगी।

सिंह आपको आज मिलेजुले फल की प्राप्ति होगी। आपके जीवन में समस्याएं बढ़ सकती हैं।

कन्या आज भाग्य साथ देगा। आज आप अपने सभी कार्य आज समय से पूरे कर लेंगे।

तुला आज भाग्य साथ देगा और आज का दिन आपके लिए शुभ फलकारक है।

वृश्चिक आज का दिन अनुकूल नहीं है और आज आपका मन अशांत और परेशान रहेगा।

धनु बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होगी। आपके अन्दर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी।

मकर आज अनुकूल नहीं है और आज आपको फालतू खर्च का भी सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ आज आर्थिक लाभ होगा और आज का दिन आपके लिए नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा।

मीन आज आर्थिक लाभ होगा और आज का दिन आपके लिए बड़ी समस्या का अंत हो सकता है।

विशेष

उपराज्यपाल ने केजरीवाल को तिहाड़ जेल में एक खुला पत्र भेजा

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तिहाड़ जेल में एक खुला पत्र भेजा है। जिसमें उन्होंने दिल्ली सरकार के मंत्रियों की शिकायत मुख्यमंत्री से की है। उपराज्यपाल ने अपने पत्र में कहा है मंत्री अपनी गलती को अधिकारियों के सिर पर थोप रहे हैं। हाल ही में मंत्री आतिशी ने दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ को निलंबित करने की मांग की थी। उसके बाद दिल्ली के उपराज्यपाल ने यह पत्र लिखा है। दिल्ली में जो हो रहा है, इसके पहले कभी नहीं हुआ, ना ही भविष्य में होगा। महाभारत के युद्ध में जिस तरह से योद्धा अपने नियम और कानून खुद बना रहे थे।

मीठा मीठा हप्प-कड़वा कड़वा थू

दुनिया में भारत की आबादी लगभग 142 करोड़ पर पहुंच गई है। 98 करोड़ से ज्यादा मतदाता है। भारत सरकार दावा करती है, सारी दुनिया के देशों में सबसे युवा आबादी भारत के पास है। भारत की जीडीपी में इसी आबादी का हाथ है। सारी दुनिया के देश इसी आबादी को देखते हुए व्यापार करने के लिए भारत की ओर रुख कर रहे हैं। हाल ही में वीवीपेट और ईवीएम को लेकर सुप्रीम कोर्ट में बहस के दौरान जर्मनी का जिक्र आया। जहां मत पत्रों से चुनाव होता है। इस पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश दीपांकर दत्ता ने कहा, जर्मनी की आबादी 5 करोड़ है।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1534: इंग्लैंड में राजद्रोह के आरोप में एलिजाबेथ बार्टन और सहयोगियों को मौत के घाट उतार दिया. 1657: यहूदियों को न्यूज एसटर्डम में नागरिकों को सभी अधिकार प्रदान किए गए. 1792 :फ्रांस और आस्ट्रलिया में युद्ध भड़का. 1889: एडोल्फ हिटलर का जन्म हुआ. 1945: द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत फोजों ने बर्लिन की रक्षा पंक्ति को भेद दिया. 1959: उत्तरी रोडेशिया में यूनाइटेड फेडरल पार्टी को चुनावों में भारी सफलता मिली. 1960: एयर इंडिया ने जेट युग में प्रवेश किया. 1971: भारत में टेस्ट क्रिकेट में पहली बार ' रबर जीता. 1972: अमेरिकी अपोलो चांद पर उतरा. 1986: श्रीलंका में एक जलाशय का बांध टूटने से 400 से अधिक लोग मारे गये और 20,000 परिवार बेघर हो गये.

दैनिक पंचांग

20 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.15 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृष	06.59 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	08.57 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.11 बजे से
गुरु	मेष में	सिंह	13.27 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	15.39 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	17.50 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.04 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.20 बजे से
राहुकाल		मकर	00.25 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		कुंभ	02.12 बजे से
		मीन	03.45 बजे से

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10	से	08.42 बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42	से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14	से	11.47 बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक	चर	11.47	से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक	रोग	01.19	से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक	काल	02.51	से	04.23 बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23	से	05.56 बजे तक

शनिवार 2024 वर्ष का 111 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वादशी 22.42 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 14.04 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 02.47 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 09.24 बजे तदनन्तर बालव 22.42 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 11.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 11° 37' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871955 **जूलियन दिन** 2460420.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** सव्वाल **तारीख** 10 **विशेष** वामन द्वादशी।

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

20.04.2004_20.04.2004.qxd 4/19/2024 11:30 PM Page 8

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

चुनावी संग्राम

बक्सर, 20 अप्रैल 2024

website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

वायनाड और अमेठी के चक्रव्यूह में फंस गए राहुल गांधी?



संसद पहुंचने की राह में हैं ढेरों चुनौतियां

राहुल गांधी के लिए क्या वायनाड भी नहीं रही आसान!

वायनाड की सीट सेफ है या नहीं, यह सवाल इसलिए खड़ा हुआ है क्योंकि इंडिया गठबंधन के तहत साथ मंच साझा करने वाली ष्टक्कु ने राहुल गांधी की ही वायनाड सीट पर एक मजबूत उम्मीदवार खड़ा किया है। पार्टी ने सीपीआई महासचिव डी राजा की पत्नी एनी राजा को सियासी मैदान में उतारा है और खास जनाधार न होने के बावजूद बीजेपी ने यहां से केरल प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष के सुरेंद्रन को उतार दिया है। ऐसे में इस सीट पर मामला काफी पेचीदा हो गया है।

31 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई इंडिया गठबंधन की महारैली के ठीक एक दिन बाद केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन) ने कहा था कांग्रेस को बीजेपी से मुकाबला करना चाहिए और वह केरल में लेफ्ट से लड़ रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ हुई रैली में एक मंच पर आने के एक दिन बाद ही लेफ्ट द्वारा कांग्रेस पर हुए इस हमले ने राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। इसकी वजह यह है कि राहुल गांधी केरल की ही वायनाड सीट से फिर चुनावी मैदान में है। साल 2019 में जब कांग्रेस को यह आभास हुआ था कि राहुल गांधी, गांधी परिवार की परंपरागत लोकसभा सीट अमेठी से चुनाव हार सकते हैं, तो पार्टी ने अमेठी के अलावा राहुल को वायनाड से भी चुनाव लड़वाया था। केरल की यह सीट उस समय पार्टी के लिए सेफ मानी जाती थी लेकिन 5 साल बाद क्या वह वायनाड सीट राहुल और कांग्रेस के लिए सेफ रह गई हैं? यह एक बड़ा सवाल है।

वायनाड की सीट सेफ है या नहीं, यह सवाल इसलिए खड़ा हुआ है क्योंकि इंडिया गठबंधन के तहत साथ मंच साझा करने वाली ष्टक्कु ने राहुल गांधी की ही वायनाड सीट पर एक मजबूत उम्मीदवार खड़ा किया है। पार्टी ने सीपीआई महासचिव डी राजा की पत्नी एनी राजा को सियासी मैदान में उतारा है और खास जनाधार न होने के बावजूद बीजेपी ने यहां से केरल प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष के सुरेंद्रन को उतार दिया है। ऐसे में इस सीट पर मामला काफी पेचीदा हो गया है।

अमेठी से लड़ने का चैलेंज दे रही बीजेपी- इन सबसे इतर राहुल को लेकर उनकी पुरानी संसदीय सीट अमेठी में भी सियासी पारा चढ़ा है क्योंकि मौजूदा सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी समेत पूरी बीजेपी राहुल को चैलेंज दे रही है कि इस बार राहुल अमेठी से लड़ेंगे या नहीं? अभी तक अमेठी से





राहुल या किसी अन्य प्रत्याशी के नाम का ऐलान नहीं हुआ है। पिछले चुनाव में स्मृति ने राहुल को 50 हजार से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया था। अमेठी और वायनाड के बीच कांग्रेस फूंक-फूंक कर कदम तो रख रही है लेकिन उसके गठबंधन के ही सहयोगी दल ने उसकी मुश्किलें बढ़ा रखी हैं।

लेफ्ट ही बन रहा राहुल की राह का रोड़ा- लोकसभा चुनाव के लिए वायनाड से खड़े हुए राहुल गांधी ने नामांकन कर दिया है। बीजेपी कैंडिडेट के सुरेंद्रन ने भी स्मृति इरानी की मौजूदगी में अपना नामांकन किया लेकिन मुख्य चुनौती बीजेपी से ज्यादा लेफ्ट है। लेफ्ट ने वायनाड की सीट पर एक खास कैंपेन चलाया है कि राहुल वायनाड के साथ ही अमेठी से भी चुनाव लड़ेंगे और अगर वे अमेठी जीत जाते हैं तो पुश्तैनी सीट होने के चलते वे वायनाड को जीतने के बावजूद वायनाड को छोड़ देंगे।

चुनावी कार्यक्रम सहूलियत और मुसीबत का कॉम्बिनेशन- वोटिंग की बात करें तो वायनाड के लिए वोटिंग दूसरे चरण में 26 अप्रैल को होगी, जबकि अमेठी के लिए वोटिंग छठवें चरण में होगी, जिसके लिए नामांकन 26 अप्रैल के तीन मई के बीच होगी। ऐसे में अमेठी के लिए अभी तक कांग्रेस द्वारा उम्मीदवार यह संकेत भी दे रहा है कि पार्ट वायनाड में 26 अप्रैल को वोटिंग के बाद राहुल के नाम का एलान अमेठी से भी कर सकती है। इसी तर्क से राहुल के खिलाफ वायनाड में चल रहा एजेंडा मजबूत होता दिख रहा है।

वायनाड और अमेठी दोनों ही बढ़ा रहे टेंशन

वायनाड का रण राहुल के लिए देखने में फिलहाल तो काफी कांटे की टक्कर वाला हो ही गया है। वायनाड वैसे तो राहुल और कांग्रेस का गढ़ है ही लेकिन अगर राहुल को लेफ्ट द्वारा कड़ी चुनौती मिलती है तो फिर उनके लिए संसद पहुंचना भी मुश्किल हो सकता है। इसकी वजह यह है कि राहुल वायनाड के रण में घिरन के दौरान अमेठी का रुख करते भी है, तो वहां उनका मुकाबला स्मृति इरानी से होगा, जो कि राहुल के राजनीतिक करियर में पिछली बार ऐतिहासिक हार का धब्बा लगा चुकी हैं। राहुल के लिए पिछली बार चुनाव के दौरान अमेठी के अलावा वायनाड से लड़ना आसान था, लेकिन इस बार उनके लिए यह ज्यादा मुश्किल है, क्योंकि फिर अगर वे कोई और सीट चुनते हैं तो यह उनकी राजनीतिक विश्वसनीयता पर ही सवाल उठा सकता है। वहीं दोनों ही संसदीय क्षेत्रों में उन्हें कड़ी टक्कर मिल रही है। ऐसे में इस बार उनका संसद जाने का सफर काफी चुनौतीपूर्ण साबित होता दिख रहा है।

कभी माफिया मुख्तार की पार्टी के सपा में विलय के खिलाफ पिता मुलायम से भिड़ गए थे अखिलेश

आज हो गया हृदय परिवर्तन?

गाजीपुरः नेता-चुनाव, डाकू-माफिया और गैंगस्टर का गठजोड़ हमेशा से रहा है। इन्हीं सब के दम पर सरकारें बनती रही हैं। एक बार फिर से माफिया की मौत पर सहानुभूति के जरिए मुस्लिम वोटों पर पार्टियों की नजरें टिक गई हैं। मुख्तार अंसारी की बांदा मेडिकल कॉलेज में मौत के बाद उनके घर असदुद्दीन ओवैसी के पहुंचने के बाद अब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को पहुंचे हैं। उन्होंने बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला और सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज से जांच कराने की मांग की। सपा ऑफिस के बाहर अखिलेश यादव की फोटो लगे पोस्टर में मुस्लिमों से ईद नहीं मनाने तक की अपील कर डाली गई, लेकिन एक समय ऐसा था कि यही अखिलेश यादव मुख्तार अंसारी की पार्टी का सपा में विलय के खिलाफ थे। यहां तक की अपने पिता मुलायम सिंह यादव से भिड़ गए थे। पर, आज वही मुख्तार अंसारी अखिलेश यादव को अच्छे-भले और मुस्लिमों के मसीहा तक लगने लगे हैं।



2016 में मुख्तार अंसारी की पार्टी के विलय का किया था विरोध- जून 2016 में मुख्तार अंसारी अपनी पार्टी कौमी एकता दल का सपा में विलय करना चाहते थे। मुख्तार, शिवपाल यादव के साथ प्रेस कांफ्रेंस करके कौमी एकता दल के सपा में विलय की घोषणा की थी। तब अखिलेश यादव, चाचा शिवपाल और माफिया मुख्तार अंसारी के फैसले के खिलाफ खड़े हो गए थे। उस समय यही अखिलेश यादव सपा में आपराधिक छवि वाले मुख्तार अंसारी और डीपी यादव जैसे अपराधियों को पार्टी में नहीं रखना चाहते थे। यही नहीं गाजीपुर में कौमी एकता दल की रैली में अखिलेश यादव ने जाने से इनकार कर दिया था। अखिलेश यादव और उनके सर्मथकों के भारी विरोध के कारण इस विलय को खारिज करना पड़ा था।

राम गोपाल यादव ने किया था ऐलान- राम गोपाल यादव ने खुल ऐलान किया था कि मुलायम सिंह यादव ने मुख्तार अंसारी की पार्टी कौमी एकता दल का विलय खत्म कर दिया है। मुख्तार अंसारी को लखनऊ से वापस आगरा जेल भेजने का फैसला भी लिया है। इसके साथ ही फैसला लिया गया था कि 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव पूरे राज्य में प्रचार रथ से दौरा करेंगे।

गाजीपुर सीट से मुख्तार के भाई अफजाल अंसारी को अखिलेश ने दिया है टिकट- यूपी की लगभग सभी सीटों पर सपा ने प्रत्याशी उतार दिए हैं। गाजीपुर लोकसभा सीट से अखिलेश यादव ने मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी को टिकट दिया है। रविवार को अखिलेश यादव गाजीपुर पहुंचे और मुख्तार अंसारी के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान बीजेपी पर कई गंभीर आरोप लगाए। इस दौरान उन्होंने कहा कि जो छवि पेश की गई है, वो असली नहीं है। उनकी मौत पर भारी संख्या में लोग एकत्र हुए। क्या हम यह नहीं देख सकते कि उनके साथ भेदभाव हुआ? इससे पहले धर्मेंद्र यादव मुख्तार अंसारी के परिजनों से मुलाकात कर चुके हैं।

प्रथम चरण के लिए नामांकन पूरे हो चुके हैं। नाम वापसी की तारीख भी खत्म हो चुकी है। इस बीच नामांकन करने वालों का एक-एक कर चुनावी हलफनामा सामने आ रहा है। जिसमें उनकी संपत्ति के बारे में पता चल रहा है। गया में जीतन राम मांझी से फाइट करने वाले कुमार सर्वजीत की संपत्ति के बारे में जानिए। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता और बिहार की गया लोकसभा सीट से विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के उम्मीदवार कुमार सर्वजीत के पास 8.70 करोड़ रुपये मूल्य की चल-अचल संपत्ति तथा 30 हजार रुपये की नकदी है। प्रदेश के पूर्व कृषि मंत्री द्वारा दाखिल हलफनामे में यह जानकारी दी गई है। सर्वजीत ने हाल ही में गया निर्वाचन क्षेत्र के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। गया, नवादा, जमुई और औरंगाबाद में पहले चरण के चुनाव के लिए 19 अप्रैल को मतदान होना है।

गया लोकसभा चुनाव



राइफल के साथ पिस्टल और गोल्ड के शौकीन कुमार सर्वजीत

बिहार में लोकसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। प्रथम चरण के लिए नामांकन पूरे हो चुके हैं। नाम वापसी की तारीख भी खत्म हो चुकी है। इस बीच नामांकन करने वालों का एक-एक कर चुनावी हलफनामा सामने आ रहा है। जिसमें उनकी संपत्ति के बारे में पता चल रहा है। गया में जीतन राम मांझी से फाइट करने वाले कुमार सर्वजीत की संपत्ति के बारे में जानिए। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता और बिहार की गया लोकसभा सीट से विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के उम्मीदवार कुमार सर्वजीत के पास 8.70 करोड़ रुपये मूल्य की चल-अचल संपत्ति तथा 30 हजार रुपये की नकदी है। प्रदेश के पूर्व कृषि मंत्री द्वारा दाखिल हलफनामे में यह जानकारी दी गई है। सर्वजीत ने हाल ही में गया निर्वाचन क्षेत्र के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। गया, नवादा, जमुई और औरंगाबाद में पहले चरण के चुनाव के लिए 19 अप्रैल को मतदान होना है।

राजद नेता कुमार सर्वजीत

राजद नेता के हलफनामे के मुताबिक, उनके पास 90.31 लाख रुपये की चल संपत्ति है जबकि उनकी पत्नी सीमा के पास 1.95 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति है। सर्वजीत 7.80 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति (सिर्फ पैतृक) के मालिक है। राजद नेता के पास खुद अर्जित की गई कोई अचल संपत्ति नहीं है। उनकी पत्नी के पास 1.13 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति (स्व-अर्जित) है। सर्वजीत की चल संपत्तियों में दो बैंक खाते, तीन चौपहिया वाहन, एक पिस्टल, एक राइफल और 108 ग्राम सोना (5.94 लाख रुपये कीमत का) है। उनकी पत्नी के पास तीन बैंक खाते, एक राइफल, 27.22 लाख रुपये मूल्य के स्वर्ण आभूषण और 60,800 रुपये कीमत के चांदी के गहने हैं। उनकी पत्नी ने 1.31 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश भी किया है।



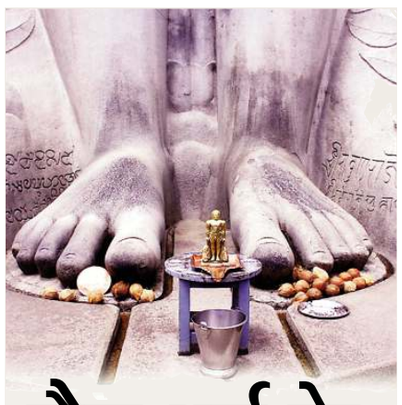
सर्वजीत की संपत्ति

नामांकन दाखिल करने की तारीख तक राजद नेता की वर्ष 2023-2024 के लिए आय 6,20,452 रुपये थी। वह बोधगया सुरक्षित विधानसभा सीट से मौजूदा विधायक हैं। अपने पिता की हत्या के बाद वह राजनीति में आए थे। उनके पिता राजेश कुमार गया से पूर्व लोकसभा सदस्य थे। गया सीट पर सर्वजीत का मुकाबला राजग उम्मीदवार व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी से है। मांझी 'हिंदुस्तान आवाम मोर्चा-सेक्यूलर' के संस्थापक हैं। वहीं ध्यान रहे कि कुमार सर्वजीत के मुकाबले जीतन राम मांझी की संपत्ति काफी कम है। जीतन राम मांझी कुमार सर्वजीत जैसी संपत्ति के मालिक नहीं है। कुमार सर्वजीत गोल्ड के अलावा चांदी और चार पहिया वाहन के शौकीन हैं। कुमार सर्वजीत पहले बिहार सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं।

वोटर नाराज

गया को लेकर चर्चा है कि यहां के वोटरों में काफी नाराजगी है। ये नाराजगी जीतन राम मांझी सहित कुमार सर्वजीत पर भी भारी पड़ सकती है। वहीं दूसरी ओर ये भी कहा जा रहा है कि जीतन राम मांझी ने कुछ ही दिन पहले भगवान राम को काल्पनिक बताकर बीजेपी कार्यकर्ताओं को दुखी कर दिया था। इसलिए बीजेपी के कार्यकर्ता नाराज हैं। हालांकि मांझी लगातार बीजेपी नेताओं के बुलावे पर कार्यक्रम में जा रहे हैं। उसके अलावा वे भगवान राम का दर्शन भी कर चुके हैं। बीजेपी के कार्यकर्ता मांझी को चुनाव तक माफ कर पाते हैं कि नहीं ये देखने वाली बात होगी। कहा ये भी जा रहा है कि आरएसएस के कार्यकर्ता मांझी के सपोर्ट में हैं। मांझी ने हाल में खुद को सुधारा है और भगवान राम की तारीफ भी की है। उधर, कुमार सर्वजीत के जनता के बीच नहीं रहने को लेकर वोटर नाराज बताए जा रहे हैं। वो भी वोटरों को समझाने में जुटे हैं।

20.04.2004_20.04.2004.qxd 4/19/2024 11:30 PM Page 9



जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जीवन ही उनका संदेश है। उनके सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और अस्तेय आदि उपदेश एक खुली किताब की तरह हैं। जो सत्य परंतु आम आदमी को कठिन प्रतीत होते हैं। कहने को तो वे एक राजा के परिवार में पैदा हुए थे। उनके घर-परिवार में ऐश्वर्य, धन-संपदा की कोई कमी नहीं थी, जिसका कि वे मनचाहा उपभोग भी कर सकते थे, परंतु युवावस्था में कदम रखते ही उन्होंने संसार की माया-मोह, सुख-ऐश्वर्य और राज्य को छोड़कर दिल दहला देने वाली यातनाओं को सहन किया और सारी सुविधाओं को त्यागकर वे नंगे पैर पैदल यात्रा करते रहे।

पिता ने दिया वर्द्धमान का नाम

जन्मोत्सव के बाद ज्योतिषों द्वारा चक्रवर्ती राजा बनने की घोषणा करने के बाद उनके कई किस्से इस बात को सच साबित करते पाए गए। उनके जन्म से पूर्व ही कुंडलपुर के वैभव और संपन्नता की ख्याति दिन दूनी और रात चौगुनी बढ़ती गई। अतः महाराजा सिद्धार्थ ने उनका जन्म नाम 'वर्द्धमान' रख दिया। चौबीसों घंटे लगने वाली दर्शनार्थियों की भीड़ ने राजपाट की सारी मयार्दाएं ढहा दीं। इस प्रकार वर्द्धमान ने लोगों में यह संदेश प्रेरित किया कि उनके घर के द्वार सभी के लिए हमेशा खुले रहेंगे। वर्द्धमान ने यह सिद्ध कर दिखाया।

वीर नाम की प्राप्ति

जैसे-जैसे महावीर बड़े होते जा रहे थे, वैसे-वैसे उनके गुणों में बढ़ोतरी हो रही थी। एक बार जब सुमेरू पर्वत पर देवराज इन्द्र उनका जलाभिषेक कर रहे थे। तब कहीं बालक बह न जाए इस बात से भयभीत होकर इन्द्रदेव ने उनका अभिषेक रुकवा दिया। इन्द्र के मन की बात भांपकर उन्होंने अपने अंगूठे के द्वारा सुमेरू पर्वत को दबाकर कंपायमान कर दिया। यह देखकर देवराज इन्द्र ने उनकी शक्ति का अनुमान लगाकर उन्हें 'वीर' के नाम से संबोधित करना शुरू कर दिया।

दो मुनियों ने दिया भेंट सन्मति का नाम

बाल्यकाल में महावीर महल के आंगन में खेल रहे थे तभी आकाश मार्ग से संजय मुनि और विजय मुनि का निकलना हुआ। दोनों इस बात की तोड़ निकालने में लगे थे कि सत्य और असत्य क्या है? उन्होंने जमीन की ओर देखा तो नीचे महल के प्रांगण में खेल रहे दिव्य शक्तियुक्त अद्भुत बालक को देखकर वे नीचे आए और सत्य के साक्षात दर्शन करके उनके मन की शंकाओं का समाधान हो गया है। इन दो मुनियों ने उन्हें 'सन्मति' का नाम दिया और खुद भी उन्हें उसी नाम से पुकारने लगे।

पराक्रम की चर्चा ने बनाया अतिवीर

युवावस्था में लुका-छिपी के खेल के दौरान कुछ साथियों को एक बड़ा फनधारी सांप दिखाई दिया जिसे देखकर सभी साथी डर से कांपने लगे, कुछ वहां से भाग गए लेकिन वर्द्धमान महावीर वहां से हिले तक नहीं। उनकी शूरवीरता देखकर सांप उनके पास आया तो महावीर तुरंत सांप के फन पर जा बैठे। उनके वजन से घबराकर सांप बने संगमदेव ने तत्काल एक सुंदर देव का रूप धारण किया और उनके सामने उपस्थित हो गए। उन्होंने वर्द्धमान से कहा- स्वर्गलोक में आपके पराक्रम की चर्चा सुनकर ही मैं आपकी परीक्षा लेने आया था। आप मुझे क्षमा करें। आप तो वीरों के भी वीर 'अतिवीर' है। इन चारों नामों को सुशोभित करने वाले महावीर स्वामी ने संसार में बढ़ती हिंसक सोच, अमानवीयता को शांत करने के लिए अहिंसा के उपदेश प्रसारित किए। उनके उपदेशों को जानने-समझने के लिए कोई विशेष प्रयास की जरूरत नहीं। उन्होंने लोक कल्याण का मार्ग अपने आचार-विचार में लाकर धर्म प्रचारक का कार्य किया।

ऐसे महान चौबीस तीर्थंकरों के अंतिम तीर्थंकर महावीर के जन्मदिवस प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को मनाया जाता है। महावीर जयंती के अवसर पर जैन धर्मावलंबी प्रातःकाल प्रभातफेरी निकालते हैं। उसके बाद भव्य जुलूस के साथ पालकी यात्रा निकालने के तत्पश्चात स्वर्ण एवं रजत कलशों से महावीर स्वामी का अभिषेक किया जाता है तथा शिखरों पर ध्वजा चढ़ाई जाती है। जैन समाज द्वारा दिनभर अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करके महावीर का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। संपूर्ण विश्व में 'जियो और जीने दो' का महान संदेश फैलाने वाले ऐसे भगवान महावीर स्वामी को शत-शत नमन, महावीर स्वामी की जय हो!



जैन समुदाय का प्रमुख पर्व महावीर जयंती

महावीर जयंती जैन समुदाय के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है और इसे भारत और दुनिया भर में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्यौहार भगवान महावीर के जन्म का जश्न मनाता है । जैन पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर हैं। 2024 में महावीर जयंती 21 अप्रैल, रविवार को मनाई जाएगी ।

महावीर जयंती का संक्षिप्त इतिहास

जैन ग्रंथों और धार्मिक लिपियों के अनुसार, भगवान महावीर का जन्म चैत्र माह (हिंदू कैलेंडर) के शुक्ल पक्ष के 13वें दिन पटना से कुछ किलोमीटर दूर बिहार के कुंडलग्राम (अब कुंडलपुर) में हुआ था। उस समय वैशाली राज्य की राजधानी मानी जाती थी। हालाँकि, महावीर के जन्म का वर्ष विवादित है। श्वेतांबर जैनियों के अनुसार, महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व में हुआ था जबकि दिगंबर जैन 615 ईसा पूर्व को उनका जन्म वर्ष मानते हैं। उनके माता-पिता - राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला ने उनका नाम वर्धमान रखा था। श्वेतांबर समुदाय की मान्यताओं के अनुसार, महावीर की मां ने 14 सपने देखे थे, जिनकी बाद में ज्योतिषियों ने व्याख्या की, जिनमें से सभी ने कहा कि महावीर या तो सम्राट बनेंगे या ऋषि (तीर्थंकर)। जब महावीर 30 वर्ष के हुए, तो उन्होंने सत्य की खोज में अपना सिंहासन और परिवार छोड़ दिया। वह एक तपस्वी के रूप में 12 वर्षों तक निर्वासन में रहे। इस दौरान उन्होंने अहिंसा का प्रचार करते हुए सभी के प्रति श्रद्धा का व्यवहार किया। इंद्रियों को नियंत्रित करने में असाधारण कौशल दिखाने के बाद उन्हें महावीर नाम मिला। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि जब महावीर 72 वर्ष के थे, तब उन्हें ज्ञान (निर्वाण) प्राप्त हुआ।

महावीर जयंती का उत्सव

जैन समुदाय कई उत्सवों में भाग लेता है, जो उन्हें परिवारों और दोस्तों के साथ प्रतिज्ञा करने की अनुमति देता है। इस समुदाय द्वारा भगवान महावीर का सम्मान और पूजा की जाती है। भगवान महावीर की मूर्ति का प्रदर्शन इस त्योहार का सबसे महत्वपूर्ण उत्सव है। महावीर के पुतले को लोगों द्वारा सुगंधित तेल से धोया जाता है और यह भगवान की पवित्रता को दर्शाता है। भारत और दुनिया भर से श्रद्धालु देश में जैन मंदिरों के दर्शन करेंगे। प्राचीन प्राचीन स्थान, जो जैन धर्म के समुदाय से जुड़े हुए हैं, लोगों द्वारा देखे जाते हैं। त्योहार के दौरान घूमने के लिए प्रसिद्ध स्थलों में से एक गोमतेश्वर है। यह देखना काफी दिलचस्प है कि कई जैन मंदिरों को धन या भोजन दान करते हैं। उत्सव तो वैसे ही रहेंगे.

महावीर जयंती के दौरान सार्वजनिक जीवन

भारत में, महावीर जयंती एक राजपत्रित अवकाश है । राज्य, स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के सरकारी कार्यस्थल बंद रहेंगे। जैन समुदाय के स्वामित्व वाली दुकानें और वाणिज्यिक आउटलेट भी बंद रहेंगे। यदि नहीं, तो हो सकता है कि उन्होंने कामकाज के घंटे कम कर दिये हों।

महावीर जयंती कैसे मनाई जाती है?

यह त्यौहार शांति और सद्भाव के लिए मनाया जाता है, और भगवान महावीर की शिक्षाओं का प्रसार भी करता है। एक जुलूस रथयात्रा के रूप में निकाला जाता है, जिसके शीर्ष पर भगवान महावीर की मूर्ति को बड़े करीने से रखा जाता है। जैन मंदिरों को झंडों से सजाया जाता है जबकि जैन जरूरतमंदों को भोजन और कपड़े देते हैं। जैन धर्म पशुवध का कड़ा विरोध करता है और इसलिए पशुहत्या रोकने के लिए दान दिया जाता है। धर्मार्थ कार्यों के अलावा, भगवान महावीर को समर्पित मंदिरों में प्रार्थनाएँ की जाती हैं। कुछ अन्य भक्त अक्सर ध्यान में संलग्न रहते हैं - यह अभ्यास महावीर द्वारा समर्थित है। पुराने और प्रसिद्ध जैन मंदिरों में इस दिन भक्तों की भारी भीड़ देखी जाती है। महावीर और जैन धर्म की शिक्षाओं का पाठ भिक्षुओं और भिक्षुणियों द्वारा किया जाता है। महावीर जयंती मुख्य रूप से एक जैन त्योहार है और इसका वास्तविक सार जानने के लिए, आप किसी भी जैन मंदिर में जा सकते हैं।

महावीर जयंती के दौरान यात्रा करने के लिए 5 आध्यात्मिक स्थल

- **मधुबन** - झारखंड में स्थित मधुबन जैनियों के लिए सबसे दिव्य स्थल है।
- **गिरनारजी** - गिरनारजी भारत के गुजरात राज्य में स्थित एक स्थान है।
- **गोमतेश्वर** - हर साल इस त्योहार के दौरान घूमने के लिए गोमतेश्वर कर्नाटक का सबसे आकर्षक स्थान है।
- **मंगी तुंगी** - मुंगी तुंगी महाराष्ट्र में जैनियों के लिए एक और प्रसिद्ध भारतीय स्थान है।
- **गजपंथा** - यह भी महाराष्ट्र की सबसे अच्छी जगह है। इसमें एक सुंदर मंदिर है. भक्तों को पहुंचने के लिए कम से कम 460 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं।



सिद्धार्थ कैसे बने महावीर

भगवान राम से कैसा है नाता

महावीर जयंती पर 24वें जैन तीर्थंकर वर्धमान महावीर का जन्म जन्मोत्सव मनाया जाता है। दरअसल चैत्र शुक्ल त्रयोदशी तिथि के दिन 599 ई.पू. महावीर स्वामी का जन्म बिहार के वैशाली जिले में कुंडग्राम में हुआ था। इनके जन्मोत्सव को ही महावीर जयंती के नाम से जाना जाता है।

ऐसे बने वर्धमान से महावीर

भगवान महावीर के बचपन का नाम वर्धमान था। इन्होंने ज्ञान की प्राप्ति के लिए कठोर तप किया। 30 वर्ष की आयु में राजसी सुखों का त्याग करके तप का आचरण किया। 12 साल 6 महीने और 5 दिनों के कठोर तप से इन्होंने अपनी इच्छाओं और विकारों पर नियंत्रण पा लिया और कैवल्य की प्राप्ति। इस कठोर तप को करने के कारण वर्धमान महावीर कहलाए।

इसलिए महावीर कहलाते हैं तीर्थंकर

महावीर स्वामी ने कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति के बाद चार तीर्थों की स्थापना की साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका। यह सभी तीर्थ लौकिक तीर्थ न होकर एक सिद्धांत हैं। इसमें जैन धर्म के सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपिग्रह, अस्तेय ब्रह्मचर्य का पालन करते हए अपनी आत्मा को ही तीर्थ बानने की बात महावीर स्वामी ने बतायी है। महावीर जयंती पर जैन धर्म के अनुयायी महावीर जैन की श्रद्धा भाव से पूजा और अभिषेक करते हैं। और महावीर के सिद्धांतों को याद करते हुए उन सिद्धांतों पर चलने का प्रण करते हैं।



जानें भगवान महावीर के ये पांच सिद्धांत



जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी भगवान का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी के दिन हुआ था. इस साल 21 अप्रैल के दिन देशभर में महावीर जंयती का पर्व मनाया जाएगा. आज महावीर भगवान की जन्म दिवस के अवसर पर हम जानेंगे कैसे मनाई जाती है महावीर जयंती और भगवान के पांत सिद्धांतों के बारे में.

देशभर में जैन समुदाय के लोग बड़े धूम-धाम के साथ महावीर जयंती का पर्व मनाते हैं. इस दिन भगवान की मूर्ति को रथ में रखकर जूलुस निकाले जाते हैं और जगह- जगह भंडारे किए जाते हैं.

अंहिसा का भाव

महावीर भगवान अहिंसा के पुजारी थे. उनका मानना था कि धरती पर सभी को समान जीने का अधिकार है. एक, दो, तीन, चार और पांच इंद्रिय वाले जीवों की हिंसा नहीं करनी चाहिए. उन् कहीं जाने से नहीं रोकना चाहिए.

सत्य

भगवान महावीर का दूसरा सिद्धांत सत्य का पालन करना है. व्यक्ति को सत्य का मार्ग जरूर अपनाना चाहिए. झूठ का सहारा नहीं लेना चाहिए.

अपरिग्रह

तीसरा सिद्धांत है अपरिग्रह. इस सिद्धांत को लेकर भगवान महावीर का कहना है कि जो व्यक्ति निर्जीव चीजों या फिर जरूरत से ज्यादा संग्रह करता है, ऐसे व्यक्ति को दुखों से छुटकारा कभी हीं मिल सकता. सुख और शांति भरा जीवन जीने के लिए व्यक्ति को जितनी जरूरत है उतना ही संग्रह करना चाहिए.

अस्तेय

अस्तेय का पालन करने वाले लोग हमेशा जीवन में संयम रखते हैं. और सिर्फ वही वस्तु लेते हैं, जो उन्हें दी जाती है. अस्तेय का मतलब है चोरी न करना. चोरी का अर्थ सिर्फ भौतिक चीजों की चोरी ही हीं है, बल्कि नियत खराब भी न करें. अगर आप दूसरी की सफलताओं से विचलित होकर गलत रास्ता अपनाने लगें, तो इसे भी एक प्रकार की चोरी कहा जाता है.

ब्रह्मचर्य

ब्रह्मचर्य संदेश को लेकर भगवान महावीर ने बहुत ही अमूल्य संदेश दिए हैं. ब्रह्मचर्य का अर्थ है अपनी आत्मा में लीन हो जाना या अपने अंदर छिपे ब्रह्म को पहचानना. बाहर के लोग आपको परेशान करते हैं. लेकिन इन सब को छोड़कर अगर आप अपने मन की सुनेंगे और शांति की दिशा में काम करेंगे,तो ये भी एक ब्रह्मचर्य है.

दया, प्रेम, करुणा व अहिंसा की राह दिखाने वाले भगवान महावीर

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्मदिवस को महावीर जयंती के नाम से जाना जाता है। जैन समाज द्वारा पूरे भारत में भगवान महावीर के जन्म उत्सव के रूप मे 'महावीर जयंती' मनाई जाती है। महावीर जयंती के साथ-साथ इस दिन को महावीर जन्मकल्याणक नाम से के भी जाना जाता है। चैत्र माह के 13वें दिन यानी चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को जैन दिगंबर और श्वेतांबर एकसाथ मिलकर इस उत्सव को मनाते हैं।

आज करीब ढाई हजार साल पुरानी पहले वैशाली गणतंत्र के क्षत्रिय कुंडलपुर में पिता सिद्धार्थ और माता त्रिशला के यहां तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल तेरस (त्रयोदशी) को वर्धमान का जन्म हुआ। यही वर्धमान बाद में महावीर स्वामी बना। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले का आज का जो बसाढ़गांव है, वही उस समय वैशाली के नाम से जाना जाता था।

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओत-प्रोत था। उन्होंने एक लंगोटी तक का परिग्रह नहीं रखा। हिंसा, पशुबलि, जाति-पाति के भेदभाव जिस युग में बढ़ गए, उसी युग में ही भगवान महावीर ने जन्म लिया। उन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया। पूरी दुनिया को उपदेश दिए। उनके माता-पिता जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ (पार्श्वनाथ महावीर से 250 वर्ष पूर्व हुए थे) के अनुयायी थे। महावीर जब शिशु अवस्था में थे, तब इन्द्रों और देवों ने उन्हें सुमेरू पर्वत पर ले जाकर प्रभु का जन्मकल्याणक मनाया। महावीर स्वामी का बचपन राजमहल में बीता

युवावस्था में यशोदा नामक राजकन्या से महावीर का विवाह हुआ तथा प्रियदर्शना नामक उन्हें एक पुत्री भी हुई। जब वे 28 वर्ष के थे, तभी उनके माता-पिता का देहांत हो गया था। बड़े भाई नंदीवर्द्धन के आग्रह पर महावीर 2 वर्षों तक घर में रहे। आखिर 30 वर्ष की उम्र में उन्होंने मार्गशीर्ष कृष्ण दशमी के दिन दीक्षा ग्रहण की। महावीर ने इस अवधि में तप, संयम और साम्य भाव की साधना की और पंच महाव्रतरूपी धर्म चलाया। उन्हें इस बात का अनुभव हो गया था कि इन्द्रियों, विषय-वासनाओं के सुख दूसरों को दुख पहुंचा करके ही पाए जा सकते हैं। अतः उन्होंने सबसे प्रेम का व्यवहार करते हुए दुनियाभर को अहिंसा का पाठ पढ़ाया। महावीर कहते हैं कि धर्म सबसे उत्तम मंगल है। अहिंसा, संयम और तप ही धर्म है। महावीरजी कहते हैं- 'जो धर्मात्मा है, जिसके मन में सदा धर्म रहता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं।' भगवान महावीर ने अपने प्रवचनों में धर्म, सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह, क्षमा पर सबसे अधिक जोर दिया। त्याग और संयम, प्रेम और करुणा, शील और सदाचार ही उनके प्रवचनों का सार था। भगवान महावीर ने चतुर्विध संघ की स्थापना की। देश के भिन्न-भिन्न भागों में घूमकर भगवान महावीर ने अपना पवित्र संदेश फैलाया। उन्होंने दुनिया को पंचशील के सिद्धांत बताए। इसके अनुसार ये सिद्धांत सत्य, अपरिग्रह, अस्तेय, अहिंसा और क्षमा हैं। उन्होंने अपने कुछ खास उपदेशों के माध्यम से दुनिया को सही राह दिखाने की कोशिश की। अपने अनेक प्रवचनों से दुनिया का सही मार्गदर्शन किया।



20.04.2004_20.04.2004.qxd 4/19/2024 11:30 PM Page 10

देश के सबसे पुराने कॉरपोरेट घराने में शुरू हुआ बंटवारा! परिवार के सदस्यों ने उठाया यह कदम

▶▶ देश का सबसे पुराना औद्योगिक घराना है गोदरेज ग्रुप ▶▶ ग्रुप में बंटवारे की खबरें काफी समय पहले से आ रही थीं

नईदिल्ली, एजेंसी। गोदरेज परिवार ने एक सदी से भी पहले से स्थापित अपने विशाल ग्रुप को औपचारिक रूप से विभाजित करने की शुरुआत कर दी है। इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि परिवार के दो गुटों ने अब एक-दूसरे की कंपनियों के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। अब वह जल्द ही एक-दूसरे की कंपनियों में हिस्से बेच देंगे। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए इस साल की शुरुआत में आदि और नादिर गोदरेज ने गोदरेज एंड बॉयस के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था, जबकि जमशेद गोदरेज ने जीसीपीएल और गोदरेज प्रॉपर्टीज के बोर्ड से अपनी सीट छोड़ दी। यह विभाजन परिवार की दो शाखाओं के बीच हो रहा है। इसमें एक तरफ आदि गोदरेज और भाई नादिर गोदरेज हैं। वहीं दूसरी तरफ उनके चचेरे भाई जमशेद गोदरेज और उनकी बहन स्मिता गोदरेज कृष्णा हैं। गोदरेज इंडस्ट्रीज एंड एसोसिएट्स का नेतृत्व आदि गोदरेज



और उनके भाई करते हैं। वहीं गोदरेज एंड बॉयस (जी एंड बी) का नेतृत्व जमशेद गोदरेज और उनकी बहन करती हैं। आदि ओर नादिर गोदरेज एंड बॉयस में अपने हिस्से को दूसरी शाखा को बेच देंगे। जमशेद गोदरेज और उनके परिवार के लोग गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (जीसीपीएल) और गोदरेज प्रॉपर्टीज में अपने चचेरे भाइयों को पारिवारिक व्यवस्था के तहत हिस्सेदारी हस्तांतरित करेंगे।

ऐसे हो रहा बंटवारा

मामले से जुड़े लोगों के मुताबिक, करीब 3400 करोड़ रुपये की अनुमानित अचल संपत्तियां जिनमें से ज्यादातर मुंबई के उपनगरीय इलाकों में है वह गोदरेज एंड बॉयस (जीएंडबी) के अधीन रहेंगी। वहीं स्वामित्व अधिकारों को नियंत्रित करने के लिए एक अलग समझौते पर काम किया जाएगा। गोदरेज ग्रुप में पांच लिस्टेड कंपनियां जीसीपीएल, गोदरेज प्रॉपर्टीज, गोदरेज इंडस्ट्रीज, गोदरेज एग्रोवेट और एस्टेक लाइफसाइंसेज शामिल हैं। इनका मार्केट कैप बीते सप्ताह गुरुवार को बाजार बंद होने पर 2.34 लाख करोड़ रुपये था। पांच लिस्टेड फर्मों ने वित्त वर्ष 23 में लगभग 42,172 करोड़ रुपये का राजस्व और 4,065 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया है। जीएंडबी एक निजी स्वामित्व वाली कंपनी है। ग्रुप इंजीनियरिंग, उपकरण, सुरक्षा समाधान, कृषि उत्पाद, रियल एस्टेट और उपभोक्ता उत्पादों सहित विविध व्यवसायों का संचालन करता है।

तीन साल से चल रहा काम

जानकारों के मुताबिक, गोदरेज फैमिली काउंसिल दो महत्वपूर्ण बिंदुओं से जुड़ी मुख्य बारीकियों को सुलझा रही है। इनमें विभाजन के बाद गोदरेज ब्रांड नाम का उपयोग, संभावित रॉयल्टी भुगतान और जीएंडबी के पास मौजूद भूमि का मूल्यांकन शामिल है। ऊपर बताए गए लोगों ने बताया कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वामित्व का स्पष्ट चित्रण स्थापित करने के उद्देश्य से विभाजन पर करीब तीन साल से काम चल रहा है। बता दें कि परिवार के मुखिया आदि और जमशेद गोदरेज क्रमशः 82 और 75 वर्ष के हैं।

संक्षिप्त समाचार

होंडा मोटरसाइकिल ने मानेसर संयंत्र में नई असेम्बली लाइन शुरू की



नईदिल्ली, एजेंसी। दोपहिया वाहन विनिर्माता होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने गुरुग्राम के मानेसर स्थित अपने विनिर्माण संयंत्र में नई इंजन असेम्बली लाइन शुरू की है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि मानेसर में स्थित उसके वैश्विक संसाधन संयंत्र में लगी नई असेंबली लाइन की क्षमता प्रतिदिन 600 इंजन के विनिर्माण की है। इस असेंबली लाइन के जरिए कंपनी कम्प्लीटली नॉक्ड डाउन (सीकेडी) निर्यात पर नजरें टिकाए हुए है। सीकेडी निर्यात के तहत उत्पाद की आपूर्ति अलग-अलग कलपुर्जों के रूप में की जाती है और उन्हें गंतव्य स्थल पर असेम्बल किया जाता है। यह असेंबली लाइन दुनिया भर में ग्राहकों की विविध जरूरतों और प्राथमिकताओं को पूरा करते हुए 110 सीसी से 300 सीसी तक के इंजन मॉडलों का उत्पादन करने के लिए सुसज्जित है। वर्तमान में एचएमएसआई यूरोप, मध्य और लातिन अमेरिका, पश्चिम एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षेस देशों में फैले 58 बाजारों को निर्यात करती है। कंपनी के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुत्सुमू ओटानी ने कहा कि इस असेंबली लाइन के शुरू होने से कंपनी को अपनी निर्यात क्षमता बढ़ाने और बाजार प्रसार में मदद मिलेगी।

तोशिबा ने किया 5,000 कर्मचारियों की छंटनी का फैसला



नईदिल्ली, एजेंसी। दिग्गज जापानी कंपनी तोशिबा कॉर्पोरेशन ने जापान में 5,000 कर्मचारियों की छंटनी करने का फैसला किया है। यह कंपनी के कुल वर्कफोर्स का 10 प्रतिशत है। तोशीबा की ओर से ये फैसला कंपनी के परिचालन पुनर्गठन के चलते लिया गया है। कंपनी इंफ्रा और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे सेक्टर्स पर फोकस करना चाहती है। बता दें, तोशीबा जापान की बड़ी नियोक्ता कंपनियों में से एक है लेकिन हाल के वर्षों में कंपनी को कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। कंपनी में कई प्रकार के मैनेजमेंट और घोटाले सामने आए हैं। हाल के वर्षों में जापान में होने वाली ये सबसे बड़ी छंटनियों में से एक है। इसका असर जापान के कॉरपोरेट कल्चर पर होगा, जहां मजबूत श्रम कानूनों के चलते छंटनी होना कोई आम बात नहीं हैं। जापान में नौकरी पेशा और युवा लोगों की अन्य देशों के मुकाबले कमी है। निक्केई की रिपोर्ट है कि शिसीडो, ओमरोन और कोनिका मिनोल्टा सहित अन्य प्रमुख जापानी कंपनियों ने भी हाल ही में कर्मचारियों की कटौती की घोषणा की है। तोशिबा जापान की एक एमएनसी कंपनी है। इसका कारोबार दुनिया के कई देशों में फैला हुआ है। कंपनी लैपटॉप, राइस कुकर और इलेक्ट्रोनिक्स के साथ कई अन्य सेक्टर में कारोबार करती है। 2015 में सामने आए घोटले और मैनेजमेंट के इश्यू के चलते कंपनी को बड़ा झटका लगा था ।

ईरान-इजरायल तनाव क्रूड ऑयल पर पड़ेगा भारी

नईदिल्ली, एजेंसी। ईरान-इस्राइल तनाव क्रूड ऑयल के मोर्चे पर दिक्कतें बढ़ा सकता है। एक ओर जहां इस साल करीब 16 प्रतिशत चढ़ चुका क्रूड अभी 87 डॉलर प्रति बैरल के करीब है, वहीं इलेक्ट्रिक वीकल्स का इस्तेमाल बढ़ने के बाद भी पेट्रोलियम उत्पादों की खपत घट नहीं रही है और इंपोर्ट पर निर्भरता बढ़ रही है, क्योंकि देश में कच्चे तेल का उत्पादन नहीं बढ़ पा रहा है। साल 2023-24 में देश में 3 करोड़ टन क्रूड ऑयल प्रोडक्शन के टारगेट के मुकाबले उत्पादन 2.72 करोड़ टन रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में 2.78 करोड़ टन और वित्त वर्ष 2021-22 में उत्पादन 2.84 करोड़ टन था। पेट्रोलियम मिनिस्ट्री के पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024 में ओएनजीसी का प्रोडक्शन टारगेट 1.92 करोड़ टन था, लेकिन उत्पादन हुआ 1.81 करोड़ टन। यह वित्त वर्ष 2022 के 1.85 करोड़ टन और वित्त वर्ष 2023 के 1.84 करोड़



टन से कम रहा। इसी तरह, ऑयल इंडिया लिमिटेड ने 34 लाख टन के प्रोडक्शन टारगेट के मुकाबले 33 लाख टन उत्पादन किया। हालांकि यह वित्त वर्ष 2023 के 32 लाख टन से अधिक रहा। वित्त वर्ष 2024 में देश में पेट्रोलियम उत्पादों की खपत 23.33 करोड़ टन रही, जो एफवाय23 में 22.3 करोड़ टन और 2022 में 20.2 करोड़ टन थी। वित्त वर्ष 2024 में 23.25 करोड़ टन क्रूड का आयात हुआ। वित्त वर्ष 2023 में आयात 23.27 करोड़ टन और वित्त वर्ष 2022 में 21.24 करोड़ टन रहा।

क्यों दिक्कत की बात है

देश में ऑयल एंड गैस प्रोडक्शन का इलाका बढ़ाने का प्रयास हो रहा है। इस साल एक बड़ी कामयाबी के रूप में कृष्णा गोदावरी डीप वॉटर ब्लॉक 98/2 में ओएनजीसी ने प्रोडक्शन शुरू किया था। जून तक इस ब्लॉक से 45 हजार बैरल प्रतिदिन उत्पादन होने की उम्मीद है, जो देश में कुल क्रूड उत्पादन के करीब 7 प्रतिशत के बराबर होगा।

दाम बढ़ने का क्या होगा असर

लेकन अभी सूरत यह है कि आयात पर निर्भरता वित्त वर्ष 2024 में बढ़कर 87.7 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले फाइनैंशल ईयर में 87.4 प्रतिशत थी। रूस से कम कीमत पर आयात के बावजूद भारत के लिए कच्चे तेल की औसत कीमत मार्च में 84 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गई। केडिया फिनकॉर्प के फाउंडर नितिन केडिया का कहना है कि टेंशन बढ़ने पर एमसीएक्स पर क्रूड 8200 रुपये प्रति बैरल के पार जा सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा के चीफ इकनॉमिस्ट मदन सबनवीस का कहना है, 'क्रूड उछलेगा तो रुपये पर दबाव बढ़ेगा। ट्रेड बैलेंस प्रभावित होगा और करंट अकाउंट डेफिसिट पर भी असर आ सकता है। इंफ्लेशन को भी हवा मिलेगी।

बीएसई के एमडी द्वारा कुछ शेयरों की सिफारिश करने वाला वीडियो डीपफेक, निवेशकों को किया आगाह

नईदिल्ली, एजेंसी। एनएसई के बाद बीएसई ने भी अपने प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदररमण राममूर्ति के शेयरों की सिफारिश करने वाले डीपफेक वीडियो को लेकर निवेशकों को आगाह किया है। बीएसई जारी एक बयान में कहा कि उसके संज्ञान में कुछ ऐसे वीडियो एवं ऑडियो आए हैं जिनमें उसके शीर्ष अधिकारी कथित तौर पर कुछ शेयरों और निवेश के बारे में सुझाव देते हुए नजर आ रहे हैं। एक्सचेंज ने इन वीडियो एवं ऑडियो को नकली, अनधिकृत और धोखाधड़ी वाले बताते हुए कहा कि इन्हें अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से तैयार किया गया है।

डीपफेक वीडियो को कृत्रिम मेधा (एआई) के इस्तेमाल से मूल सामग्री में हेराफेरी कर तैयार किया जाता है। इससे गलत सूचना फैलने और संबंधित व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचने का खतरा होता है। बीएसई ने कहा कि उसके प्रमुख फेसबुक या किसी अन्य सोशल मीडिया मंच के जरिये ऐसे किसी भी संचार की शुरुआत या समर्थन नहीं करते हैं। इसके पहले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भी 10 अप्रैल को अपने एमडी एवं सीईओ आशीष कुमार चौहान की शेयर सुझाव वाले डीपफेक वीडियो के खिलाफ एक आगाह करने वाला बयान जारी किया था। बीएसई ने निवेशकों से ऐसे वीडियो एवं ऑडियो पर भरोसा न करने और राममूर्ति का रूप धारण करके भ्रामक तरीकों से प्रसारित फर्जी सलाहों या अवांछित संचार का अनुकरण नहीं करने को कहा। बीएसई ने कहा कि वह अज्ञात तत्वों द्वारा गलतबयानी को रोकने के लिए हर संभव कदम उठाएगा।

नेस्ले के बाद एवरेस्ट फिश करी मसाले पर उठे सवाल, सिंगापुर ने बाजार से उत्पाद वापस मंगाए

नईदिल्ली, एजेंसी। सिंगापुर ने भारत से आयातित लोकप्रिय उत्पाद एवरेस्ट फिश करी मसाला को वापस बाजार से वापसे लेने (रिकॉल) करने का एलान किया है। मसाले में कीटनाशक एथिलीन ऑक्साइड की अधिक मात्रा का आरोप लगाते हुए इसे वापस लिया गया है। यह कदम हांगकांग में खाद्य सुरक्षा केंद्र की ओर से जारी एक अधिसूचना बाद उठाया गया है। जिसमें मसाले में एथिलीन ऑक्साइड अधिक मात्रा के बारे में बताया गया था। सिंगापुर खाद्य एजेंसी ने एक बयान में कहा, हांगकांग स्थित खाद्य सुरक्षा केंद्र ने एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी के कारण भारत से आयातित एवरेस्ट फिश करी मसाला वापस मंगाने से जुड़ी एक अधिसूचना जारी की है। एसएफए ने आयातक एसपी मुथैया एंड संस पीटीई को निर्देश दिया है कि वह उत्पादों को व्यापक रूप से वापस मंगाने की पहल करे। एथिलीन ऑक्साइड, आमतौर पर कीटनाशक के रूप में उपयोग किया जाता है, यह खाद्य उत्पादों में उपयोग के लिए सख्त रूप से वर्जित है। एसएफए ने कहा कि सिंगापुर के नियमों के तहत मसालों की शेल्फ लाइफ बनाने के लिए इसके स्वीकार्य प्रयोग की अनुमति है पर एवरेस्ट फिश करी मसाला में इसकी अधिक मात्रा उपभोक्ताओं के लिए संभावित स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती है।



देश के विकास में पारसी उद्योगपतियों का अहम किरदार

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के विकास में पारसी उद्योगपतियों का अहम किरदार रहा है। उन्होंने दुनियाभर के देशों के साथ व्यापारिक संबंध बनाए। भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। 19वीं और 20वीं शताब्दी में पारसी उद्योगपतियों ने कपड़ा मिलों, स्टील मिलों, बिजली संयंत्रों और बैंकों सहित कई महत्वपूर्ण उद्योगों की नींव रखी। आधुनिक तकनीकों को अपनाने और भारत को औद्योगिक राष्ट्र बनाने में एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया। देश के कारोबारी जगत में उनका डंका बजता है। जेआरडी टाटा, एबी गोदरेज, पलौंजी मिस्त्री हों या रतन टाटा और सायरस पूनावाला पारसी उद्योगपतियों ने देश की तरक्की में जो योगदान दिया है वह अभूतपूर्व है। अक्सर पारसी उद्योगपतियों को उनके सरनेम से पहचनाना बहुत आसान हो जाता है। बंदूकवाला, छुरीवाला, बाटलीवाला और दारूवाला जैसे सरनेम उनकी पहचान जाहिर कर देते हैं। पारसी



उद्योगपतियों के इस तरह के सरनेम रखने के पीछे क्या कारण है आइए, यहां समझने की कोशिश करते हैं।

कैसे भारत में आए पारसी

पारसी मूल रूप से ईरान (तब फारस) से आए थे। वे 8वीं से 10वीं शताब्दी के बीच भारत में बस गए थे। उन्होंने अपनी पुरानी फारसी भाषा और रीति-रिवाजों को बनाए रखा। इसमें उनके सरनेम भी शामिल थे। समय के साथ उनकी भाषा और सरनेम स्थानीय भाषाओं से प्रभावित हुए। इसके चलते अलग तरह के नाम सामने आए। पारसियों को व्यवसाय में महारत रही है। इसका सबसे बड़ा सबूत यह है कि उनके पुश्तैनी धंधे तक में उनका सरनेम शान से जुड़ा रहता है। दारूवाला, बाटलीवाला, छुरीवाला हो या बंदूकवाला, लोखंडवाला और मिस्त्री। पारसियों की पहली पीढ़ियों ने जो कारोबार किए या फरि वे शुरू में जहां रहे, वही समय के साथ उनकी पहचान और सरनेम बन गए। पारसियों ने काम को ही पूजा बना लिया। जिस काम को किया पूरी लगन और मेहनत से किया। इसके कारण न केवल उनकी बल्कि देश की तरक्की हुई। कारोबार जगत में वे देश-दुनिया में छा गए।

सरनेम क्या बताते हैं

जहां पूनावाला और लोखंडवाला जैसे सरनेम बताते हैं कि वे भारत में कहां के मूल निवासी हैं। वहीं, दारूवाला, बाटलीवाला, जरीवाला और बंदूकवाला जैसे सरनेम दर्शाते हैं कि उनके पुरखों का किस तरह का व्यवसाय है या रहा है। वैसे नाम के साथ अपनी जगह को जोड़ना सिर्फ पारसियों के साथ नहीं रहा है। उत्तर भारतीयों में भी यह ट्रेडिशन देखने को मिलता है। हसरत जयपुरी, आनंद कृष्ण जयपुरिया, फिराक गोरखपुरी, साहिर लुधयानवी जैसी कई हस्तियों ने अपने नामों के साथ जगह को जोड़ा।

महंगाई में ओडिशा टॉप पर जबकि दिल्ली सबसे सस्ती

नईदिल्ली, एजेंसी। महंगाई बढ़ ही रही है। महंगाई की वजह से यूं तो देश के हर राज्य में जीवन यापन करना मुश्किल होता जा रहा है। लेकिन, नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि बीते मार्च महीने में दिल्ली के लोगों ने सबसे कम महंगाई का सामना किया जबकि आडिशा के लोगों को सबसे महंगा सामान खरीदना पड़ा। यह रिपोर्ट हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया ने छापी है।

22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का आता है डेटा

टीओआई के मुताबिक देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की महंगाई का आंकड़ा हर महीने पब्लिश किया जाता है। इनमें से 13 राज्यों में ओवरऑल इनफ्लेशन रेट 4.9 फीसदी से अधिक था। इनमें से ओडिशा में महंगाई की दर सबसे अधिक 7.1 प्रतिशत दर्ज की गई थी। इसके बाद असम और हरियाणा में 6.1 प्रतिशत दर्ज की गई थी। बिहार में 5.7 प्रतिशत की दर दर्ज की गई, जबकि तेलंगाना में 5.6 प्रतिशत की दर देखी गई। लोग आमतौर पर दिल्ली की महंगी जीवन शैली की बात करते हैं। लेकिन इस रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में सबसे कम महंगाई की दर, 2.3 प्रतिशत दर्ज की गई।



शहरी क्षेत्रों में कहां ज्यादा महंगाई

शहरी क्षेत्रों में भी ओडिशा में सबसे अधिक महंगाई की दर देखी गई। वहां पिछले महीने 6.5 प्रतिशत मुद्रास्फीति की दर देखी गई। इसके बाद राजस्थान और तेलंगाना का स्थान है।

मार्च में घटी महंगाई की दर

पहले जारी किए गए आंकड़ों से पता चला है कि खाद्य मुद्रास्फीति में मामूली कमी के कारण मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति पांच महीने के निचले स्तर 4.9 प्रतिशत पर आ गई, जो फरवरी में दर्ज 5.1 प्रतिशत से कम है। यह डेटा आम चुनावों के पहले चरण से पहले आया है। जिसके लिए मतदान शुक्रवार को निर्धारित है। ग्रामीण मुद्रास्फीति 5.5 प्रतिशत से अधिक थी, जबकि शहरी 4.1 प्रतिशत थी।

कहीं कम कहीं ज्यादा क्यों?

ऐसे कई कारक हैं जो राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच महंगाई की दरों में भिन्नता का कारण बनते हैं। इनमें सप्लाई मैनेजमेंट और मौसम संबंधी घटनाओं का प्रभाव शामिल है। जबकि, हाल के महीनों में खुदरा मुद्रास्फीति कम हुई है, सब्जियों, दालों और कुछ खाद्य पदार्थों में कुछ दबाव बिंदु बने हुए हैं।

महंगाई की दर 7 फीसदी के आसपास

विशेषज्ञों का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि खाद्य और पेय पदार्थों की मुद्रास्फीति दर 7 प्रतिशत के आसपास रहेगी और देश के कुछ हिस्सों में अपेक्षित गर्मी से सब्जियों और जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं की कीमतों पर नया दबाव पड़ने की संभावना है। पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनैतिक तनाव की पृष्ठभूमि के खिलाफ वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों का सख्त होना भी आने वाले महीनों में कीमतों के लिए दबाव बिंदु के रूप में कार्य कर सकता है।

ब्याज दर में कटौती की उम्मीदें कम

हाल के सप्ताहों में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम हो गई हैं। साथ ही अब विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय रिजर्व बैंक इस साल की दूसरी छमाही में दरों पर आगे बढ़ सकता है। हालांकि, उनका एक्शन भी जियो-पोलिटिकल सिचुएशन और इंफ्लेशन ट्रांजेक्टरी से ही निर्देशित होगा। इस महीने की शुरुआत में अपने नवीनतम मौद्रिक नीति वक्तव्य में, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि खाद्य पदार्थ की कीमतों की अनिश्चितताएं आगे चलकर मुद्रास्फीति की गति पर असर डाल रही हैं।

चीन, यूएई, रूस और सिंगापुर में भारत का निर्यात बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन, रूस, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर उन देशों की सूची में शामिल हैं जहां हाल ही में समाप्त वित्त वर्ष में भारत का निर्यात काफी बढ़ा है। भारत के निर्यात के लिहाज से शीर्ष 10 देशों में की सूची में अन्य नाम ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, नीदरलैंड और दक्षिण अफ्रीका हैं।



वाणिज्य मंत्रालय की ओर से बीते सोमवार को जारी आंकड़ों से पता चलता है कि हाल ही में समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का कुल निर्यात, माल और सेवाएं संयुक्त रूप से 776.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जो सालाना आधार पर काफी हद तक स्थिर है। इस दौरान वस्तुओं का निर्यात 3.1 प्रतिशत घटकर 437.06 अरब डॉलर और सेवाओं का निर्यात 4.4 प्रतिशत बढ़कर 339.62 अरब डॉलर रहा। मार्च 2024 में निर्यात की बात करें तो व्यापारिक निर्यात 0.7 प्रतिशत घटकर 41.68 बिलियन अमेरिकी डॉलर और सेवा निर्यात 6.3 प्रतिशत घटकर 28.54 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। भारत का कुल निर्यात 2022-23 में 775.87 अरब अमेरिकी डॉलर का था। उस दौरान निर्यात में वार्षिक आधार पर लगभग 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 14 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि आई थी। आयात की बात करें तो 2023-24 में भारत का कुल आयात 4.8 प्रतिशत घटकर 854.80 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। मार्च 2024 में वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में क्रमशः 5.41 प्रतिशत और 2.46 प्रतिशत की गिरावट आई।

सरकार ने बीते वर्षों में निर्यात को बढ़ावा देने और आयात में कमी लाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इन कदमों में इलेक्ट्रॉनिक सामान सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू करना शामिल था। ये कदम इस लिए भी उठाया गया ताकि भारतीय निर्माताओं को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके, निवेश आकर्षित किया जा सके, निर्यात बढ़ाया जा सके, भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एकीकृत किया जा सके।

20.04.2004_20.04.2004.qxd 4/19/2024 11:30 PM Page 11

संक्षिप्त समाचार

होटल भरे हुए हैं, फर्श पर सो रहे हैं

दुबई हवाई अड्डे पर फंसे दो भारतीय पहलवान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पहलवान दीपक पुनिया और सुजीत कलकल 2024 पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर के लिए किर्गिस्तान के बिश्केक जाते समय भारी बारिश के कारण मंगलवार से दुबई हवाई अड्डे पर फंसे हुए हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पहलवानों के करीबी सूत्रों नै बात करते हुए कहा कि यह जोड़ी गुरुवार रात 11 बजे



उड़ान भरेगी और उनके टूर्नामेंट में भाग लेने की संभावना 50-50 है। वे पिछले दो दिनों से वहां हैं। सभी होटल भरे हुए हैं इसलिए वे हवाई अड्डे पर फर्श पर सो रहे हैं। क्वालीफायर में प्रतिस्पर्धा करने की उनकी संभावना 50-50 है। शायद वे वजन शुरू होने से ठीक पहले बिश्केक पहुंच जाएंगे। केवल तभी जब वे आज देर रात दुबई छोड़ने में कामयाब हों। बिश्केक में एशियाई कुश्ती ओलंपिक क्वालीफायर 19 अप्रैल से शुरू होने वाला है। बिश्केक में 18 भार वर्गों में कुल 36 पेरिस 2024 कोटा की पेशकश होगी। भारत ने सत्रह पहलवानों को मैदान में उतारा है. यह क्वालीफायर भारतीय पहलवानों के लिए ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए कोटा सुरक्षित करने का दूसरा अंतिम अवसर होगा। मई में तुर्की में होने वाला विश्व क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट, अंतिम कुश्ती क्वालीफायर होगा।

भारतीय दलः

पुरुष ग्रीको : रोमन, सुमित (60 किग्रा), आशु (67 किग्रा), विकास (77 किग्रा), सुनील (87 किग्रा), नितेश (97 किग्रा), नवीन (130 किग्रा)

महिला फ्रीस्टाइल : विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंशू मलिक (57 किग्रा), मानसी (62 किग्रा), निशा (68 किग्रा), रीतिका हुडा (76 किग्रा)

पुरुष फ्रीस्टाइल : अमन सहरावत (57 किग्रा), सुजीत (65 किग्रा), जयदीप (74 किग्रा), दीपक पुनिया (86 किग्रा), दीपक (97 किग्रा), सुमित (125 किग्रा)

पांड्या पर लगा 12 लाख का जुर्माना



मुल्लांपुर, एजेंसी। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के चलते मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या पर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल ने यह जानकारी गुरुवार को दी।

बीसीसीआई ने एक बयान में इसकी पुष्टि की है। जिसमें बताया गया है कि इस सीजन में टीम मुंबई की यह पहली गलती थी, इसलिए आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के अनुसार सबसे न्यूनतम दंड दिया गया है। बात अगर मैच की करें तो 193 रनों का पीछा करने उतरी पंजाब के लिए आशुतोष शर्मा ने 25 गेंदों में 61 रनों की तूफानी पारी खेली, लेकिन वो अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए और मुंबई ने 9 रन से यह मुकाबला अपने नाम किया। एमआई वर्तमान में सात मैचों में तीन जीत के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है।

रोहित आईपीएल में मुंबई के लिए

सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैट्समैन बने



मुल्लांपुर, एजेंसी। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान और ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने चंडीगढ़ में आईपीएल 2024 के 33 वें मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ ज्यादा बड़ी पारी नहीं खेल पाए। सीएसके के खिलाफ नाबाद 105 रन की पारी खेलने वाले रोहित शर्मा ने इस मैच में 25 गेंदों पर 36 रन की पारी खेली। इस पारी के दौरान उन्होंने 3 छक्के और 2 चौकों भी लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 144.00 का रहा। रोहित शर्मा ने अपनी पारी में लगाए 3 छक्कों की मदद से अब मुंबई के लिए आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए और उन्होंने किरोन पोलार्ड का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

आईपीएल में रोहित के नाम सबसे ज्यादा छक्के

मुंबई इंडियंस के ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने पंजाब के खिलाफ 3 छक्के लगाने के बाद अब आईपीएल में मुंबई के लिए सबसे ज्यादा सिक्स जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित शर्मा ने मुंबई के लिए इस मैच में 225 वां छक्का लगाया और उन्होंने किरोन पोलार्ड को पीछे छोड़ दिया। पोलार्ड ने अपने आईपीएल करियर में मुंबई के लिए कुल 223 छक्के लगाए थे। मुंबई के लिए आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर 104 छक्कों के साथ हार्दिक पांड्या मौजूद हैं तो 103 छक्कों के साथ इशान किशन चौथे और 97 छक्कों के साथ सूर्यकुमार यादव पांचवें स्थान पर हैं।

आईपीएल में एमआई के लिए सबसे ज्यादा छक्के

- 225 छक्के ङ्क रोहित शर्मा
- 223 छक्के ङ्क के पोलार्ड
- 104 छक्के ङ्कएच पंड्या
- 103 छक्के ङ्क किशन
- 97 छक्केङ्क सूर्यकुमार यादव

रोहित ने खेला 250वां मैच

रोहित शर्मा ने आईपीएल का अपना 250वां मैच खेला और इस लीग में वो 250 मैच खेलने वाले धोनी के बाद दूसरे बल्लेबाज बने। धोनी ने इस लीग में अब तक सबसे ज्यादा 256 मैच खेले हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर 249 रन के साथ दिनेश कार्तिक मौजूद हैं।

आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच

- 256 मैच ङ्क एमएस धोनी
- 250 मैच ङ्क रोहित शर्मा
- 249 मैच ङ्क दिनेश कार्तिक
- 244 मैच ङ्क विराट कोहली
- 232 मैच ङ्क रवींद्र जडेजा
- 222 मैच ङ्क शिखर धवन



आशुतोष की पारी अविश्वसनीय

मुल्लांपुर, एजेंसी। आईपीएल 2024 के गुरुवार के रोमांचक मैच में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा ने अपनी तूफानी पारी की बदौलत न केवल फैंस का बल्कि विरोधी कप्तान का भी दिल जीत लिया। जब मैच निर्णायक मोड़ पर था और पंजाब जीत के बेहद करीब था, तब 18वें ओवर में गेराल्ड कोएत्ज़ी ने आशुतोष शर्मा की तूफानी पारी का अंत किया और मुंबई की जीत पक्की की।



एमआई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने स्वीकार किया कि मैदान में आशुतोष ने पूरी तरह से पासा पलट दिया था। उन्होंने ये भी कहा कि अपना पहला आईपीएल सीजन खेल रहे आशुतोष का प्रदर्शन अविश्वसनीय था। हार्दिक ने कहा, यह एक अच्छा मैच था। मुझे लगता है कि हर किसी की सांसें थम गई थी। हमने मैच से पहले बात की थी कि इस मैच में हमारी परीक्षा होगी और मुझे नहीं लगता कि इससे ज्यादा चुनौतीपूर्ण कुछ और हो सकता है। जब पंजाब का स्कोर 14/4 था, तो यह स्वाभाविक था कि आप सोचते थे कि आप मैच में आगे हैं लेकिन साथ ही, हम जानते थे कि आईपीएल में इस तरह के मैच कभी भी पलट सकते हैं। इस जीत का मतलब यह भी है कि एमआई अब अंक तालिका में सातवें स्थान पर है, हालांकि वे अभी भी काफी निचले स्थान पर हैं। मुंबई का अगला मुकाबला सोमवार शाम को सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स से होगा।

तिलक वर्मा ने आईपीएल में किया बड़ा कारनामा

मुल्लांपुर, एजेंसी। मुंबई इंडियंस की टीम ने हार्दिक पांड्या की कप्तानी में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17वें सीजन में 7वें मैच में अपनी तीसरी जीत हासिल करने में कामयाबी हासिल की। पंजाब किंग्स के खिलाफ इस मुकाबले में मुंबई की तरफ से शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन देखने को मिला जिसमें सूर्यकुमार यादव के बल्ले से 78 रनों की पारी देखने को मिली तो वहीं पारी के आखिरी ओवरों में बल्लेबाजी करने उतरे बाएं हाथ के युवा बल्लेबाजी तिलक वर्मा ने सिर्फ 18 गेंदों में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 34 रनों की नाबाद तेज पारी खेलने के साथ टीम के स्कोर को 190 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की। तिलक ने अपनी इस पारी के दम पर आईपीएल में एक खास लिस्ट में भी अपनी जगह बना ली।

ऋषभ पंत के बाद

तिलक 21 साल की उम्र में 50 छक्के लगाने वाले बने दूसरे खिलाड़ी



तिलक वर्मा ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी 38 रनों की नाबाद पारी में 2 छक्के भी लगाए जिसके साथ ही उन्होंने अपने आईपीएल करियर में 50 छक्के भी पूरे कर लिए। तिलक अब आईपीएल में 21 साल की उम्र में ऋषभ पंत के बाद 50 छक्कों का आंकड़ा छूने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। पंत ने 21 साल की उम्र तक आईपीएल में 94 छक्के लगाए थे, वहीं इस लिस्ट में अब दूसरे नंबर पर 50 छक्कों के साथ तिलक वर्मा हैं, तो वहीं तीसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा ओपनिंग बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल हैं, जिन्होंने 21 साल की उम्र तक 48 छक्के लगाए थे।

आईपीएल में 21 साल की उम्र तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी

- ऋषभ पंत - 94 छक्के
- तिलक वर्मा - 50 छक्के
- यशस्वी जायसवाल - 48 छक्के
- पृथ्वी शॉ - 45 छक्के
- संजू सैमसन - 38 छक्के

इस सीजन 41 के औसत से बनाए अब तक रन- आईपीएल 2024 में भले ही मुंबई इंडियंस टीम के लिए अब तक का सफर अच्छा नहीं रहा लेकिन तिलक वर्मा ने अपनी बल्लेबाजी से जरूर सभी को प्रभावित किया है। 7 पारियों में तिलक ने 41.60 के औसत से 208 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतकीय पारी भी शामिल है। इस दौरान वह 2 बार नाबाद पवेलियन लौटे हैं। तिलक का आईपीएल करियर देखा जाए तो उन्होंने 32 मैचों में 39.5 के औसत से 948 रन बनाए हैं, जिसमें 4 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं।

छह साल की उम्र में तक्षवी वघानी ने रचा इतिहास

स्केटिंग में किया कमाल, बना दिया विश्व रिकॉर्ड



नई दिल्ली, एजेंसी। तक्षवी ने लोएस्ट लिम्बो स्केटिंग में कमाल करते हुए अपना नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया है। इसकी पुष्टि करते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें छह साल की तक्षवी को स्केटिंग करते देखा जा रहा है। अहमदाबाद की तक्षवी वघानी ने छह वर्ष की उम्र में ऐसा कारनामा कर डाला है जिससे उनकी चर्चा भारत ही नहीं पूरे विश्व में हो रही है। उन्होंने छोटी सी आयु में कुछ ऐसा किया जिससे उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो गया। तक्षवी ने लोएस्ट लिम्बो स्केटिंग में 25 मीटर से अधिक का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ उन्होंने न सिर्फ अपना नाम रोशन किया बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने की पुष्टि

तक्षवी ने लोएस्ट लिम्बो स्केटिंग में कमाल करते हुए अपना नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया है। इसकी पुष्टि करते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें छह साल की तक्षवी को स्केटिंग करते देखा जा रहा है। वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा गया, 25 मीटर से अधिक की लोएस्ट लिम्बो स्केटिंग। पिछले साल 10 मार्च को यह रिकॉर्ड ब्रेकिंग उपलब्धि हासिल की गई थी।

तक्षवी ने तोड़ा मनस्वी का रिकॉर्ड

अहमदाबाद की तक्षवी से पहले यह रिकॉर्ड पुणे की मनस्वी विशाल के नाम दर्ज था। उन्होंने साढ़े तीन साल की उम्र में 25 मीटर से ज्यादा की लोएस्ट लिंबो स्केटिंग से सभी को प्रभावित कर दिया था। उन्होंने धरती से केवल 16.5 सेंटीमीटर की ऊंचाई बनाए रखते हुए 25 मीटर की दूरी तक ग्लाइड किया था।

सृष्टि भी नहीं हैं पीछे

लिम्बो स्केटिंग की दुनिया में तक्षवी और मनस्वी के अलावा 18 वर्षीय सृष्टि धर्मेंद्र शर्मा भी कमाल दिखा चुकी हैं। उन्होंने जुलाई 2023 में 50 मीटर से अधिक की स्केटिंग में कमसमय लेते हुए नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया था। उन्होंने इस दूरी को 6.94 सेकंड में पूरा किया था। उन्होंने 2021 में बनाए अपने ही रिकॉर्ड को तोड़कर यह उपलब्धि हासिल की थी।

कैस्पर रूड बार्सिलोना ओपन के [ार्टरफाइनल में



बार्सिलोना एजेंसी। नॉर्वे के कैस्पर रूड ने सीजन की अपनी 26वीं जीत के साथ जॉर्डन थॉम्पसन को 6-1, 6-4 से हराकर बार्सिलोना ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अपनी जीत के साथ, तीसरी वरीयता प्राप्त रूड 2024 में सबसे अधिक टूर-स्तरीय जीत के मामले में जानिक सिनर से आगे निकल गए। रूड ने शुरुआत में ही 5-0 की बढ़त बना ली और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

पेरिस ओलंपिकः2024

भारत को लंबी कूद में बड़ा झटका, घुटने की चोट के कारण श्रीशंकर ओलंपिक से बाहर, सर्जरी होगी



नई दिल्ली, एजेंसी। लंबी कूद के दिग्गज खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर ट्रेनिंग के दौरान घुटने की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए हैं और उन्हें सर्जरी करानी पड़ेगी जिसके कारण वह पूरे 2024 सत्र में नहीं खेल पाएंगे। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने 2023 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 8.37 मीटर के प्रयास से रजत पदक जीतते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी को शंघाई/सुझोउ और दोहा में क्रमशः 27 अप्रैल और 10 मई को लगातार दो डायमंड लीग प्रतियोगिता के साथ अपने सत्र की शुरुआत करनी थी, लेकिन मंगलवार को ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चोट लगी और उनका ओलंपिक में हिस्सा लेने का सपना टूट गया।

पिता भी रहे हैं एथलीट- श्रीशंकर के पिता एस. मुरली ही उनके कोच हैं। श्रीशंकर का कहना है कि उनके शरीर को उनके पिता उनसे बेहतर समझते हैं। श्रीशंकर के पिता पूर्व ट्रिपल जंप एथलीट थे और दक्षिण एशियाई खेलों में रजत पदक विजेता रहे हैं। 1992 एशियाई जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उनकी मां के.एस. बिजिमोल 800 मीटर रेस में रजत पदक जीती थीं।

20.04.2004_20.04.2004.qxd 4/19/2024 11:30 PM Page 12



'इश्कविश्क' के सार के साथ आधुनिक रिश्तों की प्रासंगिकता पर जोरः नायला ग्रेवाल

'इश्क विश्क रिबाउंड' की चार मुख्य भूमिकाओं में से एक को निभा रहीं अभिनेत्री नायला ग्रेवाल का कहना है कि फिल्म का उनका संस्करण इश्क विश्क के सार को बरकरार रखते हुए आधुनिक रिश्तों के बारे में एक प्रासंगिक कहानी बताएगा। 2003 के कालेज रोमांस ड्रामा ने शाहिद कपूर और अमृता राव को स्टार बना दिया था और ग्रेवाल को उम्मीद है कि नई फिल्म भी इसी तरह युवाओं को संबोधित करेगी।

नायला ने साक्षात्कार में कहा, जब पहली इश्क विश्क आई, तो यह एक संस्कारी फिल्म थी। हर कोई इसकी ओर आकर्षित हुआ। सबसे पहले, यह शाहिद कपूर की चाकलेट बाय छवि थी जिससे हम सभी प्यार करने लगे। और फिर गाने, नृत्य और कालेज प्रेम का सार, यह सब बहुत मजेदार और रोमांचक था।

नायला ने कहा कि इस आकर्षण को फिर परदे पर लाना एक चुनौती है और इसे आधुनिकता के नए कलेवर के साथ पेश किया जाएगा। आज के युग में जोड़ों और युवाओं को रिश्तों में क्या कुछ बदल गया है, यह सब इस नई फिल्म में दिखाया जाएगा। उन्हें उम्मीद है कि लोग इस नई फिल्म की तरफ आकर्षित होंगे। इस फिल्म में पश्मीना रोशन, रोहित शराफ और जिबरान खान भी हैं।

रवि किशन द्वारा निर्देशित शो में नायला एक हार्वर्ड शिक्षित वकील अनन्या श्राफ की भूमिका निभा रही हैं। दिल्ली में जन्मी अभिनेत्री ने भारतीय जनसंचार संस्थान (आइआइएमसी) में अध्ययन किया था। उन्होंने अपने शो मामला लीगल के बारे में कहा कि लोगों ने इसे चार-पांच बार देखा है। इसका मतलब है कि इसने लोगों के दिलों में एक विशेष जगह बना ली है।

ग्रेवाल ने कहा कि उन्हें लीगल कामेडी में अपना किरदार वैसा ही लगा जैसी वे एक व्यक्ति के रूप में हैं और उन्हें इसलिए इस किरदार को निभाने में आसानी हुई। ग्रेवाल ने 2015 में इम्तियाज अली की तमाशा से अभिनय की शुरुआत की।

इसमें दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में थे। इसे एक महत्त्वपूर्ण बिंदु बताते हुए अभिनेत्री ने कहा कि नृत्य और थिएटर से जुड़े होने के बावजूद, उन्होंने अली की फिल्म से पहले खुद को स्क्रीन पर नहीं देखा था।

नायला ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक फिल्म अभिनेत्री बनूंगी। मैं कैमरे के सामने आऊंगी, लेकिन मैं हमेशा से जानती थी कि दर्शकों के सामने होना मुझे वास्तव में आकर्षित करता है। एक बार जब मैं तमाशा के सेट पर गई तो मुझे एहसास हुआ कि शायद यह ऐसी चीज है जिसकी मैं तलाश में हूं। ग्रेवाल ने कहा कि वे हर तरह की भूमिकाएं निभाना चाहती हैं।



अंधविश्वासी निर्देशक के बारे में विद्या बालन का खुलासा

अभिनेत्री को बताया था बदकिस्मत

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर जमकर सुर्खियां बटोर रही हैं। वह लगातार इस फिल्म के लिए इंटरव्यू भी दे रही हैं। इसी बीच विद्या बालन ने एक ऐसी घटना के बारे में बताया जिसे सुनकर आप भी कहेंगे अब तो हद ही हो गई। दरअसल, विद्या बालन ने एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म से जुड़ा एक किस्सा बताया। यह उस समय की बात है जब विद्या बॉलीवुड के अलावा तमिल सिनेमा में भी काम किया करती थी। उस दौरान उनके साथ एक ऐसी बात हुई जिसका खुलासा उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान किया। विद्या ने कहा, मैं फिल्म की शूटिंग के लिए सेट पर रोजाना जाया करती थी, और मुझे सुनने में आया कि मेरे फिल्म का निर्देशक 42 दिनों से एक ही शॉर्ट्स लगातार पहनकर आ रहे हैं। हालांकि मैंने उन्हें इतने ध्यान से नहीं देखा था कि वह क्या पहनकर आते हैं, लेकिन मैंने यह बात सेट पर ही किसी से सुनी थी। सबसे मजेदार बात यह है कि इतना अंधविश्वास करने के बाद भी फिल्म फ्लॉप हो गई। वह ऐसा इसलिए करते थे क्योंकि वह अंधविश्वासी थे। लेकिन फिर भी उनका यह अंधविश्वास काम नहीं आया और वह फिल्म फ्लॉप हो गई थी। आगे जब विद्या से उनकी उस फिल्म के नाम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने हंसकर कह दिया कि वह फिल्म का नाम भूल गई हैं।

निर्देशक ने विद्या को कहा था बदकिस्मत वैसा ऐसा पहली बार नहीं है जब विद्या ने किसी अनोखी बात के बारे में खुलासा किया हो। विद्या अक्सर ऐसी बातों से पर्दा उठाती रहती हैं। फिल्म इंडस्ट्री में एक समय ऐसा भी था जब विद्या की कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार विद्या की लाइफ में एक वक्त ऐसा भी था जब उन्हें अनलकी बता दिया गया था, जिसकी वजह से उन्हें कई फिल्मों से भी निकाल दिया गया था। उस समय विद्या एक तमिल फिल्म के लिए काम कर रही थी, लेकिन कुछ दिनों बाद उन्हें उस फिल्म से निकाल दिया गया। जिसकी वजह बताई गई कि वह बदकिस्मत हैं। इसके पीछे की वजह बताते हुए फिल्म निर्देशक ने कहा, मैंने विद्या की कुंडली दिखाई और वह बदकिस्मत हैं। इतना ही नहीं जब उस निर्देशक से उनकी मुलाकात चैन्नई में हुई तो उन्होंने कहा, क्या यह कही से हीरोइन जैसी दिखती हैं।

आज विद्या बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। विद्या की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म दो और दो प्यार 19 अप्रैल यानी की आज रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में विद्या के साथ प्रतिक गांधी, इलियाना डी क्रूज और सेंधिल राममूर्ति नजर आएंगे। इस फिल्म में इन स्टारकास्ट की खट्टी-मिठी कहानी देखने को मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार विद्या फिल्म भूल भुलैया 3 में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में विद्या मंजूलिका के किरदार में ही वापसी करेंगी। इस फिल्म में विद्या के अलावा कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी नजर आएंगी।



दिव्यांका त्रिपाठी का एक्सीडेंट

टूट गई हैं हाथ की दो हड्डियां, पति विवेक ने फैंस से की दुआ करने की गुजारिश

टीवी की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक दिव्यांका त्रिपाठी का एक्सीडेंट हो गया है। उनकी दो हड्डियां बुरी तरह टूट गई हैं और उन्हें फिलहाल डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया है। उनके पति विवेक दहिया ने इस पर अपडेट शेयर किया है और फैंस से उन्हें ठीक रहने की प्रार्थना करने की गुजारिश की है।

दिव्यांका त्रिपाठी एक फेमस टीवी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत डेली सोप बनूं मैं तेरी दुल्हन में विद्या का रोल किया था। हालांकि, शो ये है मोहब्बतें में डॉक्टर इशिता भल्ला की भूमिका से उन्हें अपार फेम और पहचान मिली। इसके अलावा, उसी शो के सेट पर दिव्यांका की मुलाकात एक्टर विवेक दहिया से हुई और धीरे-धीरे दोनों में प्यार हो गया। बाद में इस कपल ने 8 जुलाई 2016 को शादी कर ली। दिव्यांका का एक्सीडेंट हो गया है और उन्होंने हॉस्पिटल के बेड से अपडेट शेयर किया है।

एक्टर शक्ति अरोड़ा बोले-

नहीं कर सकता बोल्ड बेडरूम सीन



शक्ति अरोड़ा ईशान सर के रूप में लड़कियों के बीच काफी लोकप्रिय हो चुके हैं। उनका शो गुम है किसी के प्यार में टीआरपी चार्ट में टॉप 5 में जगह बनाए हुए है। उन्होंने इंटीमेट सीन्स पर अपनी राय रखी है। गुम है किसी के प्यार में शो के लीड एक्टर शक्ति अरोड़ा फीमेल फैन्स के बीच काफी पॉप्युलर हैं। सीरियल के ईशान सर सबका क्रश बन चुके हैं। दर्शक इंतजार कर रहे हैं कि ईशान और सवि के बीच रोमांटिक सीन दिखाए जाएं। इस बीच शक्ति अरोड़ा ने बेडरूम सीन्स पर अपने विचार रखे। उनका कहना है कि इंडियन एक्टर्स पर ये सब सूट नहीं करता है।

नहीं कर सकते बेडरूम सीन

शक्ति अरोड़ा स्टार प्लस का लोकप्रिय चेहरा हैं। गुम है किसी के प्यार में सीरियल में उन्हें दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। लोग उनके साथ सवि का रोमांस देखने के लिए बेकरार हैं लेकिन शक्ति का कहना है कि रोमांस तक ठीक है लेकिन वह टीवी पर बेडरूम वाले इंटीमेट सीन करने से बचते हैं। यह बात उन्होंने बातचीत में कही।

देसी एक्टर पर नहीं सूट करता

शक्ति अरोड़ा ओटीटी शोज की बात कर रहे थे। शक्ति का मानना है कि ओटीटी में जरूरत नहीं होती फिर भी ऐसे सीन्स डाल दिए जाते हैं। शक्ति ने कहा कि उन्हें लगता है कि भारतीय कलाकार टीवी पर ऐसे सीन्स करते ठीक नहीं लगते। लोग भले ही उन्हें रेसिस्ट समझें लेकिन उनका मानना यही है।

रवि किशन की बेटी होने का दावा करने वाली शिनोवा चाहती है टेस्ट



भोजपुरी फिल्मों के एक्टर रवि किशन बुरे मामले में फंसे हुए हैं। उनकी बेटी होने का दावा करने वाली लड़की शिनोवा का कहना है कि एक्टर को पैटरनिटी टेस्ट करवाना होगा। वो चाहती है कि रवि उन्हें अपनी बेटी मान लें। हाल ही में शिनोवा ने बातचीत में काफी कुछ कहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रवि किशन उनकी बेटी का हक मार रहे हैं। अब, शिनोवा ने खुद सामने आकर कहा है कि रवि किशन पैटरनिटी टेस्ट करवाएं

इससे पहले, रवि किशन की पत्नी प्रीति ने लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई. गोरखपुर से बीजेपी उम्मीदवार और एक्टर रवि किशन पर अपनी बेटी का पिता होने का आरोप लगाने वाली महिला के खिलाफ लखनऊ में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने रवि किशन की पत्नी प्रीति शुक्ला की शिकायत पर कार्रवाई की।

सोमवार को लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुंबई की रहने वाली अपर्णा सोनी उर्फ अपर्णा ठाकुर ने दावा किया कि रवि किशन उनकी 25 वर्षीय बेटी शिनोवा के पिता हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि रवि किशन उनकी बेटी का हक मार रहे हैं। अब, शिनोवा ने खुद सामने आकर कहा है कि रवि किशन पैटरनिटी टेस्ट करवाएं।

रवि किशन को अपना पिता बताने वाली लड़की अब चाहती है कि वो डीएनए टेस्ट करवाएं। बातचीत में शिनोवा ने बताया की कैसे उनके परिवार का उत्पीड़न किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि विवाद को खत्म करने के लिए रवि किशन को पैटरनिटी टेस्ट करवाना होगा। शिनोवा ने कहा, अगर ये सच नहीं है तो आप सामने क्यों नहीं आ रहे और कह रहे हैं कि ये झूठ है। मैं बस ये मांग कर रही हूं कि आप डीएनए टेस्ट करवाएं। आप चुप हैं और किसी भी बात का जवाब नहीं दे रहे हैं।

रवि किशन की कथित बेटी को चाहिए डीएनए टेस्ट

उन्होंने आगे कहा, वो मेरे पिता हैं और मुझे हक है कि मुझे अपना लीजिए। मैं आज ये बात अचानक नहीं कह रही हूं। इस बीच बहुत-सी चीजें हो चुकी हैं। लेकिन मैं उन सबके बारे में अभी ज्यादा बात नहीं कर सकती। मुझे ही नहीं मेरे पूरे परिवार को इस वक्त परेशान किया जा रहा है। हम सभी एक साथ न जाने कितनी चीजों का सामना कर रहे हैं। इससे पहले, रवि किशन की पत्नी प्रीति ने लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई.

तनीषा ने सुनाया डेब्यू फिल्म के शूट का डरावना किस्सा

तनीषा मुखर्जी ने हाल ही अपनी डेब्यू फिल्म की शूटिंग का डरावना और दर्दनाक किस्सा सुनाया?। तनीषा ने बताया कि श्श्श्श की शूटिंग के दौरान वह पहाड़ से गिर गई थीं और सिर में चोट लगी?। तनीषा के मुताबिक, उनका ब्रेन डैमेज हो गया था।

एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी ने अपनी जिंदगी की एक चौंकाने वाली घटना का खुलासा किया है। तनीषा मुखर्जी ने साल 2003 में फिल्म एक्टिंग डेब्यू किया था। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान तनीषा मुखर्जी का ब्रेन डैमेज हो गया था। सालभर उन्होंने काफी तकलीफें झेली थीं। उन्हें नॉर्मल होने में लंबा वक्त लगा था। तनीषा फिलहाल फिल्मों से दूर हैं और बेहद चुनिंदा काम कर रही हैं। पिछले साल वह डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 11 में नजर आई थीं। शूटिंग के वक्त का डरावना हादसा बयां किया। तनीषा ने बताया कि वह पहाड़ से गिर गई थीं, जिसके कारण उनके दिमाग में गहरी चोट लगी और सूजन आ गई थी। लेकिन फिर भी वह शूटिंग करती रहीं ताकि मेकर्स और फिल्म को कोई नुकसान न हो। तनीषा मुखर्जी ने बताया, मेरा दिमाग क्षतिग्रस्त हो गया था। मैं पहाड़ से गिर गई थी और मुझे गंभीर चोट लगी। लगभग एक साल तक मुझे लगातार श्वश्वत्र करवानी पड़ी क्योंकि चेक करना था कि क्या दिमागी सूजन कम हो गई है या नहीं। मुझे नॉर्मल होने में पूरा एक साल लगा।





जब शादीशुदा मर्द से प्यार करने के सवाल पर रेखा ने भरी महफिल में कबूला था सच

हिंदी सिनेमा की एवरग्रीन एक्ट्रेस रेखा की पर्सनल लाइफ हमेशा चर्चा में रही है। उनके और अमिताभ बच्चन के इश्क के चर्चे आज भी लोग करते हैं। रेखा ने कई मौकों पर अपने और बच्चन के रिश्ते की खबरों को हवा दी है, लेकिन अमिताभ बच्चन हमेशा इससे बचते आए हैं। कुछ साल पहले रेखा ने एक रिएलिटी शो में कबूल किया था कि वह शादीशुदा मर्द से प्यार करती हैं।

रेखा ने कबूला अपना प्यार?

बात साल 2021 की है, जब रेखा इंडियन आइडल के सेट पर बतौर गेस्ट पहुंची थीं। शो को जय भानुशाली होस्ट कर रहे थे और जजेज नेहा कक्कड़, विशाल ददलानी थे। जय ने कहा था, रेखा जी, नेहू कभी आपने देखा है कि एक औरत पागल हो रही है एक शादीशुदा आदमी के लिए? तभी रेखा ने फटाक से जवाब देते हुए कहा था, मुझसे पूछिए ना? ये सुनकर जय हैरान हो गए और रेखा बोलीं- मैंने कुछ नहीं कहा। सभी जानते हैं कि रेखा और अमिताभ बच्चन के बीच अफेयर एक समय पर फिल्मी गलियारों का हॉट टॉपिक हुआ करता था। दोनों के बीच साल 1976 में आई फिल्म 'दो अनजाने' के सेट पर नजदीकियां बढ़ने लगी थी। उस वक्त अमिताभ बच्चन शादीशुदा थे और इसका असर उनके और जया बच्चन के रिश्ते पर पड़ने लगा था। कहा जाता है कि जया बच्चन, रेखा संग अमिताभ के अफेयर की खबरों से दुखी रहने लगी थीं।

- साभार एजेंसी